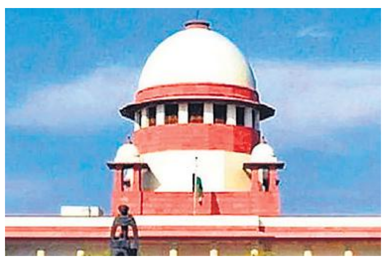

■ सुप्रीम टिप्पणी : देश की न्यायपालिका को ध्वस्त कर देना चाहते हैं आप लोग - 12

■ भारत में रूसी कच्चे तेल का आयात नवंबर में पांच माह के उच्च स्तर पर - 12

■ चीन की गतिविधियों में वृद्धि के बाद जापान अमेरिका का सैन्य अभ्यास - 13

■ सूर्यवंशी की रिकॉर्डतोड़ पारी से भारत ने अंडर-19 एशिया कप में यूएई को 234 रन से हराया- 14

आज का मौसम
21.0° अधिकतम तापमान
12.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.57
सूर्यास्त 05.15

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष नवमी, 04:38 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 13 दिसंबर 2025, वर्ष 5, अंक 293, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

डिजिटल होगी जनगणना, 11,718 करोड़ मंजूर

इस कार्य को 30 लाख कर्मचारी दो चरणों में करेंगे, केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए कई अहम फैसले

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की जनगणना 2027 देश के इतिहास में पहली बार पूरी तरह डिजिटल होगी। सरकार का कहना है कि यह नई व्यवस्था डेटा की सुरक्षा, तेजी और पारदर्शिता को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। दो चरणों में होने वाली यह जनगणना देश के हर व्यक्ति और हर घर की जानकारी डिजिटल तरीके से दर्ज करेगी।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि जनगणना के लिए 11,718 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया गया है। यह पूरी जनगणना डिजिटल प्लेटफॉर्म पर होगी। पहला चरण हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच होगी। दूसरा चरण जनसंख्या गणना फरवरी 2027 में होगा।

वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने कहा कि लद्दाख और जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश तथा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के बर्फ से ढके दूर दराज के क्षेत्रों के लिए जनगणना कवायद सितंबर 2026 में होगी। जनगणना 2027 के प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक रूप से एकत्र किए जाएंगे। लगभग 30 लाख कर्मचारी राष्ट्रीय महत्व के इस विशाल कार्य को पूरा करेंगे। डेटा का प्रसार कहीं बेहतर और उपयोगकर्ता के अनुकूल तरीके से होगा ताकि नीति-निर्माण के लिए आवश्यक मापदंडों से संबंधित सभी प्रश्नों के उत्तर एक बटन क्लिक करने पर उपलब्ध हो सकें।

अनुपयोगी 71 कानून होंगे निरस्त

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को उन 71 कानूनों को निरस्त करने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी जिनकी उपयोगिता कानून की किताबों में समाप्त हो चुकी है। इन 71 कानूनों में से 65 प्रमुख अधिनियमों में संशोधन हैं और छह प्रमुख कानून हैं। निरस्त किए जाने वाले प्रस्तावित कानूनों में से कम से कम एक कानून ब्रिटिश काल का है। एक अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित निरसन और संशोधन विधेयक का उद्देश्य औपनिवेशिक कानूनों को रद्द करना नहीं है, बल्कि उन अधिनियमों को हटाना है जिनकी उपयोगिता समाप्त हो चुकी है। संसद द्वारा संशोधन पारित हो जाने के बाद वह मूल कानून में समाहित हो जाता है। फिर वह केवल कानूनों की किताबों में अनावश्यक बोझ डालता है। अब तक 1,562 पुराने अप्रचलित कानूनों को निरस्त किया जा चुका है।

परमाणु क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी को अनुमति देने संबंधी प्रस्तावित विधेयक पर मुहर लगाई गई। इसका उद्देश्य 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लक्ष्य को पूरा करना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फरवरी में अपने बजट भाषण में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए खोलने की योजनाओं की घोषणा की थी। छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) के अनुसंधान और विकास के लिए 20,000 करोड़ के परिव्यय के साथ परमाणु ऊर्जा मिशन की भी घोषणा की।

बीमा क्षेत्र में 100% एफडीआई को मंजूरी

नई दिल्ली। देश में बीमा कवरेज बढ़ाने और इस क्षेत्र में अधिक पूंजी आकर्षित करने के लक्ष्य के तहत केंद्र सरकार ने शुक्रवार को बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी। यह विधेयक संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र में ही पेश किया जा सकता है। लोकसभा के एक बुलेटिन के मुताबिक, बीमा कानून (संशोधन) विधेयक, 2025 को संसद के मौजूदा सत्र की कार्यसूची में शामिल किया गया है।

उच्च शिक्षा के लिए एकल नियामक स्थापित करने वाले विधेयक को किया गया मंजूर

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने यूजीसी और एआईसीटीई जैसे निकायों की जगह उच्च शिक्षा नियामक निकाय स्थापित करने वाले विधेयक को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। प्रस्तावित विधेयक जिसे पहले भारत का उच्च शिक्षा आयोग (एचईसीआई) विधेयक नाम दिया गया था, अब विकसित भारत शिक्षा अधीक्षण विधेयक के नाम से जाना जाएगा। नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में प्रस्तावित एकल उच्च शिक्षा नियामक का उद्देश्य विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) को प्रतिस्थापित करना है। एक अधिकारी ने बताया, विकसित भारत शिक्षा अधीक्षण की स्थापना से संबंधित विधेयक को मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है। यूजीसी गैर-तकनीकी उच्च शिक्षा क्षेत्र की, जबकि एआईसीटीई तकनीकी शिक्षा की देखरेख करती है और एनसीटीई शिक्षकों की शिक्षा के लिए नियामक निकाय है। प्रस्तावित आयोग को उच्च शिक्षा के एकल नियामक के रूप में स्थापित किया जाएगा, लेकिन मेडिकल और लॉ कॉलेज इसके दायरे में नहीं आएंगे। इसके तीन प्रमुख कार्य प्रस्तावित हैं- विनियमन, मान्यता और व्यावसायिक मानक निर्धारण। वित्त पोषण, जिसे चौथा क्षेत्र माना जाता है, अभी तक नियामक के अधीन प्रस्तावित नहीं है। वित्त पोषण की स्वायत्तता प्रशासनिक मंत्रालय के पास प्रस्तावित है।

चार उड़ान परिचालन निरीक्षक निलंबित

मुंबई, एजेंसी

विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने इंडिगो के परिचालन में भारी व्यवधान उत्पन्न करने के आरोप में चार उड़ान परिचालन निरीक्षकों (एफओआई) को निलंबित कर दिया है। उड़ान परिचालन निरीक्षक (एफओआई), डीजीसीए के वरिष्ठ अधिकारी होते हैं जो इसके नियामक एवं सुरक्षा निरीक्षण कार्यों को अंजाम देते हैं और अकसर विमानन कंपनी के परिचालन की निगरानी के लिए तैनात किए जाते हैं। एक सूत्र ने यह जानकारी दी।

इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स और सीओओ इसिड्रे पोरक्वेरास शुक्रवार को डीजीसीए द्वारा नियुक्त चार सदस्यीय जांच समिति के समक्ष दूसरी बार पेश हुए। अपनी जांच के तहत, समिति इस प्रमुख घरेलू विमानन कंपनी में व्यापक परिचालन व्यवधानों के मूल कारणों की पहचान करेगी।

वहीं, इंडिगो के परिचालन में चल रही समस्याओं के मद्देनजर इस विमानन कंपनी ने शुक्रवार को दो प्रमुख हवाई अड्डों दिल्ली और बेंगलुरु पर लगभग 160 उड़ानें रद्द कर दीं। बृहस्पतिवार को इस विमानन कंपनी ने इन दोनों हवाई अड्डों पर 200 से अधिक उड़ानें रद्द की थीं। सूत्रों ने कहा, इंडिगो ने शुक्रवार को दिल्ली और बेंगलुरु में 159 उड़ानें रद्द कर दी हैं।

इंडिगो संकट

- डीजीसीए ने की कार्रवाई, दिल्ली और बेंगलुरु में 160 उड़ानें रद्द

एयरलाइंस ने अमेरिकी कंपनी को सौंपी जांच

नई दिल्ली। इंडिगो ने बड़े पैमाने पर देरी के कारणों की जांच की जिम्मेदारी एक अमेरिकी कंपनी को सौंपी है। इंडिगो ने बताया कि निदेशक मंडल ने बताया कि यह जांच विमानन संरक्षा से जुड़े दिग्गज कैप्टन जॉन इलसन के नेतृत्व में होगी जो अमेरिकी विमानन नियामक एफएए, अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) और अंतर्राष्ट्रीय हवाई यातायात संघ के अलावा कई बड़ी वैश्विक एयरलाइंस के साथ काम कर चुके हैं।

ब्रीफ न्यूज

15 आईपीएस के कार्यक्षेत्र बदले

देहरादून : उत्तराखंड शासन ने शुक्रवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 15 अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया है। सचिव गृह शैलेश बगौली की तरफ से जारी आदेश में कुछ अधिकारियों से प्रभार वापस लिए गए हैं तो कुछ को नए दिए गए हैं। वहीं, अपर सचिव नवनीत पांडे की तरफ से जारी पत्र में आईपीएस तृप्ति भट्ट को अपर सचिव गृह एवं कारागार विभाग का प्रभार प्रदान किया गया है। विस्तृत पेज-2

तीन चिकित्सकों, मौलवी को हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। लाल किला के पास 10 नवंबर को हुए विस्फोट के मामले में गिरफ्तार किए गए तीन चिकित्सकों और एक मौलवी को दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को 12 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना की अदालत में एक अन्य आरोपी डॉ. बिलाल नसीर मल्ला को भी पेश किया गया, ताकि उसकी आवाज के नमूने की प्रामाणिकता सुनिश्चित की जा सके। चार आरोपी डॉ. मुजम्मिल गनई, डॉ अदील राथर, डॉ शहीना सईद और मौलवी इरफान अहमद वागे को उनकी चार दिन की एनआईए हिरासत अवधि समाप्त होने पर अदालत के समक्ष पेश किया गया था।

आईएसआईएस से जुड़े संदिग्ध के घर छापा

हजारीबाग। एनआईए की एक टीम ने आईएसआईएस आतंकी नेटवर्क से संबंध के आरोप में झारखंड के हजारीबाग में एक व्यक्ति के घर पर छापा मारा। टीम ने एक लैपटॉप, एक प्रिंटर और अन्य उपकरण जब्त किए जिनका इस्तेमाल आतंकी संबंधों के लिए किए जाने की संभावना है।

मुगल परस्त मानसिकता देवभूमि में नहीं पनपने देंगे : मुख्यमंत्री

- सीएम धामी ने दी नैनीताल को 112 करोड़ की योजनाओं की सौगात
- बोला हमला-विपक्ष को बाबरी मस्जिद तो पसंद, कैंची धाम का विकास नहीं

संवाददाता, भीमताल/हल्द्वानी

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट कहा है कि उत्तराखंड देवों की भूमि है और उसके प्रताप को बनाए रखने के लिए किसी भी कीमत पर मुगल परस्त मानसिकता को पनपने नहीं देंगे। देवभूमि के मूल अस्तित्व को कोई नुकसान नहीं होने देंगे।

भीमताल विधानसभा के लेटीबुंगा मैदान में शुक्रवार को जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम ने 112 करोड़ 34 लाख की लागत की 17 विकास योजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि, उनको बाबरी मस्जिद तो पसंद आती है लेकिन कैंची धाम, छोटा कैलाश, नैना देवी मंदिर आदि के विकास, सौंदर्यीकरण से परेशानी होती है। केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में उत्तराखंड आज विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल सहित सभी क्षेत्रों में तेज़ी से इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। देवभूमि को विश्व में आध्यात्मिक राजधानी बनाने का प्रयास जारी है।

उन्होंने विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि, कांग्रेस को लैंड जिहाद, लव जिहाद और थूक जिहाद के साथ ही समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर भी आपत्ति है। हमारी सरकार ने कट्टर प्रवृत्ति के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की है। दंगारोधी कानून लागू किया। प्रदेश सरकार राज्य की संस्कृति और डेमोग्राफी को संरक्षित करने के लिए संकल्पित है। अब तक दस हजार एकड़ से भी अधिक भूमि लैंड जिहादियों से मुक्त करायी गयी है लेकिन कांग्रेस की आंखों पर वोट बैंक की पट्टी चढ़ी है। उसके चक्कर में उसको कहीं लैंड जिहाद नजर नहीं आता है। हम प्रदेश में गोमाता के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। आज ही क्षेत्र में गोशाला का लोकार्पण भी किया है पर कांग्रेस को गोमाता के संरक्षण में भी राजनीति दिखाई देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भीमताल विधानसभा सहित पूरे नैनीताल जिले के समग्र विकास के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। क्षेत्रीय विधायक द्वारा उठाए गए मुख्य मार्ग-10 की खराब स्थिति पर तत्काल संज्ञान लेते हुए 9.5 करोड़ रुपये सड़क पुनर्निर्माण हेतु स्वीकृत किए गए हैं।

भीमताल विस में विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास करते मुख्यमंत्री धामी। ● अमृत विचार

नकल माफियाओं पर लगाम को सबसे सख्त कानून लागू

राज्य में नकल माफियाओं पर लगाम कसने के लिए देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया, जिसके परिणामस्वरूप पिछले वर्षों में 26 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है और 100 से अधिक नकल माफिया सलाखों के पीछे भेजे गए। भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत 200 से अधिक भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई हुई है।

आंध्र प्रदेश में बस दुर्घटना में नौ की मौत, 22 घायल

- अल्लूरी सीताराम राजू जिले में बस सड़क से फिसलकर नीचे गिरकर पलटी

चिंतूर। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में शुक्रवार को एक बस सड़क से फिसलकर नीचे गिर गई और पलट गई, जिससे कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 22 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि चित्तूर से पड़ोसी राज्य तेलंगाना जा रही बस में चालक और सफाईकर्मी समेत 37 लोग सवार थे। इनमें से छह लोग सुरक्षित हैं।

एसपी अमित बरदार ने बताया कि दुर्घटना एक दुर्गा मंदिर के पास चिंतूर-मारेदुमिल्ली घाट सड़क पर सुबह करीब 4:30 बजे हुई। बरदार ने बताया, बस पूरी तरह से घाटी में नहीं गिरी। बस पलट गई और वहीं फंस गई। उन्होंने कहा कि घायलों में से चार की हालत गंभीर है। अधिकारी के अनुसार, संभवतः घने कोहरे के कारण बस चालक दुर्घटनास्थल पर स्थित मोड़ को नहीं देख पाया, जो मोथुगुडेम थाना क्षेत्र में पड़ता है। प्रधानमंत्री ने बस दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति शोक व्यक्त किया।

हादसे में पिता व दो बेटियों समेत 4 की मौत

- नैनीताल जाते वक्त गाजियाबाद के पर्यटक की कार पेड़ से टकराई
- मरने वालों में जीजा-साला भी पत्नी सहित 3 की हालत गंभीर

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचारः कालाढूंगी-बाजपुर हाइवे पर शुक्रवार सुबह गाजियाबाद के पर्यटकों की तेज रफ्तार बेकाबू कार पेड़ में जा टकराई। भीषण हादसे में इस पूरे परिवार पर कहर बरप गया। डेढ़ और तीन साल की दो मासूम बच्चियों, उनके पिता और मामा की मौत हो गई जबकि मां समेत तीन की हालत गंभीर बनी है।

पुलिस के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 7:30 बजे हुआ। बाजपुर से कालाढूंगी की तरफ आ रही तेज रफ्तार टाटा टियागो कार गड़प्पू चेकपोस्ट से करीब दो किमी पहले अचानक हाइवे से बेकाबू होते हुए पेड़ से जा टकराई। भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि कार के अगले हिस्से के परखचे उड़ गए और कार सवार लोगों में चीख पुकार मच गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे लोगों को निकालकर अस्पताल भिजवाया। कोतवाल अरुण सैनी ने बताया कि, कार में गांव स्यानी थाना नंदग्राम गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) निवासी प्रदीप यादव (28) पुत्र राजेश यादव, उनकी पत्नी ज्योति (27), दो बेटियां अनन्या उर्फ परी (3) व किट्टू (डेढ़ वर्ष), प्रदीप का साला राहुल यादव (18) और विवेक यादव (23) पुत्र गौरी शंकर यादव और दीपांशु पुत्र रामविलास निवासी मैनपुरी सवार थे।

इनमें प्रदीप और राहुल की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दोनों बच्चियों परी व किट्टू ने काशीपुर के निजी अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण चालक का नींद की झपकी आना और ओवरस्पीड माना जा रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त कार।

चांदी 5,100 रुपये बढ़कर 1.99 लाख प्रति किग्रा के नए शिखर पर

- सोना 1,110 रुपये बढ़कर 1,33,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को चांदी की कीमत में लगातार तीसरे दिन तेजी आई और यह 5,100 रुपये बढ़कर 1,99,500 रुपये प्रति किलोग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई। सुरक्षित निवेश वाली परिसंपत्तियों की सतत वैश्विक मांग के बीच चांदी के भाव में तेजी आई है। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी।

चांदी गुरुवार को 2,400 रुपये बढ़कर 1,94,400 प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इससे एक दिन पहले बुधवार को इसमें 11,500 रुपये की तेजी आई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, घरेलू बाजार में, हाजिर चांदी की कीमतों ने एक बार फिर नई ऊंचाई को छुआ। वहीं सोने के दाम में भी काफी बढ़ोतरी हुई, जो रिकॉर्ड स्तर के पास पहुंच गयी है। 99.9% शुद्धता वाला सोना 1,110 रुपये बढ़कर 1,33,600 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया, जबकि पिछले सत्र में यह 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज का निधन

- 90 वर्षीय कांग्रेस नेता के निधन पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया शोक

लातूर, एजेंसी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल का शुक्रवार सुबह महाराष्ट्र में उनके गृह नगर लातूर में निधन हो गया। पाटिल कुछ समय से बीमार थे और उन्होंने अपने आवास 'देवघर' पर अंतिम सांस ली। वह 90 वर्ष के थे। पाटिल का अंतिम संस्कार शनिवार को किया जाएगा।

पाटिल के परिवार में बेटा शैलेश पाटिल, बहू अर्चना और दो पोतियां हैं। पाटिल अपने अंतिम दिनों तक कांग्रेस और नेहरू-गांधी परिवार के प्रति वफादार रहे। पांच दशकों से अधिक के सार्वजनिक जीवन में कई महत्वपूर्ण संवैधानिक और मंत्रिस्तरीय पदों पर कार्य किया। वर्ष 2008 में केंद्रीय गृहमंत्री के रूप में पाटिल को भारी जनाक्रोश और मीडिया आलोचना का सामना करना पड़ा, क्योंकि जब मुंबई दस आतंकियों के अभूतपूर्व हमलों से जूझ रही थी, वे तीन अलग-अलग परिधानों में नजर आए थे।

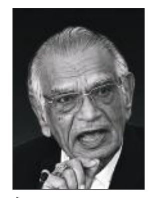

खुदरा महंगाई ने फिर पकड़ी रफ्तार

मुद्रास्फीति बढ़कर 0.71% पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी के बीच खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में बढ़कर 0.71 प्रतिशत पर पहुंच गई, जबकि अक्टूबर में यह 0.25 प्रतिशत के रिकॉर्ड निचले स्तर पर थी।

सीपीआई पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में लगातार दसवें महीने आरबीआई के चार प्रतिशत के लक्ष्य के नीचे रही। यह लगातार दूसरा महीना है जब खुदरा मुद्रास्फीति एक प्रतिशत से भी कम रही। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर में खाद्य मुद्रास्फीति में 3.91 प्रतिशत की गिरावट रही, जबकि अक्टूबर में यह गिरावट 5.02 प्रतिशत थी। नवंबर में कुल (हेडलाइन) और खाद्य मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी मुख्य रूप से सब्जियों, अंडे, मांस एवं मछली, मसाले, ईंधन और बिजली की कीमतों में वृद्धि के कारण हुई। ईंधन और बिजली की मुद्रास्फीति नवंबर में 2.32% रही, जो अक्टूबर में 1.98ङ थी। रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि कुछ सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी और तुलनात्मक आधार सामान्य होते रहने से अगली खुदरा मुद्रास्फीति 1.5 प्रतिशत को पार कर सकती है।

वृद्धि एवं मुद्रास्फीति के बदलते परिदृश्य के साथ आगामी केंद्रीय बजट में घोषित होने वाले वित्तीय उपाय भी एमपीसी की अगली बैठक के फैसलों की राह दिखाएंगे।

- खाद्य पदार्थ महंगा होने से नवंबर में आया उछाल, अक्टूबर में 0.25% के रिकॉर्ड निचले स्तर पर थी

सियासत

भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव : आज दोपहर भरे जाएंगे नामांकन, 464 मतदाता करेंगे चुनाव

यूपी में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को लेकर बढ़ी हलचल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष के चयन को लेकर राजधानी में शुक्रवार को सियासी हलचल और तेज हो गई। पार्टी ने मतदाता सूची जारी कर दी है, जिसमें कुल 464 वोटर शामिल हैं। इनमें 5 लोकसभा सांसद, 26 विधायक, 8 विधान परिषद सदस्य और 425 प्रांतीय परिषद व जिला अध्यक्ष शामिल हैं। इसी चुनाव में राष्ट्रीय परिषद सदस्यों का भी चयन होना है।

नामांकन दाखिल होते ही यह साफ होने लगेगा कि पार्टी किस चेहरे के नाम पर आगे बढ़ रही है। भाजपा में अधिकांश बार अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना जाता है, लेकिन नामांकन तक स्थिति साफ नहीं होती। राजधानी में बढ़ी सरगर्मी बताती है कि यूपी भाजपा का यह चुनाव संगठन के अगले कई वर्षों की दिशा और 2027 की रणनीति तय करने में अहम भूमिका निभाएगा। रविवार को यूपी को नया भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मिल जाएगा। इसी के साथ पार्टी का संगठन अगले चुनावी मिशनों के लिए नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेगा। चुनाव अधिकारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने चुनाव का विस्तृत कार्यक्रम जारी किया। इसके मुताबिक शनिवार 13 दिसंबर को दोपहर 2 से 3 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल होंगे। इसके बाद 3 से 4 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच और 4 से 5 बजे तक नाम वापसी का समय निर्धारित है। यदि एक ही उम्मीदवार का नाम आता है तो अध्यक्ष निर्विरोध तय हो जाएगा। अन्यथा 14 दिसंबर को मतदान कराया जाएगा। मतदान के बाद दोपहर 1 बजे प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय परिषद सदस्यों के नामों की आधिकारिक घोषणा होगी।

सहमति बनाने लखनऊ पहुंचे बीएल संतोष

राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष शुक्रवार को दिल्ली से लखनऊ पहुंचे और प्रदेश अध्यक्ष पर सहमति बनाने की कमान संभाल ली। उन्होंने भाजपा मुख्यालय में शीर्ष नेताओं के साथ करीब दो घंटे तक मंथन किया। सूत्र बताते हैं कि केंद्रीय नेतृत्व का फोकस वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी पर ज्यादा है। कुर्मी समाज से आने वाले पंकज चौधरी महराजगंज से लगातार सातवीं बार सांसद हैं और पूर्वांचल में भाजपा का प्रभावी ओबीसी चेहरा माने जाते हैं। उनका गोरखपुर में आवास है और परिवार एक ग्लोबल तेल कंपनी का संचालन करता है।

कौन होगा नया अध्यक्ष

भाजपा दफ्तर में शुक्रवार को नेताओं, विधायकों, सांसदों और संगठन के पदाधिकारियों की आवाजाही लगातार जारी रही। कई नामों पर कयास लगाए जा रहे हैं, लेकिन पार्टी के शीर्ष नेता मौन हैं। संभावित नामों में केंद्रीय राज्य मंत्री पंकज चौधरी व बीएल वर्मा, विद्यासागर सोनकर, श्रीकांत शर्मा, स्वतंत्रदेव सिंह, धर्मपाल सिंह और दिनेश शर्मा, रामशकल समेत महिला नेताओं में साध्वी निरंजन ज्योति, प्रियंका रावत, रेखा वर्मा शामिल हैं।

स्टेट ब्रीफ

मुख्यमंत्री ने किया वित्तीय अनुमोदन

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों में संचालित विकास योजनाओं एवं जनकल्याण से जुडी योजनाओं एवं कार्यक्रमो के संचालन हेतु 68 .26 करोड़ रुपये की धनराशि का अनुमोदन प्रदान किया गया है। इनमें कई योजनाओं के अलावा, मुख्यमंत्री ने वन विभाग द्वारा मानव वन्य जीव संघर्ष के लम्बित प्रकरणों के भुगतान तथा आगामी माहों में आकस्मिक रूप से घटित होने वाले प्रकरण में क्षतिपूर्ति हेतु गत वर्षों की अवशेष देनदारी तथा आगामी माहों में आकस्मिक रूप से घटित होने वाले प्रकरणों के भुगतान हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 में 15 करोड़ की धनराशि द्वितीय किश्त के रूप में राज्य आपदा मोचन निधि के अन्तर्गत अवमुक्त किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

एम्स के कर्मी पर केस

ऋषिकेश : सीएम धामी के निर्देश पर पुलिस ने ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के कर्मचारी सिद्धांत के खिलाफ एक व्यक्ति को नौकरी दिलाने का झांसा देकर साढ़े पांच लाख रुपये से अधिक की ठगी करने के आरोप में केस दर्ज किया है। एसएसआई भगत सिंह रावत ने बताया कि यह मुकदमा इस सप्ताह ऋषिकेश निवासी सागर चौधरी की शिकायत पर दर्ज किया गया है जिसमें आरोप लगाया गया कि ऋषिकेश स्थित एम्स में कनिष्ठ प्रशासनिक सहायक के पद पर कार्यरत सिद्धांत ने उनसे इस संस्थान में नौकरी दिलाने के एवज में 5 .59 लाख हजार भी लिये। मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने केस दर्ज किया है।

देहरादून में आज से जनसंपर्क का 'महाकुंभ'

47वीं ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशंस कॉन्फ्रेंस का मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी करेंगे शुभारंभ

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: राजधानी देहरादून आज से 15 दिसंबर तक देश भर के जनसंपर्क एवं कम्युनिकेशन प्रोफेशनल्स के भव्य संगम का केंद्र बनने जा रही है, जब पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) की 47वीं ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशंस कॉन्फ्रेंस यहां आयोजित होगी।

पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक के अनुसार, यह जनसंपर्क क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी और प्रतिष्ठित वार्षिक कॉन्फ्रेंस है, जिसमें सरकारी विभागों, कॉर्पोरेट, पीएसयू, अकादमिक संस्थानों और मीडिया जगत से बड़ी संख्या में प्रतिनिधि जुटेंगे। सम्मेलन की मुख्य थीम-'विकसित भारत @2047: विकास भी, विरासत भी-एम्पॉवरिंग ग्रोथ, प्रिजर्विंग रूट्स' है। इस थीम के अंतर्गत यह विचार किया जाएगा कि आने वाले वर्षों में पब्लिक रिलेशंस राष्ट्रनिर्माण, तकनीक, संवाद और जनभागीदारी के क्षेत्र में कैसी अग्रणी और निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

पीआरएसआई देहरादून चैप्टर के अध्यक्ष रवि बिजारनिया के अनुसार, इस वर्ष रूस से आए प्रतिनिधियों की उपस्थिति सम्मेलन को एक अंतर्राष्ट्रीय आयाम प्रदान कर रही है।

यह तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन जनसंपर्क जगत को नए विचारों, नीतिगत चर्चाओं, नवाचारों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का व्यापक मंच उपलब्ध कराएगा। देहरादून इस आयोजन के माध्यम से राष्ट्रीय ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय जनसंपर्क मानचित्र पर अपनी विशेष पहचान दर्ज कराने जा रहा है।

पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया की कॉन्फ्रेंस की पूर्व संध्या पर पीआरएसआई के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

समापन दिवस पर ये सत्र

सुबह 10 बजे से पहले सत्र में साइबर क्राइम, मिसइन्फॉर्मेशन और एआई पर एएसपी अंकुश मिश्रा (एसटीएफ)- साइबर अपराध और गलत सूचना की चुनौतियां, डॉ. ताहा सिद्दीकी एवं विनय जायसवाल (सेल)- एआई आधारित कार्यशाला में प्रतिभाग करेंगे। दूसरे सत्र में मानव संसाधन, रणनीतिक मार्केटिंग और भारतीय मूल्य विषय पर डॉ. हेमंत शरद पांडे, अनुपम तिवारी, मेजर अतुल देव और डॉ. ऋतु दुबे तिवारी चर्चा करेंगी।

शनिवार दोपहर 3:30 बजे कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी करेंगे। उद्घाटन सत्र में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी विशिष्ट अतिथि तथा सांसद नरेश बंसल सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इसके बाद सम्मेलन के तकनीकी सत्रों की शुरुआत होगी, जिनमें थीम आधारित चर्चाएं, नवाचार और उत्तराखंड की विकास यात्रा पर केंद्रित सत्र शामिल होंगे।

रविवार को ये सत्र

रविवार को तकनीकी एवं विषयगत सत्र में '25 वर्ष का उत्तराखंड और आगे की दिशा' थीम पर वक्ता राज्य की 25 वर्षों की विकास यात्रा और भविष्य की प्राथमिकताओं पर विचार रखेंगे। इस पैनल में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी आर. मीनाक्षी सुंदरम, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम, डॉ. विजय कुमार जोगदंडे, बंशीधर तिवारी तथा प्रो. दुर्गेश पंत शामिल होंगे। दूसरा सत्र 'विकसित भारत @ 2047 में मीडिया और जनसंपर्क की भूमिका' थीम पर होगा, जिसमें अनुपम त्रिवेदी, डॉ. नितिन उपाध्याय (डीआईपीआर), डॉ. हिमांशु शेखर और प्रो. सुरभि दहिया (आईआईएमसी) प्रतिभाग करेंगे। तीसरा सत्र वे फ़ॉरवर्ड-जीएसटी टेक्नोलॉजी और पब्लिशिंग इंडस्ट्री का रहेगा, जिसमें बी. सुमिदा देवी (आईआरएस) जीएसटी का व्यापक आर्थिक प्रभाव, मेजर अतुल देव-तकनीक और जनसंपर्क व सी. रविंदर रेड्डी-पब्लिशिंग इंडस्ट्री के भविष्य पर चर्चा करेंगे। पांचवें सत्र, इंडो-रशियन पब्लिक रिलेशंस एंड मीडिया फोरम में रूसी प्रतिनिधि-माइकल मस्लोव, दाव्यदेंको यूलिया, अन्ना तलानीना भारत-रूस व्यापार, डिजिटल संचार और उपभोक्ता व्यवहार पर विचार प्रस्तुत करेंगे।

राज्य में 15 आईपीएस के कार्यक्षेत्र बदले गए

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- आईजी डॉ. नीलेश आनंद भरणे को पीएसी का भी चार्ज
- तृप्ति भट्ट को अपर सचिव गृह का भी प्रभार

अमृत विचार: शासन ने शुक्रवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 15 अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया है। सचिव गृह शैलेश बगौली की तरफ से जारी आदेश में कुछ अधिकारियों से प्रभार वापस लिए गए हैं तो कुछ को नए दिए गए हैं। वहीं, अपर सचिव नवनीत पांडे की तरफ से जारी पत्र में आईपीएस तृप्ति भट्ट को अपर सचिव गृह एवं कारागार विभाग का प्रभार प्रदान किया गया है।

स्थानांतरण आदेश में आईजी विम्मी सचदेवा रमन से आईजी मुख्यालय का प्रभार वापस लिया गया है। आईजी नीरू गर्ग से पीएसी/एटीसी का प्रभार वापस लेते हुए अब आईजी फायर सर्विस बनाया गया है। आईजी कृष्ण कुमार वीके से आईजी सीआईडी का प्रभार वापस लिया गया है जबकि आईजी फायर सर्विस मुख्तार मोहसिन से आईजी फायर सर्विस का चार्ज वापस लेकर आईजी जीआरपी बनाया गया है। आईजी करन सिंह नगन्याल को आईजी जेल की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। आईजी अरुण मोहन जोशी से आईजी एसडीआरएफ का प्रभार वापस लेकर आईजी सीआईडी बनाया गया है जबकि आईजी एसटीएफ/साइबर डॉ. नीलेश आनंद भरणे को आईजी पीएसी की भी जिम्मेदारी सौंपी गयी है। इनके अलावा, आईजी सुनील मीणा से आईजी जीआरपी का प्रभार वापस लिया गया है। आईजी योगेंद्र सिंह रावत को आईजी मुख्यालय का प्रभार भी सौंपा गया है। डीआईजी निवेदिता कुकरेती से फायर सर्विस का प्रभार वापस लेकर डीआईजी एसडीआरएफ का प्रभार सौंपा गया है। 31वीं वाहिनी पीएसी, रुद्रपुर के सेनानायक यशवंत सिंह को सेनानायक आईआरबी प्रथम रामनगर का प्रभार भी दिया गया है।

इनके अलावा, 40वी वाहिनी पीएसी हरिद्वार की सेनानायक तृप्ति भट्ट को एसपी फायर सर्विस का चार्ज दिया गया है। आईआरबी प्रथम रामनगर के सेनानायक रामचंद्र राजगुरु को एसपी पुलिस मुख्यालय बनाया गया है। एसपी अभिसूचना मुख्यालय सरिता डोबाल को एसपी एटीएस की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। एसपी क्षेत्रीय हल्द्वानी हरीश वर्मा को 40वीं वाहिनी पीएसी हरिद्वार का सेनानायक बनाया गया है।

यौन शोषण के आरोपी उस्मान के घर बुलडोजर चलाने पर रोक

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट ने सरोवर नगरी में 12 साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी ठेकेदार उस्मान खान के घर पर बुलडोजर चलाने के मामले में सर्दी के मौसम को देखते हुए फिलहाल मानवीय आधार पर रोक लगा दी है।

आरोपी की पत्नी की ओर से इस मामले में याचिका दायर कर कहा गया कि उसका पति जेल में बंद है और डीडीए की ओर से तीन दिन के अंदर घर खाली करने के आदेश दिए गए हैं। डीडीए उसके घर को तोड़ना चाहता है। वहीं, डीडीए की ओर से अदालत को बताया गया कि अतिक्रमण के खिलाफ विधिवत कार्रवाई की जा रही है। साथ ही इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का भी पूरी तरह से पालन किया जा रहा है। यह वनाच्छादित क्षेत्र है। आरोपी को पहले से नोटिस जारी किया जा चुका है। साथ ही आरोपी के पास कोई भी वैध दस्तावेज मौजूद नहीं है। आरोपी पक्ष को सुनवाई का पर्याप्त अवसर दिया गया लेकिन वह कोई दावा प्रस्तुत नहीं कर पाया। आरोपी आयुक्त के यहां भी अपील पर हार चुका है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने मानवीय आधार पर सर्दी को देखते हुए घर को तोड़ने पर मौखिक रूप से रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने डीडीए को पांच जनवरी तक जवाबी हलफनामा दायर करने को कहा है। मामले के अनुसार, इसी साल 12 साल की एक लड़की के यौन शोषण का मामला सामने आया था। यौन शोषण का आरोप 71 साल के सरकारी ठेकेदार उस्मान खान पर लगाया गया। आरोप है कि पैसे का लालच देकर लड़की का यौन शोषण किया गया। आरोपी तभी से जेल में बंद है।

जिलाधिकारी बैठक करें, रिपोर्ट दें

नैनीताल : मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र की खंडपीठ ने हल्द्वानी के वॉकवे मॉल के पास रोड चौड़ीकरण नहीं करने की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए डीएम नैनीताल को निर्देश दिए हैं कि वे अतिक्रमणकारियों व अन्य लोगों के साथ बैठक कर पता करें कि कहां-कहां अतिक्रमण हुआ है और कहां नाला था। नाले की वास्तविक स्थिति गूगल मैप से स्पष्ट नहीं हो पा रही है क्योंकि नाले व उसके आसपास निर्माण कार्य हो चुका है इसलिए इस पर 29 दिसम्बर तक रिपोर्ट कोर्ट में पेश करें।

रोपवे के प्रस्ताव पर स्वीकृति अनिवार्य

देहरादून, अमृत विचार: मुख्य सचिव (सीएस) आनंद बर्द्धन ने कहा कि प्रदेश के सभी रोप-वे प्रस्तावों को रोपवे विकास समिति से स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा।

रोप-वे विकास के लिए गठित संचालन समिति की बैठक शुक्रवार को सचिवालय में हुई, जिसमें प्रदेश में रोप-वे निर्माण को लेकर अहम निर्णय लिए गए। सीएस ने कहा कि रोप-वे के सभी बड़े प्रोजेक्ट्स बनने से अगले पांच-दस सालों में स्थानीय स्तर पर जिन नए पर्यटक स्थलों का विकास, मार्गों का विस्तारीकरण किए जाने की आवश्यकता है, उनके लिए अभी से रोडमैप तैयार कर लिया जाए। उन्होंने उत्तराखंड रोप-वे विकास लिमिटेड के रोड मैप पर भी चर्चा की। बैठक में बताया गया कि प्रदेशभर से 50 रोप-वे प्रस्तावित किए गए हैं। जिनमें से कुल छह प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर चयनित किया गया है।

बोले प्रत्याशी-करेंगे समस्याओं का समाधान

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के 15 दिसम्बर को होने वाले मतदान से पूर्व शुक्रवार को बार सभागार में हुई आम सभा में अध्यक्ष एवं महासचिव पद के प्रत्याशियों ने अधिवक्ताओं के हित में काम करने, अधिवक्ताओं के मान सम्मान की सुरक्षा करने सहित विभिन्न समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

मुख्य चुनाव अधिकारी कुर्बान अली व चुनाव सलाहकार रविन्द्र बिष्ट की मौजूदगी में हुई आम सभा में अध्यक्ष की पद की प्रत्याशी अंजली भार्गव ने अधिवक्ता चैम्बरों में विद्युतापूर्ति बाधित होने पर अंधेरा होने, वहां वाईफाई न होने का जिक्र किया। कहा कि चुनाव जीतने पर इस समस्या का समाधान करेंगी। साथ ही, उन्होंने पार्किंग की समस्या का समाधान करने व अधिवक्ताओं की अन्य समस्याओं का निराकरण करने का वायदा किया।

सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष पद के उम्मीदवार बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डीसीएस रावत। ● अमृत विचार

अध्यक्ष पद के प्रत्याशी डीसीएस रावत ने कहा कि उन्होंने पूर्व में भी बार एसोसियशन अध्यक्ष रहते कई अहम कार्य किए। उन्होंने जूनियर अधिवक्ताओं की समस्याओं को मुख्यतः उठाया। साथ ही, पार्किंग, अधिवक्ताओं का बीमा, मेडिकल क्लेम की मांगों पर काम करने का वायदा किया। प्रत्याशी डीके जोशी ने कहा कि उन्होंने मिशन 365 का लक्ष्य रखा है जिसके तहत वे हर दिन अधिवक्ताओं के हित में काम करेंगे। जो समस्याएं पिछले 25 साल से नहीं सुलझ सकी हैं उनका हर हाल में निराकरण किया जाएगा। अधिवक्ताओं के हितों व मान सम्मान के साथ समझौता नहीं किया जाएगा।

प्रत्याशी मनीषा भंडारी ने अन्य मुद्दों के अलावा महिला अधिवक्ताओं से सशक्त बनने को कहा । कहा कि महिलाओं को सेनापति की भूमिका में रहना होगा। आरक्षण भी महिलाओं को कमजोर बना रहा है। सचिव पद के प्रत्याशी अक्षय लटवाल,भूपेंद्र सिंह कोरंगा व सौरभ अधिकारी ने भी अधिवक्ता हितों की रक्षा करने व विभिन्न समस्याओं के समाधान का वायदा किया। आम सभा का संचालन देविका तिवारी एवं श्वेता डोभाल ने किया।

भूकंप आने से पूर्व अलर्ट करेगा भूदेव एप

संवाददाता, हरिद्वार

अमृत विचार: उत्तराखंड आपदा प्रबंधन विभाग (यूएसडीएमए) ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की के सहयोग से अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित भूदेव एप लॉन्च किया है।

यह एप भूकंप आने से पहले ही मोबाइल फोन पर चेतावनी जारी करेगा। यह अलर्ट लोगों को समय रहते सतर्क होने और सुरक्षित स्थान पर पहुंचने का मौका देगा, जिससे जनहानि और नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकेगा। पर्वतीय राज्य में समय-समय पर आने वाले भूकंपों ने आमजन के मन में चिंता बढ़ाई है, ऐसे में यह एप उत्तराखंड के लिए जीवनरक्षक कदम साबित हो सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे स्वयं, अपने परिवार, रिश्तेदारों और परिचितों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भूदेव एप अवश्य डाउनलोड करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। कहा कि आपदा से बचाव में तैयारी और जागरूकता दोनों का होना बेहद आवश्यक है तथा आपदा सुरक्षित उत्तराखंड का निर्माण तभी संभव है जब हर नागरिक इसमें अपनी सक्रिय भूमिका निभाए।

राज्यकर्मी संपत्ति की घोषणा 15 तक करें

देहरादून: सचिव कार्मिक शैलेश बगौली ने राज्य सरकार के सभी विभागों, उपक्रमों व निगमों को उत्तराखंड राज्य कर्मचारियों की आचरण नियमावली, 2002 के अनुपालन के संबंध में आगामी 15 दिसंबर तक सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए हैं।

सचिव बगौली ने इस संबंध में राज्य के सभी प्रमुख सचिवों, सचिवों, विभागाध्यक्षों कार्यालयाध्यक्षों, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों एवं राज्य सरकार के उपक्रमों व निगमों के प्रबंध निदेशकों को परिपत्र जारी किया है। इसमें हाईकोर्ट में योजित रिट याचिका में कोर्ट द्वारा दिए निर्देशों के क्रम में उत्तराखंड राज्य कर्मचारियों की आचरण नियमावली-2002 के नियम-2 (ग) में वर्णित कर्मचारी के 'परिवार का सदस्य' की परिभाषा तथा नियमावली के नियम 22 में चल, अचल तथा बहुमूल्य सम्पत्ति क्रय किए जाने एवं सम्पत्ति की घोषणा किए जाने विषयक प्रावधानों का उल्लेख करते हुए तत्संबंधित अनुपालन की सूचना निर्धारित तिथि तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराए जाने की अपेक्षा की गई है।

डीपीसी के बाद चार्जशीट आधार बनाकर पदोन्नति रोकना गलत

विधि संवाददाता, नैनीताल

- हाईकोर्ट ने किया महत्वपूर्ण फैसला, राज्य से मांगा प्रतिवाद

अमृत विचार: हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें एक वन अधिकारी की पदोन्नति को इस आधार पर रोक दिया गया था कि पदोन्नति प्रक्रिया से पहले उनके खिलाफ आरोप पत्र जारी किया गया था।

अदालत ने कहा कि चूंकि विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक के बाद ही कर्मचारी को आरोप पत्र सौंपा गया था, इसलिए पदोन्नति को रोका नहीं जा सकता था। वन अधिकारी कुलदीप सिंह द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी ने गुरुवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा पूर्व निर्णयों में निर्धारित सिद्धांतों के आलोक में राज्य द्वारा उनकी पदोन्नति को निलंबित करने की कार्रवाई उचित नहीं थी। याचिकाकर्ता के वकील अभिजय नेगी ने बताया कि कुलदीप सिंह ने 1995 में वन विभाग में वनपाल के रूप में कार्यभार संभाला और 2013 में उप वन रेंजर के पद पर पदोन्नत हुए। यूकेपीएससी की सिफारिश पर, उन्हें 10 जून, 2024 को वन रेंज अधिकारी (एफआरओ) के पद पर पदोन्नत किया गया और उन्होंने 12 जून को कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने कहा, हालांकि, दो दिन बाद, 14 जून को सरकार ने एक आदेश जारी कर उनकी पदोन्नति को इस आधार पर स्थगित कर दिया कि चार मई को उनके खिलाफ आरोप पत्र जारी किया गया था। हाईकोर्ट ने राज्य को विस्तृत प्रतिवाद दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया और मामले की सुनवाई 16 फरवरी, 2026 को सूचीबद्ध की। तब तक, न्यायालय ने आदेश दिया कि 14 जून के आदेश का प्रभाव और संचालन स्थगित रहेगा।

ज्ञान का उपयोग समाज व राष्ट्र निर्माण में करें: सिंह

- राज्यपाल गुरमीत सिंह ने किया उत्तराचंल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: राज्यपाल गुरमीत सिंह ने शुक्रवार को उत्तरांचल विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

राज्यपाल ने कहा कि यह समारोह केवल डिग्री प्रदान करने का अवसर नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के परिश्रम और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से अपेक्षा की कि, वे अपने ज्ञान का उपयोग समाज और राष्ट्र निर्माण में करें। कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल बुद्धि का विकास न होकर चरित्र निर्माण है और आज के परिवर्तित वैश्विक परिदृश्य में ईमानदारी, अनुशासन तथा नैतिक मूल्यों का महत्व और बढ़ गया है।

उत्तरांचल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह का शुभारंभ करते राज्यपाल गुरमीत सिंह। ● अमृत विचार

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को सदैव सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। कहा कि हमारा ज्ञान तभी सार्थक है, जब वह देश के विकास में योगदान दे। राज्यपाल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

उन्होंने सभी स्नातक विद्यार्थियों को जीवन में सफलता प्राप्त करने और देश व राज्य का गौरव बढ़ाने की शुभकामनाएं दीं। कुलपति प्रो. धर्मबुद्धि ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी। इस अवसर पर विवि के अध्यक्ष जितेन्द्र जोशी, उपाध्यक्ष अंकिता जोशी, अनुराधा जोशी, प्रति कुलपति राजेश बहुगुणा, कुलसचिव डॉ. अनुज राणा मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

नैनीताल में सुहानी रही मौसम की फितरत

नैनीताल : सरोवर नगरी में शुक्रवार को मौसम की फितरत सुहानी रही। हल्के बादलों के बीच पूरे दिन धूप खिली रही। सैलानियों ने मौसम के साथ नैसर्गिक पर्यटनस्थलों की सैर की। धूप खिली रहने से सैलानियों का आनंद दोहरा हो गया। हालांकि हल्के बादलों ने कई बार दस्तक दी, जो हवा के साथ छटते चले गए। मौसम का मिजाज शाम तक सुहावना बना रहा। इस बीच स्नोव्यू, हिमालय दर्शन, वाटरफॉल, केव गार्डन और चिड़ियाघर में खासी रौनक रही। माल रोड पर काफी भीड़ रही तो नौका विहार करने वालों का तांता लगा रहा। सांझ ढलने के बाद ठंड में बढ़ोतरी हुई। अधिकतम तापमान 18 व न्यूनतम 8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

खड़िया खनन मामले में सुनवाई सोमवार को

नैनीताल : हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने बागेश्वर जिले में अवैध खड़िया खनन से आई दरारों के मामले में स्वत: संज्ञान जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद अगली सुनवाई के लिए सोमवार की तिथि नियत की है। खंडपीठ ने जिला खान अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि कोर्ट के आदेश के बाद भी जिस खनन कारोबारी ने खनन किया है उसके खिलाफ जो मुदकमा दर्ज किया है उस एफआईआर की प्रति कोर्ट में प्रस्तुत करें। सुनवाई के दौरान पेश हुए जिला खान अधिकारी ने अवगत कराया कि उनके द्वारा नवीन कुमार माइंस के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। जिस पर कोर्ट ने खान अधिकारी से दर्ज मुकदमे की एफआईआर की प्रति सोमवार को पेश करने को कहा है। कांडा तहसील के ग्रामीणों ने मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजकर कहा था कि अवैध खड़िया खनन से उनकी खेतीबाड़ी, घर, पानी की लाइनें चौपट हो चुकी हैं। मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है।

विशेष बच्चों को मातृत्व देना सबसे बड़ा पुण्य

देहरादून : कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने शुक्रवार को विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को गोद लेने वाले माता–पिताओं को सम्मानित किया। दत्तक ग्रहण माह के अवसर पर संस्कृति विभाग के सभागार में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि मंत्री आर्या ने कहा कि दुनिया में कोई बच्चा अनाथ न रहे, सबको उचित पोषण और मातृत्व मिले यह पूरे समाज की जिम्मेदारी है। कोई दंपती जब किसी अनाथ को गोद लेने का विचार करता है तो यह उन पर ईश्वर की विशेष अनुकंपा के कारण ही संभव होता है। अपना खून ही बुढ़ापे की लाठी बनेगा, यह रूढ़िवादी सोच है।

भीमताल को विकास की सौगात दे गए सीएम

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कई घोषणाओं के साथ किया विकास योजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास

संवाददाता, भीमताल

भीमताल में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का स्वागत करते भाजपा विधायक राम सिंह कैड़ा और स्थानीय जनप्रतिनिधि। ● अमृत विचार

अमृत विचार: एक दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को भीमताल विधानसभा क्षेत्र में पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी क्षेत्र को विकास की कई सौगात दे गए।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान 112 करोड़ 34 लाख रुपये लागत की 17 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भीमताल क्षेत्र के भीड़ापानी, नाई, डालकन्या, देवनगर, सिलौटी, सुन्दरखाल में मिनी स्टेडियम का निर्माण कराने, भीमताल में नई पार्किंग और नया रोडवेज बस स्टेशन स्थापित करने, भीमताल नगर में अग्निशमन केंद्र खोलने, ओखलकांडा के करायल बैंड-टकुरा वन चौकी रोड का डामरीकरण करने, भीमताल बाइपास नहर कवरिंग का शेष कार्य पूर्ण कराने, नौकुचियाताल-खड़की खरौला रोड का मिलान, कसियालेख-काफली-पदीकनाला रोड का डामरीकरण, बडोन-सिमलिया-सानन्नी मोटर मार्ग का मिलान कराने की प्रमुख रूप से घोषणा की।

इनके अलावा, भवाली बाईपास पार्ट-1 और 2 सुधारीकरण, भीमताल बाइपास सड़क सुधार, 50 बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट, नैनीताल, हल्दूचौड़ एलबीएस कॉलेज में पुस्तकालय व बहुउद्देश्यीय हॉल, पुछड़ी में गौशाला निर्माण और राजकीय विद्यालय जाडापानी में पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब, विज्ञान प्रयोगशाला का लोकार्पण किया जबकि राजकीय महाविद्यालय लालकुआं में परीक्षा भवन, लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में चाहरदीवारी, गौलापार स्टेडियम में पूल कवरिंग व सुरक्षा कार्य और बेतालघाट, पंगोट-दैचौरी, ओखलकांडा सभागार आदि कार्यों का शिलान्यास किया।

कार्यक्रम के दौरान विधायक भीमताल राम सिंह कैड़ा ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए क्षेत्र के विकास हेतु विभिन्न योजनाओं की स्वीकृति पर आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। अपने संबोधन में उन्होंने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की भी जानकारी दी।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर महिला स्वयं सहायता समूहों एवं विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का भी निरीक्षण कर महिला उत्पादों की सराहना की। संचालन जिला महामंत्री रंजन बरगली ने किया। इस अवसर पर जिपं अध्यक्ष दीपा दरमवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, ब्लॉक प्रमुख धारी भावना आर्य, ओखलकांडा केडी रूबाली, भीमताल डॉ. हरीश सिंह बिष्ट, डीएम ललित मोहन रयाल, एसपी डॉ. जगदीश चंद्रा, पूर्व विधायक दान सिंह भंडारी, दुग्ध संघ अध्यक्ष मुकेश बोरा, मनोज साह, देवेंद्र ढैला, मनोज भट्ट, नितिन राणा सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

विधायक ने पढ़ा मांग पत्र, बढ़ गया इंतजार

भीमताल विस क्षेत्र में आयोजित जनसभा में उपस्थित जनसमुदाय। ● अमृत विचार

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा भीमताल विधानसभा क्षेत्र में की गई घोषणाएं की गईं लेकिन स्थानीय जनता का शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में संभावित घोषणाओं का इंतजार और बढ़ गया है। जनसभा में भले ही विकास कार्यों का ब्यौरा दिया गया हो, लेकिन वह फिलहाल पूरी नहीं हो पाई।

सभा के दौरान क्षेत्रीय विधायक राम सिंह कैड़ा ने अब तक विधानसभा में कराए गए कार्यों की लंबी सूची पढ़कर सुनाई। उन्होंने प्रमुख मांगों में भीमताल में उप तहसील की स्थापना, पॉलिटेक्निक निर्माण, ज्यूसूडा में डिग्री कॉलेज, रामगढ़ में कॉलेज भवन निर्माण, महत्वपूर्ण मोटर मार्गों के सुधार व निर्माण तथा रामगढ़–धारी के बीच फल यूनिट की स्थापना को मुख्यमंत्री के समक्ष प्रमुखता से रखा।

मुख्यमंत्री धामी ने विधायक द्वारा प्रस्तुत सभी प्रस्तावों को गंभीरता से लेते हुए उन पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बावजूद भीमताल की जनता वह बड़ी घोषणा का इंतजार करती रही, जिसकी उन्हें लंबे समय से प्रतीक्षा थी। स्थानीय लोगों को उम्मीद थी कि भीमताल में उप तहसील, डिग्री कॉलेज तथा अस्पताल में सभी चिकित्सकों की नियुक्ति जैसी महत्वपूर्ण घोषणाएं की जाएंगी।, लेकिन ऐसा नहीं हो सका, जिससे लोगों का इंतजार अब और बढ़ गया है।

दुश्मनों से डरकर भाग गया बेटा, भटक रही मां

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- मारपीट के बाद थाने में समझौता फिर धमकाने लगे आरोपी
- एसएसपी के पास पहुंची पीड़िता लगाई न्याय की गुहार

अमृत विचार : गांव में विवाद हुआ और कुछ लोगों ने एक युवक को बुरी तरह पीट डाला। मामले में पुलिस के सामने समझौता हुआ, लेकिन आरोपी फिर से युवक के पीछे पड़ गए और इससे डर कर युवक भाग गया। अब गायब युवक की मां ने मामले में एसएसपी से दखल की मांग की है।

फतेहपुर नवाड़ सैलानी निवासी लीला देवी ने एसएसपी को दिए प्रार्थना पत्र में लिखा, उनका बेटा प्रियांशु आर्या छात्र है। दो साल पहले गांव में रहने वाले कुछ युवकों से उसका झगड़ा हो गया था। विवाद मुखानी थाने तक पहुंचा और थाने में समझौता हो गया। लीला का कहना है कि उनका बेटा भगवानपुर में एक कंपनी के लिए काम कर रहा है। बीती 7 दिसंबर को मारपीट करने वाले आरोपियों ने फिर उनके बेटे के साथ बुरी तरह मारपीट की और यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। आरोपियों ने उनके बेटे को जान से मारने की धमकी दी। वह लगातार प्रियांशु का पीछा करने लगे। आरोप है कि उक्त युवकों के डर से प्रियांशु घर छोड़ कर चला गया। तब से उसका कुछ पता नहीं है। वहीं लीला देवी ने पूरे परिवार को आरोपियों से खतरा बताया है।

विकास कार्यों की स्वीकृति को सीएम को सौंपा ज्ञापन

भीमताल: भीमताल क्षेत्र में विकास कार्यों की स्वीकृति के संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता नितेश बिष्ट ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट कर उन्हें ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में भीमताल झीलों की दुर्दशा दूर करने, टूटे रेलिंगों के सुधार, झील की विस्तृत सफाई, कर कोटक में नाग देवता मंदिर मार्ग के निर्माण, पूर्व में स्वीकृत रोपवे परियोजना की स्वीकृति, तथा रानीबाग-भीमताल मोटरमार्ग पर सुरक्षा उपायों एवं चौड़ीकरण की मांग रखी गई। साथ ही कहा कि भीमताल पर्यटन नगरी है ऐसे में यहां सार्वजनिक सुविधाओं की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

शिक्षा व शौर्य का प्रतीक है सैनिक स्कूल

संवाददाता, नैनीताल

- सीएम धामी बोले- सैन्य अधिकारी तैयार करने में स्कूल की बड़ी भूमिका

घोड़ाखाल में विद्यार्थियों को ट्रॉफी प्रदान करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

अमृत विचार: नैनीताल जिले के भवाली स्थित सैनिक स्कूल घोड़ाखाल में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हीरक जयंती समारोह का उद्घाटन किया। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों का स्वागत किया तथा कैडेट्स के उज्जवल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह स्कूल न केवल किताबी शिक्षा देता है, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व, शौर्य और जिम्मेदारी का प्रशिक्षण भी देता है।

उन्होंने घोड़ाखाल की मिट्टी में छिपे जज़्बे को अन्य छात्रों से अलग खड़ा करने वाला बताया और इसे भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में श्रेष्ठ अधिकारी तैयार करने का माध्यम बताया।धामी ने कहा कि सैनिक स्कूल ने दशकों से अनुशासन, परिश्रम और राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत युवाओं को तैयार किया है और एनडीए में सर्वाधिक प्रविष्टियों का रिकॉर्ड स्थापित किया है। इस उपलब्धि को हासिल करना और रक्षा मंत्री ट्रॉफी को 10वीं बार जीतना, सैनिक स्कूल घोड़ाखाल के कैडेट्स, शिक्षकों और संस्थान के नेतृत्व की लगन, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिचायक है। उन्होंने बच्चों से विभिन्न क्षेत्रों में जाकर देश और राज्य का नाम रोशन करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने सैनिक स्कूलों की भूमिका को नई शिक्षा नीति और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सेना के आधुनिकीकरण से जोड़ा।

उन्होंने वन रैंक-वन पेंशन योजना और राज्य सरकार द्वारा सैनिक परिवारों के कल्याण के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में बेस्ट जूनियर हाउस, बेस्ट सीनियर हाउस और सी. हाउस के विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने प्रधानाचार्य ग्रुप कैप्टन विजय सिंह और टीम को शिक्षा के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में विधायक, अधिकारियों और अभिभावकों सहित कई लोग उपस्थित थे।

अब बाजार मूल्य से तय होगा दुकानों का किराया

संवाददाता, हल्द्वानी

- शहरी विकास विभाग के आदेश के बाद निगम करेगा एरिया वाइज सर्वे, बढ़ेगा किराया
- शहर में निगम के स्वामित्व वाली 1250 दुकानें हैं

अमृत विचार : नगर निगम के स्वामित्व वाली दुकानों के किरायेदारों को अब बाजार मूल्य दरों के हिसाब से महंगा किराया चुकाना होगा। वर्तमान में किरायेदार 8 रुपए प्रति वर्गफिट अधिकतम और 2 रुपए प्रति वर्गफिट न्यूनतम के अनुसार किराया दे रहे हैं, जिसके अनुसार 2 हजार से 8 हजार रुपए प्रतिमाह तक किराया दिया जाता है। शहरी विकास विभाग की ओर से जारी आदेश में साफ कहा गया है कि सभी निकायों के स्वामित्व वाली संपत्तियों का वर्तमान बाजार मूल्य से कम दरों पर आवंटन नहीं किया जाएगा। जिसके बाद अब शहर में निगम की दुकानों का किराया बढ़ना लगभग तय माना जा रहा है। शहर में वर्तमान में निगम के स्वामित्व वाली 1250 दुकानें हैं।

निगम की ओर से इसके लिए एरिया वाइज सर्वे किया जाएगा और नया किराया तय किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 2016-17 में निगम की दुकानों को चार जोन में बांटकर जोनवार किराया निर्धारित किया गया था, जिनका अधिकतम किराया 8 रुपए प्रति वर्गफिट प्रतिमाह व न्यूनतम किराया 2 रुपए प्रति वर्गफिट प्रतिमाह निर्धारित किया गया था। नगर निगम के टैक्स अधीक्षक महेश पाठक के अनुसार वर्तमान अधिकतम किराए 8 रुपए प्रति वर्गफिट के अनुसार नैनीताल रोड जैसी प्राइम लोकेशन की दुकानों का किराया मात्र 6 से 8 हजार है, जबकि यहां स्थित अन्य प्राइवेट दुकानों का किराया 50 हजार से अधिक होगा। निगम आय बढ़ाने के लिए दुकानों का किराया बढ़ा रहा है। नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने बताया कि बाजार मूल्य के आधार पर निगम की दुकानों का किराया तय करने के लिए सर्वे करेगा। जिसके बाद विचार-विमर्श के बाद नया किराया तय होगा। इधर, किराया बढ़ाए जाने के आदेश को लेकर शहर के व्यापारियों में नाराजगी है।

सांसद प्रतिनिधि और व्यापारी राजीव जायसवाल ने कहा कि किराये में संशोधन जरूरी है, लेकिन निगम के दुकानदारों पर बाजार मूल्य के आधार पर किराया नहीं थोपा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन दिनों कारोबार में मंदी है और अब किराया बढ़ने से व्यापारियों में निराशा छाई हुई है।

सेप्टेज कलेक्शन के लिए लाइसेंस जरूरी

हल्द्वानी, अमृत विचार : शहर के फीकल स्लज और सेप्टेज प्रबंधन (एफएसएसएम) के बायलॉज के अंतर्गत अब सेप्टेज संग्रह, परिवहन व निपटान के लिए बने बायलॉज में वाहन चालकों को रजिस्ट्रेशन कर लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। इस तरह का कार्य करने के लिए 31 दिसंबर तक रजिस्ट्रेशन कर लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा।

इसके बाद बिना लाइसेंस के डीस्लजिंग और सेप्टेज ट्रांसपोर्टेशन कार्य करने वाले वाहनों पर कार्रवाई होगी। इसे लेकर नगर आयुक्त ने आदेश जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि बिना लाइसेंस के कार्य करने वाले का वाहन जब्त किया जाएगा और चालान की कार्रवाई की जाएगी। नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने बताया कि लाइसेंस के रजिस्ट्रेशन के लिए निगम कार्यालय में ऑफलाइन आवेदन करना होगा।

प्रशासन ने 41 स्थायी निवास प्रमाण और किए निरस्त, आंकड़ा 89 हुआ

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- एक व्यक्ति ने डीएम को पत्र भेजकर जांच एवं कार्यवाही की मांग की

"डीएम के निर्देशानुसार पिछले पांच वर्षों में बने स्थायी निवास प्रमाण पत्रों की जांच की जा रही है। इसमें 48 स्थायी निवास प्रमाण पत्र पहले निरस्त किए गए थे। अब 250 प्रमाण पत्रों की जांच पूरी हो गई है, जिसमें गड़बड़ी पर 41 स्थायी निवास प्रमाण पत्र और निरस्त किए गए हैं। फिलहाल जांच अभी जारी है। –**राहुल शाह**, एसडीएम हल्द्वानी

अमृत विचार : जिला प्रशासन ने स्थायी निवास प्रमाण पत्रों की जांच के बाद 41 और प्रमाण पत्रों को निरस्त कर दिया है। इसी के साथ ही अब तक कुल 89 स्थायी निवास प्रमाण पत्र निरस्त किए जा चुके हैं। पिछले पांच वर्षों में बने स्थायी निवास प्रमाण पत्रों की जांच जारी है, जिसमें कई और प्रमाण पत्र भी निरस्त किए जा सकते हैं।

आयुक्त दीपक रावत ने बीती 14 नवंबर को बनभूलपुरा में छापेमारी की थी। इसमें अरायजनवीस मोहम्मद फैजान मिकरानी के घर से सीएससी चलाता मिला। इसके अलावा फैजान ने जालसाजी कर सरकारी दस्तावेजों में छेड़छाड़ कर गैरकानूनी ढंग से स्थायी निवास प्रमाण पत्र बनाए थे। इसका खुलासा होने के बाद आयुक्त के निर्देशों पर तहसील प्रशासन ने फैजान समेत तीन के खिलाफ केस दर्ज कराया था। जांच में यह भी सामने आया था कि बाहरी राज्यों के रहने वाले लोगों से मोटी रकम ऐंठकर सरकारी कर्मियों की मिलीभगत से जालसाजी कर स्थायी निवास प्रमाण पत्र बनाने का भंडाफोड़ हुआ था। वहीं, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने पिछले पांच वर्षों में बने स्थायी निवास प्रमाण पत्रों की जांच के आदेश दिए थे।

इसी क्रम में प्रशासन ने दस्तावेजों में जालसाजी कर बनाए गए 48 स्थायी निवास प्रमाण पत्रों को पूर्व में ही निरस्त कर दिया था। इधर, प्रशासन की ओर से स्थायी निवास प्रमाण पत्रों की जांच जारी रही। अब तक 250 प्रमाण पत्रों की जांच पूरी की गई। इनमें 41 स्थायी निवास प्रमाण पत्र ऐसे मिले हैं जो जालसाजी से बनाए गए थे प्रशासन ने इन्हें निरस्त कर दिया है हालांकि जांच अभी भी जारी है।

विदेश में था वेंडर, शहर में बिक रहे थे स्टांप पत्र

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कोविड-19 महामारी के दौरान एक स्टांप विक्रेता खुद तो दुबई घूमने गया लेकिन यहां उसके लाइसेंस पर स्टांप पत्रों की बिक्री होती रही। इसका खुलासा होने पर एक व्यक्ति ने डीएम को पत्र सौंप कर जांच एवं कार्यवाही की मांग की है।

नई बस्ती निवासी मुशरिफ अहमद ने डीएम को पत्र भेजकर स्टांप बिक्री में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि काठगोदाम नई बस्ती के एक व्यक्ति के नाम पर स्टांप बिक्री का लाइसेंस है। वह 10 जुलाई 2019 से 23 अगस्त 2019 तक दुबई गया हुआ था। ऐसे में वह स्टांप बिक्री नहीं कर सकता है क्यों कि स्टांप पर मुहर भी लगती है। हैरानी की बात यह है कि उस व्यक्ति के विदेश में होने के बाद भी स्टांपों की बिक्री हुई और ज्यादातर स्टांप परिवहन विभाग को भेजे गए। आरोप लगाया कि उक्त व्यक्ति ने विदेश में रहते हुए भारत में स्टांप बिक्री की जो कि नियमावली का उल्लंघन है। उनकी शिकायत के आधार पर इसी वर्ष 18 अगस्त को एडीएम प्रशासन शैलेंद्र सिंह नेगी ने सहायक महानिरीक्षक निबंधन को जांच के निर्देश दिए। शिकायतकर्ता मुशरिफ अहमद ने बताया कि उन्होंने डीएम, तहसीलदार, एआईजी निबंधन सभी को पत्र सौंपा है लेकिन अभी तक किसी ने जांच व कार्यवाही नहीं की है। उन्होंने कहा कि वह अब इस मुद्दे को आयुक्त दीपक रावत की जनसुनवाई में उठाएंगे।

अनदेखी

शहर की यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए लगाया था शहर में प्रवेश पर बैन, अब भी शहर में दौड़ रहे

पुलिस ने समझाया, वॉल्वो बस मालिकों को समझ नहीं आया

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

रोडवेज के बाहर से गुजरती प्राइवेट वॉल्वो बस। ● अमृत विचार

अमृत विचार : शहर की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए पुलिस ने कुछ कड़े निर्णय लिए थे और इन्हीं में से एक था शहर में वॉल्वो बसों के संचालन पर प्रतिबंध। इस व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस ने बकायदा वॉल्वो बस मालिकों के साथ कोतवाली सभागार में बैठक की। बस मालिकों ने इस पर सहमति भी जताई थी, लेकिन अब इसे नजरअंदाज करने से भी ये लोग गुरेज नहीं कर रहे।

ताजा मामला बीते गुरुवार रात करीब 10 बजे का है। जहां बीटी ट्रैवल्स की स्लीपर बस बिना किसी रोक-टोक के तिकोनिया से होते हुए कोतवाली के सामने से गुजर गई। यह बात सिर्फ गुरुवार की नहीं बल्कि रोज की है। जबकि बीती 28 नवंबर को ही टीआई महेश चंद्रा ने बस मालिकों के साथ बैठक की थी। निर्देश दिए थे कि निजी वॉल्वो बसों का संचालन शहर के बाहर से होगा। इस पर बस मालिकों ने हामी भी भरी, लेकिन कुछ दिन बाद से पुलिस के निर्देश को ताक पर रख दिया। हद तो यह है कि यह बस मालिक बेहद व्यस्ततम सड़क पर और वो भी कोतवाली के सामने से फर्राटा भर रहे हैं। टीआई महेश चंद्रा का कहना है कि सिटी में वॉल्वो बसें पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। हाल ही में इनके चालान भी किए गए, लेकिन अब इनके खिलाफ सीजिंग की कार्रवाई की जाएगी।

बस वालों को पता है ट्रैफिक पुलिस का ड्यूटी टाइम

दिन के उजाले में वॉल्वो बस के संचालक शहर की सड़कों से दूर रहते हैं, लेकिन रात ढलते हगी अपनी मनमानी पर उतर आते हैं। इन बस संचालकों को पता है कि यातायात पुलिस की ड्यूटी रात 9 बजे के बाद खत्म हो जाती है और इसी का फायदा उठाते हुए संचालक अपनी बसों को शहर की सड़कों पर उतार देते हैं। इसकी वजह यह है कि इस काम में अभी सिर्फ ट्रैफिक पुलिस ही लगी है और जब तक इसमें थाना–चौकी पुलिस को शामिल नहीं किया जाएगा, यह मनमानी तक नहीं रुकेगा।

बैठक में यह दिए थे निर्देश

हल्द्वानी : सिर्फ निजी वॉल्वो बसें ही नहीं बल्कि अन्य के लिए भी ट्रैफिक पुलिस ने नए नियम तय किए थे। इसके तहत वोल्वो, इंटरसिटी बस, सिडकुल बस संचालकों संग बैठक की गई थी। निर्देश दिए गए थे कि हल्द्वानी से विभिन्न शहरों को संचालित होने वाली वॉल्वो बस चालकों को नरीमन तिराहा तथा होंडा शोरूम तिराहा से हल्द्वानी शहर में प्रवेश नहीं करेंगे। साथ ही सभी बस चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, प्रेसर हॉर्न का प्रयोग न करने के भी निर्देश दिए गए थे। बहरहाल, इंटरसिटी और सिडकुल बसों पर अभी निर्णय लेना बाकी है।

बालिका नेहा भट्ट की दिव्यांग पेंशन स्वीकृत

नैनीताल: जिला समाज कल्याण अधिकारी विश्वनाथ गौतम ने बताया कि नैनीताल के भवाली निगलाट क्षेत्र की दिव्यांग मूकबधिर बालिका नेहा भट्ट ने अपनी शिक्षा को सुचारू रखने के लिए न्यायालय में याचिका दायर करते हुए सीमित संरक्षक नियुक्त करने की मांग की थी। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने इस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए इंदौर की मनीषा चौधरी को बालिका का सीमित संरक्षक नियुक्त किया था। जिलाधिकारी ने बालिका को समाज कल्याण विभाग की योजनाओं का लाभ देने के निर्देश दिए थे, जिस पर समाज कल्याण विभाग की टीम ने बालिका के घर जाकर दस्तावेज पूर्ण करवाने में मदद की। इसके बाद बालिका की 15 सौ रुपये प्रतिमाह दिव्यांग पेंशन स्वीकृत कर दी गई है।

सिटी ब्रीफ

लक्ष स्कूल में हुई फायर कुकिंग प्रतियोगिता

हल्द्वानी : कमलुवागांजा रोड स्थित लक्ष इंटरनेशनल स्कूल में नो फायर कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्वादिष्ट व्यंजन बनाने वाले हृदयांश शर्मा, पलक, पार्थ, प्रिया भट्ट, लक्ष्य उप्रेती और योगिता पांडे को सम्मानित किया। प्रबंधक मोहित शर्मा ने कहा शिक्षा के साथ–साथ खेलकूद, रचनात्मकता और जीवन कौशल भी जरूरी है। मुख्य अतिथि सुरभि शर्मा, रिचा श्रीवास्तव अग्रवाल, अंजलि बिष्ट, दीक्षा बिष्ट, आशा नेगी, कविता, शालू, हेमा दानू, कंचन परिहार, नीलम मेहरा, सपना, सोनी, सीमा पांडे, पल्लवी पांडे, अवंतिका भट्ट, मंजुला कार्की, मुन्नी, नीमा पांडे, पायल पांडे, प्रभा राणा, ज्योति रानी आदि मौजूद रहे।

मेंटेनेंस के चलते गौलापार में दिन भर बिल्ली गुल

हल्द्वानी : लाइन मेंटेनेंस के लिए शुक्रवार को ऊर्जा निगम ने गौलापार और रानीबाग बिजलीघर से दिनभर आपूर्ति बंद रखी। सुबह नौ बजे से शुरू हुई कटौती देर शाम चार बजे बहाल हो सकी। लोगों को सात घंटे तक दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस दौरान क्षेत्र मे ट्यूबवेल नहीं चलने से पानी की आपूर्ति भी ठप हो गई। ऊर्जा निगम के ईई प्रदीप कुमार ने बताया कि कार्य पूरा होते ही सप्लाई शुरू कर दी गई। कटौती की पूर्व सूचना उपभोक्ताओं को दी जा रही है।

एक पल की झपकी ले गई मौत के आगोश में

कालाढूंगी-बाजपुर हाईवे पर हुआ दर्दनाक हादसा बना हंसते-खेलते परिवार के मातम का कारण

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: कालाढूंगी-बाजपुर हाईवे पर शुक्रवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे ने दो परिवारों को गहरा आघात पहुं चाया। नैनीताल घूमने आ रहे इन लोगों को यह पता नहीं था कि यह उनकी जिंदगी का आखिरी सफर साबित होगा। एक पल की झपकी से हुए हादसे में दो मासूम बेटियों, पिता और साले की मौत हो गई। वहीं पत्नी, बड़ा साला और उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हैं। सभी घायलों का इलाज काशीपुर के एक निजी अस्पताल में चल रहा है।

गाजियाबाद (यूपी) निवासी प्रदीप यादव अपने परिवार के साथ सरोवर नगरी नैनीताल घूमने आ रहे थे। सभी यात्रा को लेकर बेहद उत्साहित थे, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। प्रदीप अपने दोस्त की कार लेकर पत्नी ज्योति, डेढ़ वर्ष की बेटी किट्टू और तीन वर्ष छह माह की बेटी अनन्या, बड़े साले विवेक यादव, छोटे साले राहुल और विवेक के दोस्त दीपांशु के साथ गुरुवार को नैनीताल के लिए निकले थे। प्रदीप गाजियाबाद में एक निजी कंपनी में कार्यरत थे। शुक्रवार को

कालाढूंगी में दुर्घटनाग्रस्त कार। ● अमृत विचार

नैनीताल से करीब 45 किलोमीटर पहले उनकी कार भयानक हादसे का शिकार हो गई। हादसे में प्रदीप यादव और उनके छोटे साले की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पत्नी, दो मासूम बेटियां, बड़ा साला और साले का दोस्त गंभीर घायल हो गए थे। इलाज के दौरान दोनों मासूम बच्चियों ने भी दम तोड़ दिया। नैनीताल घूमने की खुशियां इस दर्दनाक हादसे ने हमेशा के लिए मातम में बदल दीं। हादसे की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। प्रदीप अपनी घायल पत्नी को अकेला छोड़कर चले गए।

पुलिस सुबह से सीएचसी में परिजनों के पहुंचने का इंतजार करती रही ताकि जीजा और साले के शवों का पंचनामा भरा जा सके। लेकिन परिजन पहले काशीपुर अस्पताल में घायलों से मिलने पहुंचे। इलाज के दौरान दो मासूमों की भी मौत होने के कारण परिजन सीएचसी नहीं आ सके। एसआई जयवीर सिंह ने बताया कि देर शाम शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। कालाढूंगी-बाजपुर हाईवे पर नींद और ओवरस्पीड की वजह से इससे पहले भी कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

सड़क दुर्घटना में युवा वीडियोग्राफर की मौत

- अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बुरी तरह हो गया था घायल
- उपचार के दौरान अस्पताल में तोड़ा दम

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: शादी में वीडियो शूटिंग कर लौट रहा युवा वीडियोग्राफर हादसे का शिकार हो गया। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बुरी तरह घायल वीडियोग्राफर को डॉ.सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

योगेश। फाइल

मूल रूप से बवियाड़ मुक्तेश्वर निवासी कृष्णा चंद हल्द्वानी में रामपुर रोड स्थित चंदन विहार में पत्नी व चार बच्चों के साथ रहते हैं। कृष्णा का सबसे छोटा बेटा 22 वर्षीय योगेश कुमार पेशे से वीडियोग्राफर था। बताया जाता है कि बीती 9 नवंबर को वह एक शादी में वीडियोग्राफी करने गया था। देर रात काम खत्म होने के बाद वह स्कूटी से वापस घर लौट रहा था। टीपीनगर में श्यामा गार्डन के पास योगेश अज्ञात वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

आनन-फानन में उसे डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। शुक्रवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि तहरीर मिलते ही मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

कला शिक्षकों को दिया मूर्ति कला का प्रशिक्षण

भीमताल में मूर्ति प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल शिक्षक। ● अमृत विचार

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) नैनीताल के तत्वावधान में राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के कला शिक्षकों के लिए आर्ट एवं क्राफ्ट कार्यशाला 9 दिसंबर से 12 दिसंबर तक आयोजित की गई। कला शिक्षकों को कला क्षेत्र में हो रहे नवाचारों से अवगत कराने के उद्देश्य से यह कार्यशाला उत्तराखंड में प्रथम बार आयोजित हुई।

कार्यशाला में प्रिंट मेकिंग की विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों ने छापा मशीन का उपयोग करते हुए जिंक प्लेट पर उकेरी गई कलाकृतियों को प्रिंट करने की बारीकियाँ सीखीं। सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने अपनी कल्पना और सृजनात्मकता का प्रयोग करते हुए जिंक प्लेट, रबर, फाइबर वुड आदि पर कलाकृतियां तैयार कीं। प्रिंटिंग प्रक्रिया के दौरान विभिन्न रंगों, बिट्यूमिन, ऑयल, ग्रीस, एसिड और पानी के संतुलन से निर्मित कलाकृतियों को प्रिंटिंग मशीन में सेट कर प्रिंट निकाली गईं। प्रतिभागियों को भारत सरकार ललित कला अकादमी पुरस्कार से सम्मानित विशेषज्ञ कलाकार तथा रंगीत आर्ट सेंटर के मुख्य प्रशिक्षक कुसुम पांडे, रितिका भट्ट, मूर्तिकार विष्णु तिवारी और प्रिंट मेकर हेमंत कश्यप ने प्रशिक्षण दिया। प्राचार्य सुरेश चंद्र ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। यहां डॉ. ज्योतिर्मय मिश्र, डॉ. विनीत वैरागी, डॉ. आरती, अमरजीत चौधरी, ललित प्रसाद तिवारी आदि रहे।

प्रत्येक गांव व घर को विकास से जोड़ना पहली प्राथमिकता: दीवान

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने कहा कि हर घर और हर गांव को विकास से जोड़ना उनकी पहली प्राथमिकता है। समस्याएं चाहे कितनी भी अधिक हों, लेकिन उनका समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। वे शुक्रवार को विभिन्न विकास योजनाओं के शिलान्यास व भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने राज्य योजना अंतर्गत स्वीकृत ग्राम चिल्किया, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में 38.49 लाख रुपये से मार्ग का निर्माण , ग्राम मंगलार, चरखी से भगुवाबंगर मार्ग का 16.96 लाख रुपये से सुधारीकरण , ग्राम उदयपुरी चोपड़ा, पार्वती कुंज फेस-1 के आंतरिक मार्गों में 39.56

भूमि पूजन के बाद ग्रामीणों को संबोधित करते विधायक। ● अमृत विचार

लाख रुपये से इंटरलॉकिंग टाइल्स कुल मिलाकर 95.01 लाख रुपये की लागत के इन मार्ग निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक बिष्ट ने कहा कि सरकार हर पात्र व्यक्ति तक बिजली, पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। पीरुमदारा मंडल अध्यक्ष बलदेव रावत, मंडल महामंत्री कपिल रावत, भाजपा नेता शिशुपाल सिंह रावत, ग्राम प्रधान तनुप्रिया, ग्राम प्रधान कमला देवी, ग्राम प्रधान संजय बिष्ट, क्षेत्र पंचायत सदस्य हरदीप सिंह, भाजपा नेता मुकेश रावत, दानिश सिद्दीकी, पुरुषोत्तम सिंह और पीसी पांडेय सहित कई लोग मौजूद रहे।

मुद्दतों बाद भी नहीं सुधरी बिड़ला मार्ग की हालत

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: तीन वर्षों से मालरोड से बिड़ला चुंगी तक का मार्ग बदहाल स्थिति में है। पिछले वर्ष शुरू हुआ जीर्णोद्धार कार्य अभी तक मात्र एक किमी तक ही पूरा हो पाया है, जिससे लोगों में भारी रोष व्याप्त है।

तीन किमी लंबा यह मार्ग गड्ढों से पट चुका है। गड्ढों के कारण आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। मार्ग से सटे दर्जनभर से अधिक रिहायशी क्षेत्र हैं तथा रोजाना हजारों लोग इसी मार्ग से आवाजाही करते हैं। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल स्नोव्यू का मार्ग भी इसी रास्ते से होकर गुजरता है, जहां वीकेंड पर हजारों सैलानी पहुंचते हैं। पिछले वर्ष सितंबर में शुरू हुआ जीर्णोद्धार कार्य केवल एक किमी तक सीमित रह गया है, जबकि दो

खस्ताहाल बिड़ला मार्ग पर बने गड्ढे।

किमी का हिस्सा बेहद खराब स्थिति में है। स्नोव्यू वार्ड के सभासद जीनू पांडे का कहना है कि लोनिवि से कई बार संपर्क करने के बाद अब दबाव बनाया जा रहा है। तय समय सीमा में कार्य पूरा न होने पर आंदोलन शुरू किया जाएगा। लोनिवि के ईई रत्नेश सक्सेना ने बताया कि मानसूनी वर्षा के कारण कार्य में करीब चार माह की देरी हुई है।

हाईस्कूल व इंटर बोर्ड परीक्षा को लेकर हुई अधिकारियों की बैठक

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद द्वारा हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं की तैयारियाँ युद्धस्तर पर शुरू कर दी गई हैं। राज्य स्तरीय केंद्र निर्धारण समिति की बैठक परिषद सभापति एवं निदेशक माध्यमिक शिक्षा डॉ. मुकुल कुमार सती की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

बोर्ड परीक्षा 2026 के लिए राज्य में 50 एकल और 1,211 मिश्रित कुल 1,261 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परिषद सचिव विनोद प्रसाद सिमल्टी ने मुख्य शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक भौतिक संसाधनों तथा गोपनीय सामग्री की सुरक्षा का परीक्षण कर रिपोर्ट परिषद कार्यालय

शिक्षा अधिकारियों की बैठक लेते सभापति डॉ. मुकुल सती। ● अमृत विचार

को भेजें। इस वर्ष कुल 2,15,602 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे, जिनमें हाईस्कूल के 1,12,688 और इंटरमीडिएट के 1,02,914 विद्यार्थी शामिल हैं। जनपद हरिद्वार में सर्वाधिक 49,349 परीक्षार्थी

जबकि चम्पावत में सबसे कम 5,356 परीक्षार्थी हैं। टिहरी में सर्वाधिक 136 केंद्र तथा चम्पावत में न्यूनतम 44 केंद्र हैं। प्रदेश में 154 संवेदनशील तथा 6 अति-संवेदनशील केंद्र चिह्नित किए गए हैं। स्वकेंद्र परीक्षा प्रणाली के अंतर्गत 24 नए परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। वर्ष 2025 की तुलना में इस वर्ष 16 परीक्षा केंद्र अधिक स्थापित किए गए हैं। बैठक में सभी मुख्य शिक्षा अधिकारी तथा परिषद अपर सचिव बीएमएस रावत, भूपेन्द्र सिंह, प्रधान सहायक सहित अन्य अधिकारी रहे।

नैनीताल के एक होटल में सजा क्रिसमस ट्री। ● अमृत विचार

क्रिसमस को लेकर सजने लगे नगर के होटल

नैनीताल, अमृत विचार : क्रिसमस पर्व को लेकर नगर के होटल सजने लगे हैं। होटलों में क्रिसमस ट्री और लाइटिंग की सजावट शुरू हो चुकी है। क्रिसमस ईव पर नगर में सैंटा क्लॉज की शोभायात्रा भी निकाली जाएगी। होटल नम: नैनीताल, शेरवानी हिलटॉप और नैनी रिट्रीट में क्रिसमस की विशेष तैयारियाँ की जा रही हैं। रंग–बिरंगी लाइटिंग, क्रिसमस ट्री और आकर्षक सजावट के साथ दो दिवसीय पैकेज भी तैयार किए गए हैं, जिनमें क्रिसमस से जुड़े कार्यक्रम शामिल हैं। होटल संचालकों के अनुसार 24 दिसंबर को शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें कैरोल संगीत और क्रिसमस–आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। सैलानियों को पर्व का पूरा आनंद मिलेगा और क्रिसमस केक काटकर उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा।

पीरुमदारा में दौड़ रहे डंपरों से हादसों का खतरा

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: पीरुमदारा में ओवरलोड वाहनों और डंपरों की अनियंत्रित आवाजाही से आम लोगों का चलना–फिरना अत्यंत मुश्किल होता जा रहा है। तेज रफ्तार से दौड़ते डंपर दुर्घटनाओं को आमंत्रण देते नजर आ रहे हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि पैदल चलने वाले लोग, स्कूली बच्चे और बुजुर्ग हर पल खतरे का सामना कर रहे हैं।

स्थानीय निवासियों के अनुसार पहले डंपरों का संचालन केवल रात में होता था, लेकिन अब वे दिनभर निरंतर चल रहे हैं। दुर्घटना होने पर कुछ दिनों के लिए डंपर गायब जरूर हो जाते हैं, पर उसके बाद फिर से उनकी रफ्तार शुरू हो जाती है। लोगों ने आरोप लगाया कि ओवरलोड वाहनों पर रोक लगाने के मामले में परिवहन विभाग और पुलिस विभाग पूरी तरह उदासीन

पीरुमदारा बाजार के समीप डंपरों से लगा जाम।

मालरोड में रेंगता ट्रैफिक। ● अमृत विचार

दिख रहे हैं। सुरक्षा के लिहाज से पीरुमदारा बाजार दिन-प्रतिदिन अधिक असुरक्षित होता जा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि पीरुमदारा बाजार से गुजरने वाले भारी वाहनों के प्रवेश और निकासी के लिए समय सीमा निर्धारित की जाए, ताकि बाजार क्षेत्र में दुर्घटना की संभावना कम हो सके और लोगों को राहत मिल सके।

वीकेंड शुरू होते ही रेंगने लगता है मालरोड पर ट्रैफिक

नैनीताल : वीकेंड शुरू होते ही सरोवर नगरी में ट्रैफिक रेंगना शुरू हो जाता है। लोअर मालरोड धंसने के बाद पूरा दबाव अपर मालरोड पर आ गया है, जिससे यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। शुक्रवार को बड़ी संख्या में सैलानियों के पहुंचने से अपर मालरोड पर जिला सूचना कार्यालय से मल्लीताल रिक्शा स्टैंड तक वाहनों की लंबी कतारें रेंगती रहीं। जाम से सैलानियों के साथ ही स्थानीय लोगों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। लोनिवि अधिकारियों के अनुसार लोअर मालरोड का कार्य प्रगति पर है, जो मार्च तक ही पूरा हो पाएगा। तब तक सभी वाहनों की आवाजाही अपर मालरोड से ही होगी।

फेस पेंटिंग में ग्रेट मिशन स्कूल प्रथम स्थान पर

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: सहोदया ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा बीर शिवा स्कूल, हल्द्वानी में आयोजित फेस पेंटिंग प्रतियोगिता में ग्रेट मिशन पब्लिक स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का विषय एंजेल एंड डेविल था, जिसे विद्यार्थियों ने अत्यंत रचनात्मकता के साथ प्रस्तुत किया।

अलीशिफा ने आर्टिस्ट के रूप में उत्कृष्ट कला-कौशल दिखाया, जबकि पिंकी ने मॉडल के रूप में बेहतरीन प्रस्तुति दी। उनकी प्रस्तुति सभी प्रतिभागी स्कूलों में सबसे प्रभावी रही। विद्यालय प्रबंधन ने कला शिक्षिका किरण रावत के मार्गदर्शन की सराहना करते हुए छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

फेस पेंटिंग का पुरस्कार प्राप्त करते ग्रेट मिशन स्कूल के विद्यार्थी। ● अमृत विचार

बच्चों ने जानी वन्यजीवों की दुनिया

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: द कॉर्बेट फाउंडेशन द्वारा हिलवुड एकेडमी, गैबुआ में नेचर डिटेक्टिव नामक रोचक एवं शैक्षिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 39 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को जंगल की भाषा समझाना, उसके संकेतों को पढ़ना और वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जंगल में दिखाई देने वाले प्रारंभिक संकेतों जैसे पगमार्क, वन्यजीवों की आवाज़ें, क्षेत्रीय निशान (टेरिटोरियल मार्किंग) और अन्य प्राकृतिक संकेतों की पहचान कराई गई। बच्चों ने सत्र के दौरान अनेक प्रश्न पूछे और उत्साह दिखाया। विद्यार्थियों के लिए तीन शिक्षण स्टेशनों पर

वन्यजीवों के पगचिह्नों की पहचान करते बच्चे। ● अमृत विचार

आधारित व्यावहारिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। पहले स्टेशन पर उन्होंने विभिन्न जानवरों के पगमार्क पहचानने का प्रयास किया। दूसरे स्टेशन पर कटआउट की सहायता से खाद्य श्रृंखला तैयार की। तीसरे स्टेशन पर उन्हें किसी आवास-स्थल (हैबिटैट) की तस्वीर और कई जानवरों के कटआउट देकर उपयुक्त दृश्य निर्मित करने को कहा गया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने जंगल के संकेतों को पढ़ने की कला सीखी तथा पारिस्थितिकी तंत्र की महत्ता को निकट से समझा। द कॉर्बेट फाउंडेशन की कार्यक्रम अधिकारी शिखा पांडे ने कहा कि यह गतिविधि बच्चों के ज्ञान के साथ-साथ जंगल के प्रति उनकी संवेदनशीलता बढ़ाने में भी सफल रही। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी समीक्षा मनराल, फील्ड असिस्टेंट चंद्रशेखर सुयाल, नवीन कुमार आदि रहे।

कॉन्फ्रेंस कुमाऊं विवि द्वारा आयोजित रेसिडेंशियल कॉन्फ्रेंस में देश के 12 राज्यों से असिस्टेंट प्रोफेसर ले रहे हैं भाग

विकास–भविष्य के क्षेत्र में अहम रसायन विज्ञान : प्रो . रावत

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : विकास के क्षेत्र में रसायन विज्ञान जितना महत्वपूर्ण है, युवाओं के भविष्य के लिए भी उतना ही उपयोगी है। वर्तमान में ग्रीन केमिस्ट्री, बायोऑर्गेनिक केमिस्ट्री, कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री और चिरल मटेरियल्स जैसे विषयों में तेजी से कार्य हो रहा है। कुमाऊं विवि द्वारा आयोजित रसायन विज्ञान में रेसिडेंशियल रिफ्रेशर कोर्स कॉन्फ्रेंस में देश के 12 राज्यों से असिस्टेंट प्रोफेसर भाग ले रहे हैं।

हर्मिटेज भवन में आयोजित सेमिनार को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने कहा कि रसायन विज्ञान विज्ञान

हर्मिटेज भवन मे रेसिडेंशियल कॉन्फ्रेंस मे मौजूद कुलपति व अन्य राज्यो से पहुँचे असिस्टेंट प्रोफेसर। ● अमृत विचार

का अभिन्न अंग है। वर्तमान समय में रासायनिक क्षेत्र में व्यापक शोध हो रहे हैं, लेकिन अब आवश्यकता वैश्विक स्तर पर अनुसंधान बढ़ाने की है। जलवायु परिवर्तन के कारण रासायनिक अध्ययन और भी महत्वपूर्ण हो गए हैं। रसायन विज्ञान पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव समझकर ही भविष्य की योजनाएँ प्रभावी रूप से लागू की जा सकती हैं। कोर्स कोऑर्डिनेटर एवं डीन, विज्ञान संकाय प्रो. चित्रा पांडे ने बायोऑर्गेनिक रिएक्शन्स, ड्रग डिस्कवरी, केमिकल बायोलॉजी, मॉलिक्यूलर डायनामिक्स सिमुलेशन, सेलुलर-स्केल मॉडलिंग, क्रिस्टल स्ट्रक्चर, नैनोमटेरियल्स, एनर्जी स्टोरेज, चिरल मटेरियल्स, क्वांटम केमिस्ट्री, मॉलिक्यूलर मॉडलिंग तथा एआई इन ड्रग डिस्कवरी जैसे उभरते क्षेत्रों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन समन्वय प्रो. दिव्या यू. जोशी और प्रो. रितेश साह ने किया। सेमिनार का समापन 13 दिसंबर को होगा। उत्तराखंड, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तमिलनाडु, पंजाब, असम व गुजरात के असिस्टेंट प्रोफेसर उपस्थित रहे।

सिटी ब्रीफ

पिता बेचता है ठेले पर चाय, बेटा बना अग्निवीर

हल्द्वानी : राजपुरा वार्ड नंबर 13 निवासी 19 वर्षीय जयदीप कश्यप का अग्निवीर में चयन हो गया है। चयन के बाद जयदीप अब ट्रेनिंग के लिए कोयंबटूर रवाना हो गए हैं। रानीखेत में आयोजित अग्निवीर भर्ती में उन्होंने सभी चरण सफलता पूर्वक पास किए। जयदीप के पिता सुनील कश्यप वर्कशॉप लाइन क्षेत्र में चाय का ठेला लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। आर्थिक रूप से साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाले जयदीप ने अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन के दम पर सेना में जगह बनाई है। पड़ोसी, रिश्तेदार और क्षेत्र के लोग जयदीप के घर पहुँचकर उन्हें बधाई दे रहे हैं। जयदीप ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और परिवार के सहयोग को दिया है।

शहर में मुसीबत बने हैं आवारा मवेशी

हल्द्वानी : शहर के साथ ही आसपास के क्षेत्रों में छुट्टा मवेशियों की समस्या बरकरार है। इसके चलते जहां किसान परेशान हैं वहीं वाहन चालक तथा राहगीर भी लंबे समय से परेशान हैं। साथ ही हादसों का खतरा बना हुआ है।

जन्म से बीमार बच्चों के लिए डीईआईसी उम्मीद

कई बच्चों में मिल रहीं ऑटिज्म और दिल से संबंधित बीमारियां

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: आरबीएसके (राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम) के तहत डीईआईसी में जन्मजात गंभीर बीमारियों से जूझ रहे बच्चों का उपचार किया जा रहा है। डीईआईसी इस मामले में एक उम्मीद बना है। बच्चों में गंभीर बीमारियों जैसे दिल में छेद, ऑटिज्म आदि की कई बीमारियां जन्मजात होती हैं।

विगत दिनों हल्द्वानी में आयोजित शिविर में कुल 108 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया था। जिनमें 39 मामले ईएनटी, 36 मनोचिकित्सा और 33 गंभीर हृदय रोग से संबंधित पाए गए। बेस चिकित्सालय के प्रमुख अधीक्षक डॉ. के.एस. दत्ताल ने कहा कि अस्पताल का डीईआईसी यूनिट जन्मजात बीमारियों से जूझ रहे बच्चों के लिए आशा की किरण के समान है और उनके उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।" डीईआईसी में बच्चों को उच्च उपचार के लिए हायर सेंटर भी भेजा जाता है। इसका जिम्मा भी डीईआईसी की ओर से उठाया जाता है। उल्लेखनीय है कि जन्म से गंभीर बीमारियों से पीड़ित बच्चों का उपचार हर मां-बाप के लिए संभव नहीं है। ऐसे में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत उनका उपचार कराया जाता है।

बेस अस्पताल में स्टाफ की कमी से परेशानी

हल्द्वानी : सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल में स्टाफ की कमी है। यह कमी नर्सों में सबसे ज्यादा है। इसकी वजह से स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रभावित हो रहीं हैं। बेस अस्पताल में नर्सों के करीब 100 पद स्वीकृत हैं। इसके सापेक्ष केवल 52 पदों पर ही नर्सों की नियुक्ति है। इनमें नर्सिंग अधिकारी भी शामिल हैं जबकि बेस अस्पताल हल्द्वानी का दूसरा बड़ा सरकारी अस्पताल है। यहां कई वार्ड हैं। नर्सों की कमी होने से वार्डों उनकी नियुक्त करने में काफी दिक्कत आती है। पुरानी कई नर्से रिटायर भी हो चुकी हैं। इसके अलावा वार्ड बॉय की कमी से भी बेस अस्पताल जूझ रहा है। साथ ही नए आईसीयू के संचालन के लिए भी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की कमी है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार डॉक्टरों की नियुक्ति के साथ ही अन्य संवर्गों में भी स्टाफ की जरूरत होती है। वार्ड में भर्ती मरीज के पास हर समय डॉक्टर नहीं रहता है। ऐसे में नर्सों की उपचार में बड़ी भूमिका हो जाती है। अस्पताल के पीएमएस डॉ. केएस दत्ताल ने बताया कि शासन को अवगत कराया गया है। स्टाफ की मिलने के साथ ही उनकी तैनाती कर दी जाएगी।

सांसद भट्ट ने सदन में उठाई राज्य में ब्लॉकों को बढ़ाने की मांग

हल्द्वानी, अमृत विचार : सांसद अजय भट्ट ने राज्य की दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और विकासखंडों के बीच लंबी दूरियों को देखते हुए लोकसभा में महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया। उन्होंने सदन में नियम 377 के अधीन राज्य में विकासखंडों की संख्या बढ़ाए जाने की पुरजोर मांग उठाई।

उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में एक विकासखंड से दूसरे तक पहुंचना जनता के लिए चुनौतीपूर्ण है। ऐसे में केंद्र सरकार की योजनाओं को ब्लॉक स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में कठिनाई होती है। आम जनता को अपने रोजमर्रा के सरकारी कार्यों के लिए भी दूर-दराज के क्षेत्रों की यात्रा करनी पड़ती है, जिससे समय और संसाधनों की बर्बादी होती है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्य में नए विकासखंडों का गठन अत्यंत आवश्यक है, ताकि योजनाओं का लाभ आम लोगों तक सुगमता से पहुंचे और प्रशासनिक कार्यों में तेजी आए।

शहर को आदम युग में ले जाता चाहते हैं विधायक

- भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने कांग्रेस विधायक पर लगाया आरोप
- वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद के साथ फोटो पर उठाए सवाल

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत ने बनभूलपुरा रेलवे भूमि अतिक्रमण मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से ठीक पहले कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश और वरिष्ठ अधिवक्ता एवं कांग्रेसी नेता सलमान खुर्शीद के साथ वायरल हो रही तस्वीर पर सवाल खड़े किए हैं।

विकास भगत।

प्रदेश प्रवक्ता विकास ने कहा कि विधायक सुमित हृदयेश की यह तस्वीर हल्द्वानी के विकास कार्यों का मखौल उड़ाती प्रतीत होती है। एक ओर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विशेष प्रयासों से विकास की नई गति दे रहे हैं, हल्द्वानी को 2200 करोड़ के पैकेज से संवारने का काम तेजी से चल रहा है। सड़कें, राजमार्ग और चौराहों का व्यापक विस्तार हो रहा है।

दूसरी ओर हल्द्वानी विधायक शहर को आदम युग में ले जाने पर तुले पड़े हैं। उन्होंने कांग्रेस विधायक से सवाल किया है कि आखिर बनभूलपुरा अतिक्रमण मामले में सुमित हृदयेश बार-बार दिल्ली क्यों जा रहे हैं। आरोप लगाया कि ऐसा प्रतीत होता है कि सुमित हृदयेश की पूरी कोशिश है कि सुप्रीम कोर्ट में तारीख पर तारीख लगती रहे, मामला लटका रहे और इसी उद्देश्य से कांग्रेस ने अपने महंगे और चर्चित वकील सलमान खुर्शीद को पैरवी के लिए उतारा है। लगातार अतिरिक्त समय मांगने की रणनीति अपनाई जा रही है। यह भी आरोप लगाया कि हल्द्वानी को अराजकता की आग में झोंकने वालों के साथ विधायक का बार-बार खड़ा होना बेहद चिंता का विषय है।

स्पष्ट किया कि अतिक्रमण, अतिक्रमण ही होता है। उसका समर्थन करना हल्द्वानी के भविष्य, विकास और कानून-व्यवस्था तीनों के साथ घोर अन्याय है। विकास को रोकने वाली राजनीति अब अधिक दिनों तक नहीं चलने वाली है। जनता सब समझ रही है और चुनाव में इसका जवाब देगी।

अंशुल बने व्यापार मंडल के कुमाऊं मंडल सह प्रभारी

हल्द्वानी : प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल ने संगठन में पर्वतीय क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व देते हुए बेरीनाग के व्यापारी नेता अंशुल डांगी को कुमाऊं मंडल का सह प्रभारी और थल के प्रमुख व्यापारी राम सिंह जंगपांगी को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया है।

संगठन के प्रदेश प्रभारी वीरेंद्र गुप्ता ने बताया कि संगठन में दूर दराज के व्यापारियों का प्रतिनिधित्व हो सके तथा संगठन की व्यापारियों को आपसी एकता में जोड़ो नीति के तहत ही व्यापार मंडल के बनने का उद्देश्य सार्थक हो पाएगा। उन्होंने बताया कि दोनों पदाधिकारियों के मनोनयन से पर्वतीय क्षेत्रों में भी सभी नगर और ग्रामीण क्षेत्रों की छोटी बड़ी इकाइयों के गठन में व्यापारी हितों के लिए संघर्ष करने वाले व्यापारी का चयन करने में मदद मिलेगी। गुप्ता ने बताया कि संगठन को 40 वर्षों से व्यापारी राजनीति में सक्रिय भूमिका अदा करने वाले अनुभवी और शुरुआती दौर में व्यापार मंडल का गठन कर व्यापारियों को उनके हक की आवाज उठाने वाले वरिष्ठजनो का पूर्ण सहयोग मिला हुआ है।

दो करोड़ का भेजा प्रस्ताव, भरान के बाद बनेगी चोरगलिया सड़क

- गौला नदी के बहाव में बह गया था सड़क का बड़ा हिस्सा
- नीचे के हिस्से में सुरक्षा दीवारों का काम पूरा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: बनभूलपुरा रेलवे क्रासिंग के पास हल्द्वानी-चोरगलिया रोड को भरान करने के बाद चौड़ा करने की तैयारी शुरू हो गई है। इस रोड का एक बड़ा हिस्सा गौला नदी के बहाव में बह गया था। जिसके बाद अब कम चौड़ी सड़क पर आवाजाही हो रही है।

सितंबर 2024 में गौला नदी में तेज बहाव आया था। बहाव की वजह से इस रोड का करीब 200 मीटर नदी में ही समा गया। रोड को सही करने के काम में देरी हुई। इस वजह से इस मानसून के समय भी रोड को बंद करना पड़ा था। बारिश रुकने की वजह से काम ही शुरू नहीं हो पाया। बारिश रुकने के बाद नीचे के हिस्से में सुरक्षा संबंधी काम को पूरा कर दिया गया। अब सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्से को चौड़ा करना है और इसके लिए गौला तल से सड़क के समतल में भरान करना होगा। साथ ही यह भी देखना है कि सुरक्षा पूरी रहे क्योंकि एकदम सटकर गौला नदी बहती है। लोनिवि के अनुसार इस मामले में एडीबी से भी बात की गई है और क्षतिग्रस्त में मानकों को पूरा करते हुए भरान करने का काम किया जाएगा। शासन में दो करोड़ रुपये का प्रस्ताव भेजा गया है। बताया जा रहा है कि अब बजट भी बढ़ जाएगा। लोनिवि ईई प्रत्यूष कुमार ने बताया कि अगले मानसून सीजन से पहले सभी काम को पूरा करने का लक्ष्य है। इस रोड को मानकों के आधार पर बनाया जाएगा।

अभी भारी वाहनों का प्रवेश रहेगा बंद

हल्द्वानी : रोड क्षतिग्रस्त होने की वजह से रोड करीब 200 मीटर की लंबाई तक बहुत ही कम चौड़ी रह गई है। साथ नीचे काफी हिस्सा गौला में चला गया है। इस वजह से अभी भारी वाहनों की इंट्री को पूरी तरह से बंद किया गया है। साथ ही रोड पर आए दिन जाम लगता रहता है। यहां हर समय पुलिसकर्मियों को तैनात रखना पड़ता है। जिससे हालात नियंत्रण में रहें।

मैदानी इलाकों में पंतनगर सबसे ठंडा

हल्द्वानी, अमृत विचार: राज्य के मैदानी इलाकों में पंतनगर जिला ऊधमसिंह नगर सबसे ठंडी जगह दर्ज हो रही है। यहां न्यूनतम तापमान काफी कम चल रहा है। यहां पहाड़ों से भी कम तापमान दर्ज हो रहा है।

देहरादून में न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री, जोलीग्रांट में 8.5 डिग्री, खटीमा में आठ डिग्री दर्ज किया जा रहा है। यह सभी मैदानी क्षेत्र हैं। हालांकि पंतनगर में न्यूनतम तापमान 5.1 डिग्री है। यहां मैदानी इलाकों में सबसे कम तापमान तो है ही और साथ ही यहां पहाड़ी क्षेत्रों के आसपास का ही न्यूनतम तापमान दर्ज हो रहा है।

हल्द्वानी बात करें तो यहां दिन के समय चटक धूप और पारा 24.2 डिग्री है जो सामान्य से दो डिग्री ज्यादा है। हालांकि रात को यहां भी तापमान में कमी आ रही है।

बास्केटबॉल टूर्नामेंट में पहले दिन हुए 13 मैच

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सेंट लॉरेंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को पीएसए की ओर से इंटर-स्कूल बास्केटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ। जिसमें शहर की 28 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। टूर्नामेंट के पहले दिन कुल 13 मैच खेले गए, जिसमें बालिका वर्ग में सेंट लॉरेंस ने सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल को 25-05 और इंस्पिरेशन ने एचडी फाउंडेशन को 25-02 से हराया।

बालक वर्ग में सेंट थेरेसा ने यूनिवर्सल कॉन्वेंट को 15-06 से, इंस्पिरेशन ने एसकेएम को 13-09 और सेंट लॉरेंस ने निमोनिक कॉन्वेंट को 20-02 से हराकर शानदार जीत दर्ज की।

इस दौरान छात्रों ने जुंबा और योग का शानदार प्रदर्शन किया। उद्घाटन के मौके पर कैलाश भगत, अध्यक्ष, पब्लिक स्कूल एसोसिएशन, मणि पुष्पक जोशी, महासचिव, सौरव पाठक, उप सचिव, पीके रौतेला, सागर बिष्ट, गौरव पाठक सहित स्कूल के चेयरमैन अनिल जोशी, निदेशक सुनील जोशी, प्रधानाचार्या अनीता जोशी, उप प्रधानाचार्या अंजू पाठक, समन्वयक संजय सुयाल मौजूद रहे।

सिंथिया स्कूल के बच्चों ने किया एफटीआई का भ्रमण। ● अमृत विचार

विद्यार्थियों को दी वन्यजीव संरक्षण की जानकारी

हल्द्वानी : सिंथिया स्कूल के विद्यार्थियों ने शुक्रवार को फॉरेस्ट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का दौरा किया। इस दौरान इंस्टीट्यूट के प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को विभिन्न वन विभागीय प्रक्रियाओं, पौधों की प्रजातियों, वनों की सुरक्षा, जंगलों में उपयोग होने वाले उपकरणों और वन्यजीव संरक्षण के उपायों के बारे में बताया। बच्चों ने नर्सरी, म्यूजियम, हर्बेरियम और प्रशिक्षण क्षेत्र का अवलोकन कर व्यावहारिक ज्ञान हासिल किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने जंगलों के महत्त्व, पेड़ लगाने की आवश्यकता और प्रकृति संरक्षण से जुड़े रोचक तथ्यों को समझा।

पूर्व विधायक भंडारी ने सीएम को सौंपा मांग पत्र

- पूर्व विधायक ने 13 सूत्रीय मांगों से सीएम को कराया अवगत
- भीड़ापानी में एलोपैथिक एवं आयुर्वेदिक अस्पताल की मांग

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार : प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के भीमताल विधानसभा आगमन पर पूर्व विधायक दान सिंह भंडारी ने उन्हें 13 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा।

इस दौरान पूर्व विधायक ने धारी और रामगढ़ में कोल्ड स्टोरेज निर्माण, भीड़ापानी में एलोपैथिक एवं आयुर्वेदिक अस्पताल की स्थापना, जमरानी बांध परियोजना में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराने, धारी-बबियाड़-सिमलिया-साननी मोटर मार्ग का मिलान, जंगलिया गांव-मालवाताल सड़क निर्माण, ओखलकांडा और रामगढ़ के विद्यालयों का उच्चीकरण, शहीद सैनिक स्वर्गीय इंदर सिंह बर्गली मोटर मार्ग के निर्माण कार्य प्रारंभ करने तथा रामगढ़-धारी के मध्य पॉलिटेक्निक संस्थान की स्थापना सहित कुल 13 सूत्रीय मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। सीएम धामी ने सभी समस्याओं के निस्तारण का भरोसा दिलाया तथा क्षेत्र के विकास को पहली प्रथामिकता बताया। पूर्व धियायक भंडारी ने कहा कि पर्यटन नगरी के विकास को कई काम जरूरी है। मौके पर ब्लॉक प्रमुख ओखलकांडा डी. रूबाली भी उपस्थित रहे।

ट्रांसपोर्टरों ने सीएम से की वार्ता

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कुमाऊं क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों की ओर से लंबे समय से उठाई जा रही समस्याओं और परिवहन विभाग की मनमानी के विरोध के बीच कुमाऊं महासंघ टैक्सी यूनियन का प्रतिनिधिमंडल बीते मंगलवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मिला।

बैठक में ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। जिसमें टैक्स माफ का लाभ नहीं मिल पाने, फिटनेस शुल्क पहले की तरह अधिकतम वसूले जाने, ब्ला-ब्ला एप को बंद करने की मांग पर कोई कार्रवाई नहीं होने, बेवजह की चालानी कार्रवाई नहीं किए जाने, शासन की ओर से व्यावसायिक वाहनों में जीपीएस अनिवार्य किए जाने के बावजूद नहीं लगाए जाने के कारण वाहन स्वामियों को अपने खर्च पर जीपीएस लगाने सहित कई समस्याएं उठाई। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री धामी ने प्रतिनिधिमंडल की ओर से उठाए गए सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना और अधिकांश विषयों पर सहमति भी व्यक्त की। उन्होंने परिवहन सचिव को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए। कुमाऊं महासंघ ने भरोसा जताया है कि सरकार के इस सकारात्मक रुख का असर जल्द ही जमीनी स्तर पर दिखाई देगा और ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों को राहत मिलेगी। बैठक में कुमाऊं महासंघ के अध्यक्ष ठाकुर सिंह बिष्ट और रानीखेत विधायक डॉ. प्रमोद नैनवाल उपस्थित रहे। कुमाऊं महासंघ टैक्सी यूनियन ने समस्त ट्रांसपोर्टेशन से जुड़े लोगों को आश्वस्त किया है कि संगठन उनकी समस्याओं को मजबूती से उठाता रहेगा।

सीएम से मिलते विधायक रानीखेत प्रमोद नैनवाल व ठाकुर सिंह बिष्ट। ● अमृत विचार

बाली अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष बने

हल्द्वानी : भाजपा जिलाध्यक्ष ने छह मोर्चों के अध्यक्षों की घोषणा कर दी है। अध्यक्ष अब कार्यकारिणी का विस्तार करेंगे। जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट ने बताया कि रामनगर के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष चंदन बिष्ट को भाजयुमो का जिलाध्यक्ष, बिठौरिया की मंडल अध्यक्ष रहीं कंचन उप्रेती को महिला मोर्चा, वरिष्ठ कार्यकर्ता गणेश साह को किसान मोर्चा और नन्हे कश्यप को अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा तथा रविंद्र बाली को अनुसूचित जाति और रामनगर के मो. अली नकवी को अल्पसंख्यक मोर्चा का अध्यक्ष बनाया है। नये जिलाध्यक्ष अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करेंगे।

रविंद्र बाली।

मुक्त विवि और कुमाऊं रेजीमेंट के बीच एमओयू

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी और कुमाऊं रेजिमेंटल सेंटर (केआरसी) रानीखेत के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। यह पहल सैन्य समुदाय, विशेषकर अग्निवीरों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और आधुनिक कौशल विकास के नए अवसर उपलब्ध कराएगी।

एमओयू हस्ताक्षर के दौरान विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी के नेतृत्व में प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे, जिनमें निदेशक प्रो. गिरिजा पांडे, रजिस्ट्रार खेमराज भट्ट, रीजनल डायरेक्टर रानीखेत डा. जेएस रावत, असिस्टेंट रीजनल डायरेक्टर रानीखेत रुचि आर्या शामिल रहे। कार्यक्रम का नेतृत्व केआरसी के कमांडेंट ब्रिगेडियर संजय कुमार यादव ने किया। उन्होंने कहा कि अग्निवीरों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम जरूरी हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय से विशेष रूप से राज्य प्रबंधन, आतिथ्य प्रबंधन तथा डिजिटल साक्षरता एवं एआई आधारित कोर्सेज विकसित कर उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इस महत्वपूर्ण समझौते पर राज्यपाल ने भी प्रसन्नता व्यक्त की और इसके लिए यूओयू और केआरसी दोनों को बधाई दी। कुलपति प्रो. लोहनी ने आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय इन पाठ्यक्रमों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देगा।

बैठक

नगर निगम के स्तर की समस्याओं से समाधान का दिया आश्वासन, बड़ी समस्याएं शासन को भेजेंगे

मेयर ने सुनीं नगर निगम के कर्मचारियों की समस्याएं

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : मेयर गजराज सिंह बिष्ट ने शुक्रवार को नगर निगम के कर्मचारियों की मांग पर सभागार में बैठक बुलाई। इस दौरान मेयर गजराज व नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने नगर निकाय कर्मचारी महासंघ, उत्तरांचल स्वच्छकार कर्मचारी संघ, देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ व अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ से जुड़े कर्मचारियों की समस्याएं सुनीं।

बैठक में निगम के लिपिकीय स्टाफ ने समायोजन, तदर्थ कर्मचारियों के नियमितीकरण, एसीपी का लाभ दिए जाने, वर्दी भत्ता और छुट्टी पर काम करने के एवज में अतिरिक्त अवकाश दिए जाने सहित अन्य मांगें रखीं। मेयर ने कहा कि जो मांगें स्थानीय स्तर की हैं, उनके समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया जाएगा जबकि शेष के निराकरण को शासन स्तर पर भेजा जाएगा। इसके साथ ही मेयर ने सफाई कर्मचारियों की ओर से रुपए देकर किसी अन्य व्यक्ति से काम करवाने पर नाराजगी जताई। साथ ही उन्होंने काम के लिए घंटे निर्धारित करने को लेकर कहा कि यदि समय निर्धारित किया जाएगा तो निगम की ओर से निरीक्षण भी किया जाएगा, जिसमें वह स्वयं भी निरीक्षण करने पहुंचेंगे। इस दौरान कोई भी कर्मचारी मौके पर नहीं पाया गया तो कार्रवाई होगी। बैठक में वरिष्ठ नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.मनोज कांडपाल, लेखाधिकारी गणेश भट्ट, ओएस गिरीश भट्ट आदि मौजूद रहे।

सिंथिया स्कूल के बच्चों ने किया एफटीआई का भ्रमण। ● अमृत विचार

कर्मचारियों की ये हैं मांगें

जिन चतुर्थ श्रेणी कर्मियों से कर समाहर्ता व कनिष्ठ सहायक का काम लिया जा रहा है, उन्हें पदोन्नति देने, कर्मचारियों की कमी आउटसोर्स के माध्यम से पूरी किए जाने, गोल्डन कार्ड के लाभ दिलाने, बैंक कैशियर के लिए वाहन की व्यवस्था किए जाने, स्थायी व अस्थायी सफाई कर्मियों को शैक्षिक योग्यता के अनुसार पर्यावरण पर्यवेक्षक के पद पर भर्ती करने, नये वार्डों में पर्यावरण मित्रों की भर्ती करने, अस्थायी कर्मचारियों को वेतन बढ़ोतरी के एरियर का भुगतान करने, दो साल पहले दंगे में जिन कर्मचारियों के वाहन जल गए, उन्हें मुआवजा देने, एसीपी का लाभ देने, मृतक आश्रितों को नियमित किए जाने की मांग की।

जमरानी बांध के टनल से निकल रही मिट्टी, गौला का पानी मटमैला

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: गौला नदी का पानी लगातार मटमैला होने से जल संस्थान के लिए पेयजल शुद्धिकरण का खर्चा बढ़ गया है। नदी से शीशमहल फिल्टर प्लांट तक पहुंचने वाले कच्चे पानी को साफ करने में विभाग को फिटकरी (एलएम) और क्लोरीन (ब्लीचिंग पाउडर) की अतिरिक्त मात्रा का उपयोग करना पड़ रहा है। इसके चलते साफ पानी उपलब्ध कराने में लागत बढ़ गई है।

गौला नदी से शीशमहल फिल्टर प्लांट को पानी की आपूर्ति होती है। इस फिल्टर प्लांट से शहर की एक बड़ी आबादी को पानी की आपूर्ति होती है। गौला नदी के अपर स्ट्रीम में चल रहे जमरानी बांध निर्माण के कारण नदी का रुख बदलने के लिए टनल तैयार की जा रही है। टनल से लगातार मिट्टी निकलने से नदी का पानी गंदा और मटमैला हो रहा है। यही पानी गौला बैराज तक पहुंचकर जल संस्थान के फिल्टर प्लांट तक जा रहा है। अमूमन गौला नदी का पानी मटमैला बारिश के दिनों में होता है। साथ ही गाद की समस्या बढ़ जाती है। अब टनल की वजह से सर्दियों में भी पानी में मिट्टी आ रही है। राहत की बात है कि शहर में फिल्टर प्लांट से आने वाले पानी की आपूर्ति बाधित नहीं हुई। अधिशासी अभियंता रविशंकर लोशाली के अनुसार, मटमैले पानी के कारण फिल्ट्रेशन प्रक्रिया पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है।

भगवानपुर में ट्यूबवेल खराब, पेयजल संकट गहरा

हल्द्वानी : सर्दी में बार-बार खराब हो रहे ट्यूबवेल भगवानपुर क्षेत्र में पेयजल समस्या बढ़ा रहे हैं। शुक्रवार को भगवानपुर बिचला स्थित ट्यूबवेल खराब होने से क्षेत्र में जल आपूर्ति ठप हो गई। घरों तक जरूरी पानी नहीं पहुंचने से लोग विभागीय टैंकरों का इंतजार कर रहे हैं। जल संस्थान के कनिष्ठ अभियंता एमसी सती ने बताया कि ट्यूबवेल की मोटर बदलने का कार्य किया जा रहा है और जल्द ही जलापूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

हम पाकिस्तानी नहीं बल्कि हिंदुस्तानी मुस्लिम हैं

ईदगाह भूमि पर स्टे के बाद बोले मुस्लिम नेता, सभी समाज के लोगों को उठानी चाहिए लोकतंत्र की आवाज

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः खेड़ा स्थित ईदगाह की आठ एकड़ भूमि पर प्रशासन द्वारा कब्जा लेने के बाद मिले स्टे के बाद मुस्लिम नेताओं ने कहा कि हम पाकिस्तानी नहीं है, बल्कि कट्टर हिंदुस्तानी मुसलमान हैं। ऐसे में जिस प्रकार महज नेतागिरी चमकाने के लिए समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाया जा रहा है। उसके खिलाफ सभी जाति-धर्मों के लोगों को सामने आना चाहिए। कारण एक समुदाय को देशद्रोही साबित करने का प्रयास किया जा रहा है। आने वाले समय में दूसरा समाज कैसे सुरक्षित रहेगा। यह सोचनीय विषय है।

शुक्रवार को पत्रकार वार्ता के दौरान भाजपा-कांग्रेस मुस्लिम पार्षदों के अलावा मुस्लिम लीडर ने कहा कि ईदगाह खेड़ा बस्ती में आठ एकड़ का सरकारी टुकड़ा है। जो कि पिछले कई वर्षों से मुस्लिम समुदाय नमाज पढ़ता है और भूमि पर किसी भी प्रकार का कोई कब्जा नहीं हो रहा था। प्रकरण की सुगबुगाहट के बाद भूखंड को लेकर न्यायालय में पांच दिसंबर को याचिका दायर की और षडयंत्र के तहत पुलिस और जिला प्रशासन ने सात दिसंबर को ही इलाके को छावनी में तब्दील कर कब्जा कर लिया।

न्यायालय द्वारा दिए गए स्टे में यथास्थिति बनाने का आदेश दिया है। बावजूद ईदगाह सीर गोटिया स्थित कर्बला के अलावा बारात घर पर भी कब्जा कर लिया गया, जबकि हिंदुस्तान के हर प्रदेश, हर जिले और हर विधानसभा में ईदगाह और दफन स्थल बनाए गए हैं। उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार से सवाल किए कि क्या मुस्लिम देश का गद्दार है। क्या पूर्वजों ने देश की आजादी में कोई योगदान नहीं दिया। बंटवारे के वक्त पूर्वजों ने भारत को चुना। कारण देशभक्ति का जज्बा था। वर्तमान में भी मुस्लिम समुदाय हर जुल्म सहकर देश व प्रदेश की दुआ करता है, लेकिन सत्ता पाने और नेता बनने की चाह के लिए मुस्लिम समुदाय का दमन और धार्मिक भावनाओं को आहत किया जा रहा है। जो कि लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। उन्होंने प्रदेश सरकार से सामंजस्य बनाकर हर जाति धर्म को साथ लेकर विकास करने का आह्वान किया और अदालत के आदेश का पालन करने की नसीहत दी। इस मौके पर पार्षद परवेज कुरैशी, भाजपा पार्षद नुरुद्दीन, बाबू खान, अशफाक खान, असगर रजा, उमर अली, अरशद खान, इरशाद अहमद आदि मौजूद रहे।

प्रेसवार्ता करते मुस्लिम पार्षद व नेता। ● अमृत विचार

कांग्रेस का बहिष्कार, दिल्ली नहीं जाएंगे मुस्लिम

रुद्रपुर: प्रेसवार्ता के दौरान कांग्रेसी पार्षद व मुस्लिम नेताओं ने कहा कि भाजपा वर्षों से समुदाय को अपना नहीं समझती है, लेकिन मुस्लिम समुदाय ने कांग्रेस पार्टी का हर चुनाव और हर वक्त साथ दिया। बावजूद ईदगाह भूमि पर कब्जे के दौरान कांग्रेस हाईकमान, जनप्रतिनिधि हो या फिर जिला व नगर कांग्रेस कार्यकारिणी का नेता भी सामने नहीं आया। इससे साफ है कि कांग्रेस भी मात्र को वोट बैंक समझती है और मुस्लिम नेताओं ने निर्णय लिया है कि 14 दिसंबर को होने वाली वोट चोर गद्दी छोड़ की महारैली में समुदाय नहीं जाएगा और जो नेता या पार्टी समुदाय की प्रताड़ना में साथ देगी। समुदाय अब उसी का साथ देगा। जिसको लेकर जिले भर में ऐलान कर दिया है।

क्या विधायक मुस्लिमों के विधायक नहीं हैं

रुद्रपुर: मुस्लिम नेता असगर रजा ने कहा कि विधानसभा हो या फिर प्रदेश की सत्ता जो भी जीतता है या फिर सरकार बनाता है तो विजयी विधायक महज मुस्लिम समुदाय को छोड़कर सभी धर्मों का विधायक होता है। विधायक को समुदाय विधायक व अपना नेता मानती है। बावजूद ईदगाह कब्जा प्रकरण के बाद जिस प्रकार विधायक व मेयर ने अपना बयान दिया। उस बयान के बाद समुदाय के विश्वास को ठेस पहुंची है। कारण ईदगाह स्थल पर कांग्रेस नहीं, बल्कि भाजपा के अलावा हर पार्टी का कार्यकर्ता नमाज पढ़ता है। हर बार समाज हर पार्टी की उपेक्षा का दंश झेल रहा है। बावजूद समुदाय देश और प्रदेश की तरक्की की दुआ करता रहेगा।

मुस्लिम नेताओं ने नहीं बिगड़ने दिया माहौल

रुद्रपुर: भाजपा के पार्षद नुरुद्दीन ने कहा कि खेड़ा बस्ती ईदगाह पर कब्जा करने की कार्रवाई इतनी भयावह थी कि हर मुस्लिम परिवार डरा व सहमा हुआ था। कारण हर गली में बैरिकेडिंग, हर घर के सामने पुलिस के हथियार बंद जवानों का पहरा। बार-बार धमकाती पुलिस। ऐसा लग रहा था कि खेड़ा बस्ती इंसानों की बस्ती नहीं, बल्कि आतंकवादियों का इलाका होगा। यही कारण है कि प्रशासन की दबंग कार्रवाई की भनक मुस्लिम नेताओं को हो चुकी थी। नेता हर गली और हर व्यक्ति के पास जाकर संयम और धैर्य रखने का आह्वान करते रहे, जबकि सत्यता है कि मुस्लिम समुदाय अमन परस्त है और धैर्यता उनकी निशानी।

सोशल मीडिया और रील के बजाय रियल लाइफ पर फोकस करें युवा

खिलाड़ियों के साथ मुख्य अतिथि खेल मंत्री रेखा आर्या व अन्य। ● अमृत विचार

- खेल मंत्री स्पोर्ट्स स्टेडियम में कार्यक्रम में कर रही थीं संबोधित

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः खेल मंत्री रेखा आर्या ने मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम में राज्य स्तरीय वालीबॉल चैंपियनशिप 2025 का औपचारिक उद्घाटन किया। इसमें प्रदेश के सभी जनपदों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। इस दौरान खेल मंत्री ने युवाओं से कहा कि वे सोशल मीडिया और रील के बजाय रियल लाइफ पर फोकस करके खेलों में अपना करियर बना सकते हैं।

शुक्रवार को कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि एक जमाने में प्रदेश में खेल सुविधाओं की समस्या थी, लेकिन अब बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि अब खिलाड़ियों को साधनों की चिंता करने की जरूरत नहीं है। सिर्फ अपने मन को साधने की जरूरत है, जिससे वे बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकें। उन्होंने कहा कि सरकार खिलाड़ियों के करियर के लिए पूरी तरह तैयार है और राज्य के लिए मेडल जीतने पर आउट ऑफ टर्न सरकारी नौकरी व अन्य सरकारी नौकरियों में 4 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान पहले ही कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार 2030 में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स और 2036 में संभावित ओलंपिक गेम्स की कोई न कोई स्पर्धा प्रदेश में आयोजित करने के प्रयास करेगी। कार्यक्रम में महासचिव ओलंपिक एसोसिएशन डॉ.डीके सिंह, जिला खेल अधिकारी जानकी कार्की ने सभी अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन किया व खेल मंत्री का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उत्तरांचल ओलंपिक संघ महासचिव डीके सिंह, उत्तराखंड वॉलीबॉल संघ महासचिव सपना राणा, उत्तराखंड साइकिलिंग संघ अध्यक्ष विमल चौधरी, जिला ओलंपिक संघ अध्यक्ष नागेंद्र शर्मा, जिला खेल अधिकारी जानकी कार्की, जिला युवा कल्याण अधिकारी भूपेंद्र रावत आदि उपस्थित थे।

जूते की माला पहन पहुंचे दंपती

रुद्रपुरः देश में महिला सुरक्षा कड़ा कानून बनाने और दुष्कर्म व हत्या पीड़ित परिवार को निर्मला फंड से राहत राशि देने का मुद्दा उठाते हुए दंपती जब गले में जूतों की माला पहनकर डीएम कार्यालय पहुंचे तो हर कोई हैरान हो गया। दंपति ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री सहित न्यायाधीशों को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा। दंपति ने दावा किया कि यदि शासन उनका सुझाव माने तो देश में 95 फीसदी अपराध थम सकता है। शुक्रवार को कर्मयोग एवं सहयोग साधना समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश वर्मा अपनी पत्नी मीरा वर्मा के साथ गले में जूतों की माला पहनकर डीएम कार्यालय पहुंचे। उन्होंने डीएम को ज्ञापन सौंपा। उनका कहना था कि दंपति पिछले कई वर्षों से महिलाओं को स्वावलंबी बनाने और छोटी-छोटी बच्चियों के अलावा महिलाओं के साथ हो रहे दुष्कर्म व हत्याओं की घटनाओं की रोकथाम का मुद्दा उठा रहे हैं।उन्होंने केंद्र सरकार और सभी अदालतों के न्यायाधीशों से आह्वान किया कि दुष्कर्म पीड़िता या फिर हत्या पीड़ित परिवार को निर्भया फंड से एक-एक करोड़ की धनराशि दे देती है तो वादकारियों को विधिक लड़ाई लड़ने में कोई दिक्कत नहीं होगी।

महानिदेशक सूचना ने सुनीं समस्याएं

- सूचना अधिकारी एवं पत्रकारों ने किया पौधा भेंट

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः अपर सचिव मुख्यमंत्री व सूचना एवं लोक संपर्क विभाग के महानिदेशक बंशीधर तिवारी जनपद भ्रमण के दौरान जिला सूचना कार्यालय पहुंचे। कार्यालय पहुंचने पर जिला सूचना अधिकारी गोविंद सिंह बिष्ट सहित जिले के पत्रकारों ने उन्हें पौधा भेंट किया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद स्थापित करते हुए उनके सुझाव, समस्याएं एवं कार्य-संबंधी मुद्दे को सुना।

शुक्रवार को लोक संपर्क विभाग के महानिदेशक तिवारी ने कहा कि मीडिया समाज और प्रशासन के मध्य सेतु का कार्य करती है। जनसरोकारों को उजागर करने में भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

लोक संपर्क विभाग के महानिदेशक को पौधा भेंट करते डीआईओ और पत्रकार।

उन्होंने पत्रकारों को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए उनकी निष्पक्ष एवं जनहित को प्राथमिकता देने वाली कार्यशैली की सराहना की। उन्होंने आश्वासन दिया कि पत्रकारों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर विभागीय स्तर से संवेदनशीलता के साथ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी और शीघ्रता से समाधान किया जाएगा।

उन्होंने जिला सूचना अधिकारी एवं समस्त मीडिया प्रतिनिधियों को गुणवत्तापूर्ण सूचना प्रसारण, त्वरित तथ्य संप्रेषण और सकारात्मक संवाद की संस्कृति को और मजबूत करने की दिशा में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर पत्रकार संदीप कुमार, अजय जोशी, भरत शाह, बीरेन्द्र बिष्ट, राजीव शंकर शुक्ला, सुरेंद्र गिरधर, अरविंद सिंह, ललित शर्मा, दुर्गेश तिवारी, वेद प्रकाश, सौरभ गंगवार, संदीप पांडे, नरेंद्र राठौर, सुरेंद्र कुमार आदि मौजूद थे।

आदर्श कॉलोनी में किया नाली-पुलिया का शिलान्यास

- महापौर बोले-पुलिया निर्माण से स्थानीय लोगों को मिलेगी राहत
- पार्षद ने किया महापौर को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः वार्ड नंबर 30 आदर्श कॉलोनी में नाली और पुलिया निर्माण कार्य का महापौर विकास शर्मा ने विधिवत शिलान्यास किया। इस दौरान महापौर का पार्षद गौरव खुराना और स्थानीय लोगों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

शुक्रवार को कार्यक्रम के दौरान महापौर शर्मा ने कहा कि रुद्रपुर को ट्रिपल इंजन सरकार केंद्र, राज्य और नगर निगम का भरपूर लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की योजनाएं, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की तेजी और नगर

शिलान्यास के बाद पार्षद को मिठाई खिलाते महापौर। ● अमृत विचार

निगम की प्रतिबद्धता इन तीनों का समन्वय शहर के विकास को गति दे रहा है। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार की स्मार्ट सिटी पहल, अमृत योजनाओं, स्वच्छ भारत मिशन और धामी सरकार की लोक कल्याणकारी नीतियों ने नगर निगम को मजबूत आधार दिया है। पार्षद गौरव खुराना ने कहा कि आदर्श कॉलोनी के लिए यह नाली और पुलिया निर्माण जरूरी था। कई वर्षों से क्षेत्र में जलभराव की समस्या थी, लोग परेशान थे। कार्यक्रम में पूर्व प्रधान सचिन खुराना, पार्षद जितेश कुमार, पार्षद सौरभ बेहड़, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील ठुकराल, मदन लाल खन्ना, संजय ठुकराल, हरीश खुराना, त्यागी बब्बर, यमन बब्बर, मनीष कालरा, गुरजिंदर सिंह, सुमित दुआ, अमन खुराना, कविता रहेजा, उर्वशी गावा, नीलू खुराना समेत कई लोग मौजूद रहे।

अधिकारियों के साथ बैठक करते नोडल अधिकारी यूसीसी। ● अमृत विचार

यूसीसी दिवस को भव्य रूप से मनाने के निर्देश

रुद्रपुर : अपर जिलाधिकारी व नोडल अधिकारी यूसीसी पंकज कुमार उपाध्याय ने संबंधित अधिकारियों के साथ जनपद स्तर पर समान नागरिक संहिता की प्रगति की समीक्षा की। माह जनवरी 2026 में आयोजित होने वाले यूसीसी दिवस को भव्य रूप से मनाए जाने के संबंध में सभी संबंधितों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। शुक्रवार को समीक्षा बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी व नोडल अधिकारी यूसीसी ने आम जनमानस को समान नागरिक संहिता के प्रति जागरूक करते हुए अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण कराये जाने के लिए प्रेरित किये जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी मनीष बिष्ट, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी ऊधम सिंह नगर, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर ऊधमसिंह नगर, जिला आशा समन्वयक ऊधमसिंह नगर और जनपद के सभी संबंधित अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे।

नगर पंचायत गढ़ीनेगी की निर्वाचन नामावलियों की समय सारणी निर्धारित

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी पंचस्थानीय नितिन सिंह भदौरिया ने बताया कि नगर पंचायत गढ़ीनेगी की निर्वाचन नामावलियों (मतदाता सूचियों) के विस्तृत पुनरीक्षण के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने समय सारणी निर्धारित की गयी है।

शुक्रवार को जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी पंचस्थानीय ने बताया कि 18 से 20 दिसंबर तक नगर निकायवार विस्तृत पुनरीक्षण के लिए संगणकों, पर्यवेक्षकों और सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों आदि की नियुक्ति और कार्यक्षेत्र आवंटन की जानकारी प्राप्त की जाएगी। 21 से 22 दिसंबर तक प्रशिक्षण अवधि, 23 दिसंबर से 6 जनवरी 2026 तक संगण द्वारा घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण की जाएगी, 7 जनवरी से 11 जनवरी तक प्रारूप नामावली की पाण्डुलिपि तैयार की जाएगी।उन्होंने बताया कि 12 से 5 फरवरी तक प्रारूप निर्वाचक नामावलियों की डाटा एंट्री व फोटो स्टेट की जाएगी, 6 फरवरी को निर्वाचन नामावलियों के आलेख्य का प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 7 से 13 फरवरी तक निर्वाचन नामावलियों के आलेख्य के निरीक्षण और दावे व आपत्ति दाखिल करने की अवधि होगी, 14 से 18 फरवरी तक दावे और आपत्तियों के निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 19 से 23 फरवरी तक पूरक सूचियों की डाटा एंट्री व फोटो स्टेट व 24 फरवरी को निर्वाचन नामावलियों का जनसामान्य के लिए अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी पंचस्थानीय ने बताया कि विस्तृत पुनरीक्षण के लिए निर्वाचकों की संदर्भ तिथि 1 जनवरी 2026 निर्धारित करते हुए जनपद की नगर पंचायत गढ़ीनेगी की निर्वाचक नामावलियों (मतदाता सूचियों) का विस्तृत पुनरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी व्यक्तियों के नाम निर्वाचन नामावलियों में सम्मिलित हों।

आशाओं को प्रशिक्षण देते प्रशिक्षक। ● अमृत विचार

आशाओं को दिया मलेरिया स्लाइड का प्रशिक्षण

रुद्रपुर : मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत मलेरिया स्लाइड निर्माण व गुणवत्ता जांच के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित हुआ। इसमें ब्लॉक गदरपुर की 50 आशाओं और आशा फैसिलिटेटर ने प्रतिभाग किया। शुक्रवार को प्रशिक्षण की अध्यक्षता चिकित्सा अधीक्षक गदरपुर डॉ. अंजनी कुमार ने की। प्रशिक्षण में जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण अधिकारी गुरनाम सिंह ने मलेरिया रोग पर सामान्य परिचय दिया। लैब तकनीशियन दीपक ने आशाओं एवं आशा फैसिलिटेटर को मलेरिया स्लाइड निर्माण का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में वेक्टर जनित रोग सलाहकार राहुल कुमार, जिला आशा समन्वयक निधि शर्मा, सौरभ शर्मा एवं ब्लॉक आशा समन्वयक सीमा रानी आदि उपस्थित रहे।

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि मेरी संपत्ति से संबंधित एक महत्वपूर्ण विक्रय विलेख (Sale Deed No. 2966, दिनांक 05 जुलाई 2012) जो बही संख्या 1 Electrostate, जिल्द 432, पृष्ठ 265 से 274 में दर्ज है तथा गाँव मझोला, खाता नं. 171, खेत नं. 596, क्षेत्रफल 0.4549 है० स्थित भूमि से संबंधित है, वह दस्तावेज़ मेरे पास से गुम/खो गया है। भूमि की सीमाएँ - पूरब : खटीमा-पीलीभीत रोड, पश्चिम : चक रोड, उत्तर : चक रोड, दक्षिण : शांति देवी की संपत्ति। रजि० बैनामा कहीं गिरकर गुम हो गये हैं एवं काफी तलाश करने पर भी रजि० बैनामा नहीं मिल पाये हैं।
अजय कुमार सिंह पुत्र श्री श्याम बिहारी सिंह, निवासी गाँव मझोला, ऊधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड-262308

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मेरे मुवक्किल सेवा गृह ऋण लिमिटेड से अंचल W/o राजओम सम्पत्ति को बन्धक रखकर ऋण ले रहे हैं, जो कि स्थित ग्राम रम्पुरा वार्ड नं० 6, तहसील सितारगंज के खेत नं० 5/1/2 मि० रक्बा 92.93 वर्गमीटर दर्ज माल कागजात है जिसका पंजीकरण उपनिबंधक दिनांक 15-06-2024 क्रमांक 4913, इस भूमि के बावत पूर्व के मूल विक्रय पत्र, जो कि समान रक्वे के हैं,
1) बैनामा दिनांक 18-04-2022 जो कि अनीता कुमारी W/o राजकुमार के नाम पे उप निबंधक सितारगंज के वही नं० 1, जिल्द 1898, पृष्ठ सं० 129-152 क्रमांक 1647 पर दिनांक 18.4.2022 में पंजीकृत है।
2) बैनामा दिनांक 28-02-2014 जो कि गंगा देवी W/o वेदराम के नाम पे उपनिबंधक सितारगंज के बही नं० 1. जिल्द 679 पृष्ठ स. 241-256 क्रमांक 1302 पर दिनांक 28.2.2014 में पंजीकृत है।
उक्त मूल विक्रय पत्र दिनांक 01-07-2025 को प्रार्थिनी द्वारा बाजार में कहीं गुम हो गई थी जिसकी सूचना थाना कोतवाली सितारगंज में कर दिया है। जिसका कोई किसी किस्म का दुरुपयोग न करे, इसका उपयोग अवैध माना जायेगा। यदि उक्त पूर्व रजिस्ट्री की मूल प्रति को बैंक में बन्धक रखने बाबत किसी व्यक्ति को किसी किस्म की आपत्ति हो तो वह 3 दिन के अन्दर सम्पर्क कर सकता है।
शावेज अहमद (एड.), अटरिया रोड, आवास विकास, रूद्रपुर, जिला उ० सि० नगर। मो. 9719771281

कार्यक्रम — मयंक, अंजलि बने स्कूल कैप्टन और प्रियांशु, आस्था स्पोर्ट्स कैप्टन, बच्चों ने जमाया रंग

एकलव्य में हुआ छात्र अलंकार ग्रहण समारोह

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचारः एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में अलंकार ग्रहण समारोह रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया गया। समारोह में मयंक सिंह राणा बने स्कूल बालक कैप्टन और अंजलि बनी स्कूल की बालिका कैप्टन।

विद्यालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य भारती यादव ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों को मंत्रमुग्ध किया। समारोह में मयंक सिंह राणा और अंजलि के स्कूल कैप्टन, प्रियांशु राणा को बालक स्पोर्ट्स कैप्टन और आस्था राणा को बालिका स्पोर्ट्स कैप्टन के साथ ही छात्र-छात्रा प्रमुख, सदन प्रमुख, खेल कैप्टन, सह पाठ्यक्रम कैप्टन और बाइस कैप्टन का चयन किया गया। प्रधानाचार्य भारती यादव ने नई टीम को बधाई दी। इस अवसर पर शिक्षक गार्गी, पूजा, दीपा धामी, रोशन, हिमांशु, महेंद्र आर्य, पंकज भट्ट, सचिन आदि की अहम भूमिका रही।

खटीमा के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के छात्र अलंकार समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे।

लैंड जिहाद पर कार्रवाई सराहनीय

गदरपुरः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा प्रदेश की डेमोग्राफी के संरक्षण और ''लैंड जिहादियों'' के ख़िलाफ़ की जा रही कठोर कार्रवाइयों की सराहना की है।

आज आयोजित एक प्रेस वार्ता में गुंजन सुखीजा ने कहा कि धामी सरकार के प्रयास राज्य के मूल स्वरूप और सामाजिक संतुलन को बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने बल दिया कि अवैध गतिविधियों पर रोक लगाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सुखीजा ने गूलरभोज स्थित ठंडा नाले में सरकारी भूमि पर हुए अतिक्रमण के ख़िलाफ़ त्वरित कार्रवाई की प्रशंसा की।

हरीश बोरा बनाए गए चंपावत विस प्रभारी

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचारः अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष की कमान गणेश गोदियाल को सौंपने के बाद उन्होंने 2027 की तैयारी को धरातल पर उतारने में जुट गए हैं। कांग्रेस प्रदेश संगठन द्वारा प्रदेश की सभी 70 विधानसभाओं में प्रभारी नियुक्त कर दिए हैं। इसी क्रम में खटीमा के वरिष्ठ कार्यकर्ता हरीश बोरा को चंपावत का प्रभारी नियुक्त किया है।

हरीश बोरा।

कांग्रेस नेता हरीश बोरा छात्र जीवन में एनएसयूआई से जुड़ कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जाने जाते हैं। वह एनएसयूआई, युवा कांग्रेस और कांग्रेस मुख्य संगठन में अहम दायित्व निभा चुके हैं। बोरा खटीमा विधानसभा में 2009 से 2014 तक युवा कांग्रेस को विधानसभा स्तर पर मजबूत करने का काम किया था। हरीश बोरा को कांग्रेस की सेवाओं के मद्देनजर एक बार फिर उन्हें अहम जिम्मेदारी देते हुए चंपावत विधानसभा का प्रभारी नियुक्त किया गया है। चंपावत के प्रभारी बने बोरा ने कहा कि हाईकमान ने जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी है वह उसे मेहनत और ईमानदारी से निभाएंगे।

ब्रीफ न्यूज

सितारगंज में स्मार्ट मीटर लगाने गई टीम से मारपीट

सितारगंज : सितारगंज में स्मार्ट मीटर लगाने गई टीम के साथ एक युवक ने मारपीट कर दी। मामले में पीड़ित ने आरोपी युवक के विरुद्ध केस दर्ज कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। नगर के वार्ड नंबर 5 निवासी अशरफ अली उर्फ दानिश ने बताया कि उसकी टीम सितारगंज में विद्युत विभाग के सभी उपभोक्ताओं के पुराने मीटर को बदलकर नए स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य कर रही है। बताया कि अदानी ग्रुप के जेई के कहने पर शुक्रवार को वह अपनी टीम के साथ स्मार्ट मीटर लगाने के लिए नयागांव गया था। वहां गांव निवासी एक युवक ने उससे व उसकी टीम के साथ अभद्रता और मारपीट की। सीओ बीएस धौनी ने बताया कि मामले की विवेचना की जा रहीं है। इस मौके पर राजीव, करन कुमार, रवि, दीपांशु, गौरव, अनिल, प्रदीप, सुमित आदि उपस्थित रहे।

कच्ची शराब के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

सितारगंज : पुलिस ने 30 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। बृहस्पतिवार को रात्रि गश्त के दौरान पुलिस ने गांव पहाड़ी उकरौली निवासी गुरमेज सिंह (40) पुत्र महेंद्र सिंह को 30 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ सिडकुल स्थित बंदरिया चौक के पास से गिरफ्तार किया है। वहीं, मामले में पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस उसे न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई कर रही है।

गदरपुर में लगातार चोरी से दहशत, पुलिस गश्त पर सवाल

गदरपुर : शहर में दो दिनों के भीतर चोरी की दो बड़ी घटनाओं से क्षेत्रवासियों में भय और रोष व्याप्त है, जिससे पुलिस प्रशासन के सुरक्षा दावों की पोल खुल गई है। ताज़ा घटना में, दिनेशपुर–मटकोटा रोड स्थित नागपाल फायर वर्क्स के पटाखे के गोदाम पर चोरों ने धावा बोला। चोर छत के रास्ते घुसकर गल्ले का ताला तोड़ा और 3,000 की नकदी तथा सीसीटीवी की डीवीआर चुराकर ले गए। व्यापार मंडल ने पुलिस की गश्त पर सवाल उठाते हुए घटनाओं का तत्काल खुलासा करने की मांग की है। गोदाम मालिक अजय नागपाल ने थाने में तहरीर दी है। थानाध्यक्ष संजय पाठक ने आश्वासन दिया है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जल्द ही चोरों को पकड़ा जाएगा, क्योंकि पुलिस अभी पिछली चोरी की घटनाओं का भी खुलासा नहीं कर पाई है।

साइबर ठग के खिलाफ प्राथमिकी की गई दर्ज

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: गौतम नगर कलश मंडप निवासी मुकेश कुमार चौहान ने साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन (कुमाऊं परिक्षेत्र) रूद्रपुर को तहरीर सौंपी।

इसमें बताया कि बीती 11 नवंबर 2025 की शाम लगभग सवा पांच बजे एक अज्ञात व्यक्ति ने कॉल कर स्वयं को उनका मौसा लोकेश बताकर मौसी के इलाज के लिए तत्काल डेढ़ लाख रुपये की जरूरत बताई। ठग के झांसे में आकर पीड़ित ने भीम एप के जरिए दो मोबाइल नंबर पर सात बार ट्रांजेक्शन करके अपने एसबीआई व पीएनबी बैंक खाते से एक लाख 26 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद मौसी और मौसा से संपर्क करने पर पता चला कि मौसी की तबियत बिल्कुल ठीक है। वहीं मौसा ने भी रुपये मांगने की बात से इंकार कर दिया। पीड़ित ने घटना के दिन ही साइबर क्राइम पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा दी थी।

उधर सुभाषनगर कॉलोनी निवासी दिव्यांग कृष्ण मुरारी यादव ने पुलिस में तहरीर सौंपी। इसमें बताया कि बीती 23 नवंबर की दोपहर लगभग सवा बारह बजे एक व्यक्ति ने अपने को परिचित वीरेंद्र सिंह बताते हुए तत्काल सहायता मांगी। बताया कि उसने आपके बैंक खाते में 75 हजार रुपये भेज दिए हैं। इन रुपयों को आगे क्यूआर कोड व अन्य खातों में भेज दो। कॉलर की बातों में आकर उसने अपनी बेटी के खाते से 55 हजार रुपये और पत्नी व अपने बैंक खाते से दस-दस हजार रुपये सात बार ट्रांजेक्शन करके भेज दिए।

जमीनी विवाद के चलते की मारपीट

सितारगंज : जमीनी विवाद के चलते दो युवकों ने मिलकर एक युवक की जमकर पिटाई कर दी। जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गया। सितारगंज के एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। जहां उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

गांव साधुनगर निवासी लाल बिहारी गौतम ने बताया कि उसी के गांव निवासी दिनेश और विनोद से उसका जमीनी विवाद चल रहा है, जो कोर्ट में विचाराधीन है। बताया कि 7 दिसंबर को उसका पुत्र अनिल रास्ते से गुजर रहा था। तभी दिनेश, विनोद, प्रेमलता, ऋषभ और रुपेश उसके पुत्र अनिल को जबरदस्ती रास्ते से खींचकर अपने घर ले गए। वहां उससे मारपीट की। धारदार हथियार से उसके सिर पर भी हमला किया। जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गया। उसके सिर में गंभीर चोटें आई।

अनुपस्थित कर्मचारियों का स्पष्टीकरण लेते हुए एक दिन का वेतन रोकने के दिए निर्देश

सीडीओ को कई कर्मचारी मिले अनुपस्थित

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने सुबह 10 बजे विकास भवन स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कई अधिकारी व कर्मचारी अनुपस्थित मिले। सीडीओ ने कर्मचारियों की अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। वहीं कर्मचारियों के भ्रमण में होने की पुष्टि के लिए संबंधित कार्यालयाध्यक्ष से सुस्पष्ट प्रमाण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

शुक्रवार को सीडीओ को निरीक्षण के दौरान अर्थ एवं संख्या विभाग के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी संजय सिंह, कनिष्ठ सहायक भावना राणा, अपर

निरीक्षण के दौरान उपस्थिति रजिस्टर देखकर जानकारी लेते सीडीओ।

सांख्यिकीय अधिकारी राजीव कुमार जायसवाल, डाटा एंट्री आपरेटर प्रमोद कुमार, कृषि एवं भूमि संरक्षण विभाग के वरिष्ठ सहायक संतोष कुमार कमल, अनुसेवक नंदा बल्लभ पांडे, महिला कल्याण विभाग के प्रशासनिक अधिकारी रजनीश पंत और महिला सशक्तिकरण विभाग के वाहन चालक जयनारायण अनुपस्थित पाये गये।

इसके अलावा अर्थ एवं संख्या विभाग की अपर सांख्यिकीय अधिकारी प्रीति चोपड़ा, अन्वेषक कम संगणक पूजा नयाल, कृषि एवं भूमि संरक्षण विभाग के सहायक कृषि अधिकारी वर्ग-1 कमल राणा भ्रमण पर होने पाये गये। उन्होंने कर्मचारियों के भ्रमण में होने की पुष्टि के लिए संबंधित कार्यालयाध्यक्ष से सुस्पष्ट प्रमाण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विकास भवन स्थित सभी कार्यालयों के कार्यालयाध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक कार्य दिवस में सभी अधिकारी व कर्मचारी सुबह 10 बजे अपने-अपने कार्यालय में उपस्थित होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि भविष्य में कार्यालयों में कर्मचारियों की अनुपस्थिति के लिए संबंधित कार्यालयाध्यक्षों का उत्तरदायी माना जाएगा।

अभियुक्त के स्थान पर अधिवक्ता को उठाया, हंगामा

जिला बार एसोसिएशन ने कर दिया कार्य बहिष्कार, बवाल के बाद किया प्रदर्शन, कार्रवाई का उठाया मुद्दा, बमुश्किल माने वकील

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: पॉक्सो प्रकरण में अभियुक्त के स्थान पर जूनियर अधिवक्ता को एसओजी द्वारा उठाने पर जिला बार एसोसिएशन भड़क गया और कार्य बहिष्कार कर जिला जजी परिसर में जमकर हंगामा काटा। उन्होंने आगाह किया कि जब तक कप्तान खुद मांफी मांगे और दोषियों पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करते हैं तो अधिवक्ताओं का आंदोलन जारी रहेगा। इस दौरान सीओ व एलआईयू निरीक्षक ने भी समझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन अधिवक्ता नहीं माने।

थाना ट्रांजिट कैंप में एक युवती तहरीर देती है कि कुछ युवकों ने उसके साथ छेड़छाड़ की और प्रकरण को लेकर किसी मानवाधिकार संगठन कार्यकर्ता प्रकरण की जानकारी एसएसपी को दी। जिसके बाद प्रकरण की जांच एसओजी को दी गई। बताया कि तहरीर में जिस अभियुक्त का नाम मयंक शर्मा था तो जिला बार एसोसिएशन में भी मयंक शर्मा नाम का जूनियर अधिवक्ता भी है। इसके बाद गुरुवार की शाम को जब अधिवक्ता विधिक कार्य पूर्ण कर लौट रहा था तो प्राइवेट कार में सादी वेशभूषा में चार व्यक्ति उतारते हैं और खुद को एसओजी का बताते हुए अधिवक्ता को जबरन गाड़ी में बैठाकर थाना ट्रांजिट कैंप ले जाते हैं। छह घंटे की पूछताछ में यह पता चलता है कि जिस अधिवक्ता को एसओजी ने उठाया था। वह अभियुक्त है नहीं। शुक्रवार की सुबह होते ही जिला बार एसोसिएशन को भनक लगी तो सैकड़ों अधिवक्ता भड़क गए और न्यायिक कार्य का बहिष्कार कर कोर्ट परिसर में हंगामा व बवाल काटते हुए दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और एसएसपी द्वारा खुद आकर माफी मांगने का मुद्दा उठाया। जिसकी भनक लगते ही सीओ प्रशांत कुमार और एलआईयू निरीक्षक मौके पर पहुंचे और अधिवक्ताओं को समझाने की कोशिश की, लेकिन अधिवक्ताओं ने प्रस्ताव ठुकरा दिया और दरी बिछाकर बैठक शुरू कर डाली।

कार्य बहिष्कार कर भड़ास निकालते जिला बार एसोसिएशन पदाधिकारी। ● अमृत विचार

सर्विलांस पर मोबाइल, रेकी कर उठाया

रुद्रपुर : पीड़ित अधिवक्ता मयंक शर्मा का कहना था कि युवती से छेड़छाड़ के मामले की कोई जानकारी नहीं है और वह रोजमर्रा की भांति अधिवक्ता चैंबर में कार्य कर रहा था, लेकिन मोबाइल पर बार–बार बीप जैसी आवाज आ रही थी। मानो मोबाइल सर्विलांस पर लगा हो। शाम साढ़े पांच बजे जिस वक्त एसओजी ने हिरासत में लिया था। वहीं एसओजी कर्मी दोपहर से कोर्ट परिसर के ईद गिर्द घूम रहे थे। ऐसा कोई मामला था तो वह पहले अभियुक्त या आरोपी की तस्दीक करते। बावजूद वह बार–बार यही कह रहे थे कि प्रकरण की कोई जानकारी नहीं और एसओजी व थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस कर्मी अभद्रता पर उतारु थे।

अधिवक्ता का सम्मान ही सर्वोपरि है: फोगाट

रुद्रपुर : जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीव फोगाट ने कहा कि जिस प्रकार एसओजी व पुलिस ने जूनियर अधिवक्ता के मान–सम्मान को ठेस पहुंचाई है। अधिवक्ता के सम्मान की लड़ाई लड़ी जाएगी, जबकि पुलिस को कार्रवाई करने से पहले आरोपी या अधिवक्ता की तस्दीक करनी चाहिए थी। जांच में भी अधिवक्ता निर्दोष हुआ, लेकिन मान सम्मान को ठेस पहुंची है। यदि एसएसपी ने कठोर कार्रवाई नहीं की तो राष्ट्रीय लोक अदालत का भी बहिष्कार किया जाएगा।

साढ़े पांच बजे उठाया, साढ़े दस बजे छोड़ा

रुद्रपुर : अधिवक्ताओं ने बताया कि गुरुवार की शाम को जिस वक्त जूनियर अधिवक्ता मयंक शर्मा को उठाया। उस वक्त साढ़े पांच बजे थे और देर रात्रि साढ़े दस बजे छोड़ा गया। बताया कि पीड़िता के इनकार करने, सीसीटीवी कैमरों का अवलोकन करने और आधार कार्ड की तस्दीक के बाद भी एसओजी और पुलिस ने नहीं छोड़ा। पूछताछ के बाद पुलिस ने डिमांड रखी कि अधिवक्ता की पत्नी तस्दीक करेगी। जिस पर साढ़े नौ बजे अधिवक्ता की पत्नी अपने एक साल के बेटे के साथ थाने पहुंची। आरोप यह भी था कि पुलिसकर्मी पत्नी के सामने भी अभद्रता कर रहे थे।

जब अधिवक्ताओं ने बयां की पुलिस प्रताड़ना

रुद्रपुर : मयंक शर्मा को बेवजह उठाने के बाद भड़के अधिवक्ता आंदोलन में मयंक शर्मा प्रकरण के बाद दर्जन भर अधिवक्ताओं ने पुलिस कार्रवाई के खिलाफ अपनी भड़ास निकाली। जहां महिला अधिवक्ता ने बताया कि रंपुरा चौकी में छेड़छाड़ की तहरीर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं झूठी तहरीर पर पुलिस ने अधिवक्ता के परिवार के खिलाफ मुकदमा कर डाला। यही नहीं कुछ दिन पहले ही थाना पंतनगर में भी पुलिस द्वारा अधिवक्ता को बुलाकर प्रताड़ित किया और मुकदमा दर्ज किया। जबकि प्रकरण झूठा था और पुलिस ने कोई जांच भी नहीं की। यही कारण है कि पुलिस जानबूझकर अधिवक्ताओं को प्रताड़ित कर रही है। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ऑपरेशन लंगड़ा पर उठाए जाएंगे सवाल : ढिल्लो

रुद्रपुर : जूनियर अधिवक्ता प्रकरण के दौरान जिला बार एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कुलवीर सिंह ढिल्लो ने कहा कि जहां पुलिस मानवाधिकार का हवाला देकर जूनियर अधिवक्ता को उठा लेती है। वहीं पुलिस द्वारा ऑपरेशन लंगड़ा भी मानवाधिकार का हनन है। कारण पिछले कुछ माह से लगातार बदमाशों को पैर पर गोली मारने का चलन प्रारंभ हुआ है और हर बार गोली सटीक घुटने के नीचे ही क्यों लगती है। इन सभी सवाल मानवाधिकार आयोग से जुड़े हैं। बावजूद अधिवक्ता पुलिस कार्रवाई की सराहना करता था, लेकिन अब पुलिस के ऑपरेशन लंगड़ा पर सवाल उठाए जाएंगे और न्यायालय को जानकारी दी जाएगी।

सिक्योरिटी गार्ड की उपचार से पहले हुई मौत

रुद्रपुर: गुरुवार की देर रात्रि ड्यूटी करते वक्त एक सिक्योरिटी गार्ड की हालत बिगड़ी और आनन फानन में कर्मी को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां हायर सेंटर ले जाते वक्त सिडकुल कर्मी की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटना की जानकारी ली और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मूल रूप से तितर वाली रामपुर यूपी निवासी 36 वर्षीय पिंटू राठौर कृष्णा कॉलोनी ट्रांजिट कैंप में परिवार के साथ रहता था और सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर जीविका चलाता था। उन्होंने बताया कि रोजमर्रा की भांति पिंटू 11 नवंबर को ड्यूटी पर गया था और अचानक गश खाकर नीचे गिर गया। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और सिक्योरिटी गार्ड को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। 11 नवंबर की देर रात्रि बरेली ले जाते वक्त सिक्योरिटी गार्ड की मौत हो गई। सूचना मिलने पर थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस ने घटना की जानकारी ली और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सिक्योरिटी गार्ड की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

नवजात की मौत के मामले में आक्रोश

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : नवजात की टीका लगाने के बाद हुई मौत में कार्रवाई की मांग को लेकर शुक्रवार को नवजात के परिजनों ने कोतवाली पहुंचकर रोष जताया। कोतवाल सुंदरम शर्मा से वार्ता के बाद परिजन लौट गए।

नगर के वार्ड नंबर 6 निवासी राकेश कुमार ने बताया कि 27 सितंबर को उनकी बहू कंचन ने पुत्र को जन्म दिया था। 12 नवंबर को उप जिला अस्पताल, सितारगंज में तैनात एएनएम ने उसके पोते को चार टीके लगाए थे। टीका लगाने के दिन से ही पोते की तबीयत खराब हो गई थी। बताया कि टीका लगाने वाली जगह से उसे अधिक रक्तस्राव हो रहा था तो उसे वापस उप जिला अस्पताल में दिखाया था। वहां स्वास्थ्यकर्मियों ने महज़ औपचारिकता निभाने के बाद वापस घर भेज दिया। फिर, 18 नवंबर को उसे रुद्रपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। वहां और एनआईसीयू में उसका इलाज चल रहा था। वही टीकाकरण के 10 दिन बाद रविवार को उसकी मौत हो गई थी। परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग व पुलिस को पत्र देकर कार्यवाही की मांग की थी। सीएमओ डॉ. केके अग्रवाल के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने प्रकरण की जांच की थी। जांच टीम के अधिकारियों ने जांच में पाया कि वैक्सीनेशन के कारण मौत नहीं हुई थी। जांच रिपोर्ट से परिजन संतुष्ट नहीं दिखे। शुक्रवार की सुबह परिजन कोतवाली गेट पर धरने में बैठ गये। कोतवाल सुंदरम शर्मा ने बताया कि पुलिस मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करती है।

नवजात की मौत के मामले में कोतवाल से कार्रवाई की मांग करते परिजन।

ग्राम की भूमि से 6 हरे पेड़ काटे

किच्छा/पुलभट्टा: पुलभट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम भंगा में ग्राम समाज की सरकारी भूमि पर लगे शीशम, नीम और बकैन समेत लगभग आधा दर्जन हरे-भरे पेड़ों को अवैध रूप से काट दिए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों की सूचना पर पुलभट्टा पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस की भनक लगते ही तस्कर कटी हुई लकड़ी छोड़कर फरार हो गए। इसके बाद तहसील प्रशासन की टीम ने भी मौका मुआयना कर जांच शुरू कर दी है।

सामाजिक कार्यकर्ता विपिन शर्मा ने आरोप लगाया कि तस्करों ने स्थानीय जनप्रतिनिधि की मिलीभगत से यह कटान किया। उन्होंने यह भी कहा कि वन विभाग चौकी के डिप्टी रेंजर एसएस डांगी सूचित करने के बाद भी मौके पर नहीं आए।

मलकानगिरी में हिंसा से बंगाली समाज में रोष

- राष्ट्रपति से उच्च स्तरीय न्यायिक जांच समेत कई मांग उठाई
- डीएम के माध्यम से राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: प्रादेशिक बंगाली कल्याण समिति ने ओडिशा के मलकानगिरी जनपद में 5 से 11 दिसंबर के बीच हुई हिंसा, आगजनी, लूटपाट और प्रशासनिक विफलताओं को लेकर नाराजगी जताई और प्रदर्शन किया। साथ ही जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित कर उच्च स्तरीय न्यायिक जांच समेत कई मांग उठाई।

शुक्रवार को राष्ट्रपति को भेजे गये ज्ञापन में समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि 7 दिसंबर को पुलिस बल की मौजूदगी में 13 घरों को आग के हवाले किया गया और लूटपाट की हुई। 8 दिसंबर को करीब 40 हजार नागरिकों ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। बावजूद 26 एमवी क्षेत्र में दोबारा हिंसा भड़क उठी, जिसमें पूरा गांव राख हो गया और कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए। समिति के अध्यक्ष दिलीप अधिकारी ने बताया स्थानीय प्रशासन प्रभावी सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहा और पीड़ित पक्ष को रोकते हुए उपद्रवियों को खुली छूट मिलती रही। ज्ञापन में उन्होंने राष्ट्रपति से उच्च-स्तरीय न्यायिक जांच, प्रभावित परिवारों के पुनर्वास, आर्थिक सहायता, दोषियों पर कठोर कार्रवाई और क्षेत्र में स्थायी शांति-व्यवस्था स्थापित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति का त्वरित हस्तक्षेप ही पीड़ित परिवारों को न्याय और सुरक्षा दिला सकता है। प्रतिनिधिमंडल में महासचिव नारायण हालदार, मानवेंद्र, पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन, ममता हालदार, परिमल राय, समीर राय, अर्जुन विश्वास, शिवम हालदार, प्रदेश मीडिया प्रभारी सत्यजीत सरकार आदि मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते प्रादेशिक बंगाली कल्याण समिति के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्रवाई

केदार हर्बल इंडस्ट्रीज का मालिक हुआ फरार, 14 टायरा ट्रक सीज, लकड़ी की है दस लाख कीमत

हरियाणा में वन विभाग की दबिश, 670 नग खैर गिल्टे बरामद

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: वन तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तराई केंद्रीय वन प्रभाग की टीम ने दबिश देकर हरियाणा स्थित एक हर्बल इंडस्ट्रीज से बड़े पैमाने पर खैर लकड़ी के गिल्टे बरामद किए और एक ट्रक को भी सीज कर दिया। कार्रवाई के दौरान इंडस्ट्रीज स्वामी व अभियुक्त फरार हो गया। जिसकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

शुक्रवार को डीएफओ यूसी तिवारी ने खुलासा करते हुए बताया कि पिछले कुछ दिनों से तराई केंद्रीय वन प्रभाग रुद्रपुर के टांडा रेज से वन तस्करों द्वारा कीमती लकड़ी का कटान कर बाहरी मुल्कों में बेचने का इनपुट मिला था। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए फौरन वन क्षेत्राधिकारी टांडा रूप नारायण गौतम, वन क्षेत्राधिकारी पीपल पड़ाव पूरन चंद्र जोशी और प्रभारी वन क्षेत्राधिकारी वन सुरक्षा दल सहित 13 सदस्यों की एक टीम का गठन किया और एसएसपी मणिकांत मिश्रा द्वारा हरियाणा एसएसपी से संपर्क साधा गया।

इसके बाद संयुक्त टीम ने हरियाणा पुलिस और वन विभाग की टीम के साथ मिलकर ज्वाइंट ऑपरेशन चलाया और मिली सूचना के आधार पर हरियाणा के गांव बैरसाल थाना बुटाना करनाल स्थित केदार हर्बल इंडस्ट्री में दबिश दी। जब पड़ताल की तो पाया कि वन टांडा रेंज से चोरी छिला हुआ 222 नग खैर लकड़ी 14 टायरा ट्रक संख्या यूपी-70 एचटी-2637 में लदा हुआ है, जबकि बड़े पैमाने पर खैर लकड़ी के गिल्टे गोदाम में पड़े हुए मिले। जब इस संबंध में दस्तावेज मांगे तो किसी ने भी दस्तावेज नहीं दिखाए। पूछताछ में यह पता चला कि केदार हर्बल इंडस्ट्रीज स्वामी अभिमन्यु सिंह चौहान उर्फ शैकी निवासी मिसरवाला पाटा साहिब सिरमौर हिमाचल द्वारा की लकड़ी की तस्करी करता है।

कार्रवाई के दौरान अभियुक्त एवं संस्थान स्वामी अभिमन्यु टीम को चकमा देकर फरार हो गया। कार्रवाई में वन विभाग की टीम ने कुल 670 गिल्टे यानी 250 कुंटल खैर लकड़ी बरामद की और 14 टायर ट्रक को सीज कर दिया। बरामद लकड़ी की कीमत दस लाख रुपये आंकी गई है। प्रारंभिक तफ्तीश में यह भी पता चला कि गिरोह वन तस्करों के गिरोह के साथ मिलकर कीमती लकड़ियों को उत्तराखंड, झारखंड, हिमाचल प्रदेश और यूपी से क्रय करता है और फिर चोरी की गिल्टों को बाहरी प्रदेशों में खपा देते हैं। वन विभाग ने मुकदमा दर्ज कर फरार अभियुक्त की सरगर्मी से तलाश तेज कर दी है।

बरामद गिल्टों के साथ वन विभाग की टीम। ● अमृत विचार

यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी को देने होंगे 26.45 लाख रुपये

- वर्ष 2023 में महतोष मोड़ पर हुआ था सड़क हादसा
- मोटर दुर्घटना दावा निवारण न्यायाधीश ने सुनाया फैसला

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: वर्ष 2023 में सड़क हादसे के मृतक भुवनेश सड़क हादसा प्रकरण की सुनवाई करते हुए मोटर दुर्घटना दावा निवारण न्यायाधीश ने यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी को 26.45 लाख रुपये एक्सीडेंट क्लेम देने का आदेश दिया। अदालत ने दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद अपना फैसला सुनाया।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता एमपी तिवारी ने बताया कि वार्ड-नौ रामपुरम एक्सटेंशन खड़कपुर देवीपुरा बाजार रोड काशीपुर निवासी श्रेया चंचल ने दायर याचिका में बताया कि पति भुवनेश कुमार जो कि बीटेक की पढ़ाई करने के साथ-साथ 20 हजार रुपये की नौकरी कर परिवार की जीविका चलाता था। उन्होंने बताया कि 29 मार्च 2023 को भुवनेश कुमार बाइक संख्या यूके-18पी-9872 से शाम साढ़े पांच बजे घर लौट रहा था और काशीपुर हाईवे महतोष मोड़ के समीप ट्राला संख्या यूपी-25 एफटी-1675 ने बाइक को टक्कर मार दी। घायल पति को कई अस्पताल ले जाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। याचिकाकर्ता ने दायर याचिका में चार प्रतिवादियों को आरोपी बनाया। प्रकरण की सुनवाई मोटर दावा दुर्घटना निवारण न्यायाधीश मुकेश चंद्र आर्य की अदालत में हुई। जहां दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद अदालत ने यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी को सड़क हादसे का जिम्मेदार ठहराते हुए 26.45 लाख रुपये का एक्सीडेंट क्लेम देने का आदेश दिया। अदालत ने आदेश दिया कि क्लेम की धनराशि सात फीसदी और 45 दिन में दिया।

सिटी ब्रीफ

बामनपुरी के युवक की संदिग्ध हालात में मौत, हत्या की आशंका

गदरपुर : सकेनिया क्षेत्र के ग्राम बामनपुरी में शनिवार सुबह मग्गर सिंह (35) नामक युवक सड़क किनारे अचेत अवस्था में मिला। स्वजन उन्हें काशीपुर अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।मृतक की पत्नी अमरजीत कौर ने पड़ोसियों पर गंभीर आरोप लगाया है कि मुखबिरी के शक में उनके पति को साजिश के तहत जहरीला पदार्थ खिलाकर मारा गया है। उन्होंने बताया कि गुरुवार रात भी कुछ लोगों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी थी।पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष संजय पाठक ने कहा कि मौत के असली कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा, और पुलिस स्वजनों के आरोपों की जांच कर रही है।

25 को निकलेगी महाराजा शूर सैनी की शोभायात्रा

काशीपुर : सैनी महासभा जिला कार्यकारिणी की बैठक नगर अध्यक्ष घनश्याम सिंह सैनी के निवास स्थान लक्ष्मीपुर पट्टी पर संपन्न हुई। जिसमें आगामी 25 दिसंबर को निकलने वाली महाराजा शूर सैनी जी की शोभायात्रा व जयंती की तैयारी को लेकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि कार्यक्रम आयोजित करने को लेकर शहर व ग्रामीण क्षेत्र में रह रहे समाज के व्यक्तियों से जनसंपर्क किया जा रहा है। सभी से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया गया। बताया 13 दिसंबर को सुल्तानपुर पट्टी, बरहैनी, बन्नाखेड़ा, बाजपुर क्षेत्र में सैनी बंधुओं से संपर्क किया जाएगा।

श्रमिकों को लेकर देहरादून जा रही प्राइवेट बस पलटी, 25 यात्री घायल

लखीमपुर खीरी से श्रमिकों को लेकर देहरादून जा रही प्राइवेट बस ट्राला से टकराई

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः लखीमपुर खीरी से श्रमिकों को लेकर देहरादून जा रही प्राइवेट बस नेशनल हाईवे-74 स्थित ग्राम कनौरा के कट पर सड़क किनारे खड़े ट्राला में पीछे से जा टकराई। हादसे में 25 यात्री घायल हो गए, जिन्हें सूचना पर पहुंची पुलिस ने 108 एंबुलेंस व स्थानीय लोगों की मदद से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है।

राष्ट्रीय राजमार्ग-74 स्थितग्राम कनौरा में कट के पास पर ट्राला संख्या (यूपी79/एटी5693) सड़क किनारे खड़ा था। बताया जाता है कि इसी बीच गुरुवार की मध्य रात्रि करीब साढ़े 12 बजे रुद्रपुर की ओर से काशीपुर की तरफ जा रही तेज रफ्तार प्राइवेट बस संख्या (यूपी31/टी8654) पीछे से ट्राला में जा टकराई। जिसमें ग्राम ध्यानपुर निवासी 29 वर्षीय कुलदीप पुत्र जोगीराम, ग्राम बूड़ा निवासी 23 वर्षीय राजू सिंह पुत्र दुखीराम, ग्राम भीरा निवासी 34 वर्षीय अमित मोर्य पुत्र सूरज प्रकाश, ग्राम निवजपुर्वा निवासी 45 वर्षीय सुलेखा देवी पत्नी

बाजपुर में पीछे से ट्राला में टकराकर क्षतिग्रस्त हुई बस व बचाव कार्य में जुटी पुलिस।

उत्तम कुमार, 15 वर्षीय कन्यावती पुत्री उत्तम कुमार, ग्राम बेल बजरिया निवासी 19 वर्षीय अतुल कश्यप पुत्र द्वारिका प्रसाद, कस्बा खुदर चूड़ी गली निवासी 22 वर्षीय प्रतीक पुत्र सुनील, ग्राम सुजानपुर निवासी 32 वर्षीय अच्छे लाल पुत्र भगवानी, ग्राम लालपुर निवासी 40 वर्षीय राम बहादुर पुत्र बाबूराम, 35 वर्षीय छोटेलाल पुत्र बिंद्रा, ग्राम देबरिया निवासी 19 वर्षीय सूरज कुमार पुत्र माधोराव, ग्राम हरदी बुदरिया निवासी 21 वर्षीय मुकेश कुमार पुत्र बेचेलाल, ग्राम बजहरा निवासी 42 वर्षीय रामचंद्र पुत्र गोबर्धन, ग्राम पोस्ट चकयी निवासी 35 वर्षीय सरस्वती पत्नी धीरज कुमार, 35 वर्षीय धीरज कुमार पुत्र हरपाल, ग्राम दरैरी निवासी 28 वर्षीय अजय कुमार, 50 वर्षीय पटवारी पुत्रगण राम लोटन, ग्राम परगनन निवासी 21 वर्षीय शराफत खान पुत्र खलील खान, ग्राम सहजदिया निवासी 35 वर्षीय छेलु पुत्र महेश यादव, ग्राम नगला निवासी 30 वर्षीय सरिता देवी पत्नी आशीष अवस्थी, 9 वर्षीय सार्थक पुत्र आशीष अवस्थी, ओरीपुर्वा निवासी 26 वर्षीय संतोष

पुत्र राम प्रसाद, ग्राम दौलतपुर निवासी 24 वर्षीय छोटू पुत्र सत्रोहन लाल, ग्राम बल्लीपुर निवासी 55 वर्षीय आत्माराम पुत्र अर्जुन लाल, ग्राम राजा पुर्वा निवासी मुकेश कुमार पुत्र जगदीश प्रसाद समेत 25 महिला-पुरुष घायल हो गए। सभी घायल जनपद लखीमपुर खीरी (उप्र) के अलग-अलग गांवों के निवासी हैं। घटना की सूचना से पुलिस प्रशासन में भी हड़कंप मच गया। आनन फानन में ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और बचाव कार्य शुरू कर दिया। बस के अंदर फंसे लोगों को स्थानीय लोगों की मदद से किसी तरह बाहर निकाला। बस के अगले हिस्से में फंसे व्यक्ति को गैस कटर से केबिन काटकर बाहर निकाला गया। पुलिस ने सभी घायलों को 108 एंबुलेंस व स्थानीय लोगों की मदद से सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां से चिकित्सकों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

पति और ससुराल पक्ष पर मारपीट व दहेज का आरोप

बाजपुरः विवाहिता ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर मारपीट, गाली-गलौज और दहेज मांगने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर में नामजद पति सहित आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

ग्राम गांव बाजपुर निवासी साएबा ने पुलिस को बताया कि करीब दो वर्ष पहले उसकी शादी शाहरुख पुत्र अतीक अहमद के साथ मुस्लिम रीतिरिवाज से हुई थी, जिसमें मायके वालों ने अपनी हैसियत के अनुसार दान-दहेज उपहार स्वरूप दिया था। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति शाहरुख, ससुर अतीक अहमद, सास दिलसाना, ननदें सलीना, नूर बी, अलीना, देवर नाजिम उर्फ विक्की और ददिया सास कलसुम उसके साथ लगातार गाली-गलौच और मारपीट करते आ रहे हैं। पीड़िता के अनुसार चार अक्टूबर की सायं करीब चार बजे सभी आरोपियों ने दहेज की मांग को लेकर उसके साथ मारपीट की और घर से निकाल दिया। इतना ही नहीं इन लोगों ने धमकी दी कि यदि वह बिना दहेज दोबारा घर लौटी तो उसे और उसके दोनों छोटे बच्चों को जान से मार दिया जाएगा। वहीं पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति समेत आठ ससुरालियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

मासिक धर्म स्वच्छता पर किया जागरूक

छात्राओं को मासिक धर्म के प्रति सजग करतीं वक्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, रुद्रपुर

- कक्षा पांच से नौ की छात्राओं को किया जागरूक
- कोलंबस पब्लिक स्कूल में हुआ कार्यक्रम

अमृत विचारः कोलम्बस पब्लिक स्कूल में मासिक धर्म स्वच्छता जागरूक सत्र का आयोजन हुआ। जिसमें कक्षा पांच से नौ तक की छात्राओं को जागरूक किया गया और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। सत्र का उद्देश्य यह था कि किशोरावस्था में आने वाली छात्राएं मासिक धर्म की गंभीरता को समझें और निरोग रहकर बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर हो।

सत्र के दौरान प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.मनप्रीत बाठला ने बताया कि मासिक धर्म एक प्राकृतिक जैविक प्रक्रिया है जो किशोरावस्था में आने वाली युवतियों को संकेत देता है कि मासिक धर्म के प्रति सजग रहे और स्वास्थ्य कार्यप्रणाली को सांकेतिक करती है। उन्होंने बताया कि किशोरावस्था के साथ आने वाली शारीरिक बदलाव में डरे नहीं, बल्कि सावधानी बरतते हुए सजग रहे।

मासिक धर्म के प्रति सेहत व स्वच्छता जरूरी है। इस दौरान महिला चिकित्सक ने छात्राओं के साथ खुलकर वार्तालाप की और शंकाओं को भी दूर किया। इस मौके पर प्रबंध निदेशक मनोज कुमार खेड़ा व प्रधानाचार्य मनोज कुमार मुख्य वक्ता का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया।

काशीपुर में राजकीय शिक्षक संघ का दो दिवसीय अधिवेशन शुरू

संवाददाता, काशीपुर

- शनिवार को होंगे विभिन्न पदों के लिए चुनाव

अमृत विचारः राजकीय शिक्षक संघ का दो दिवसीय अधिवेशन एवं शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी शुक्रवार को उदयराज इंटर कॉलेज के प्रेक्षा गृह में शुरू हो गया। मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री अरविंद पांडे, काशीपुर विधायक त्रिलोक सिंह चीमा और पीसीयू अध्यक्ष राम मेहरोत्रा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद अटल उत्कृष्ट इंटर कॉलेज और आर्य कन्या विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना पेश की।

मुख्य अतिथि अरविंद पांडे ने कहा कि शिक्षकों को सरकारी स्कूलों में शिक्षा के प्रति और अधिक जागरूक होना पड़ेगा। इसके अलावा विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी तैयार करना होगा। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार द्वारा शैक्षणिक उन्नयन के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी भी दी।

शनिवार को राजकीय शिक्षक संघ के लिए चुनाव होंगे। जिसमें 1300 शिक्षक और शिक्षिका नई कार्यकारिणी के लिए मतदान करेंगे। जिलाध्यक्ष दीपक शर्मा ने बताया कि चुनाव सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक होगा। इसके बाद मतगणना शुरू होगी जो देर रात तक चलेगी। चुनाव में जिला अध्यक्ष, महिला उपाध्यक्ष और पुरुष उपाध्यक्ष, जिला मंत्री, कोषाध्यक्ष, आय व्यय निरीक्षक पदों पर दो दो लोग आमने सामने हैं। शिक्षक संघ के पदाधिकारियों और ब्लॉक संरक्षक जसपुर के महेश चंद्रा ने शिक्षा में गुणवत्ता के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष राम सिंह, मंडल अध्यक्ष गोकुल मर्तोलिया, जानकी अधिकारी, ममता शर्मा, लक्ष्मण सिंह, रमेश चंद्र मार्य, महेश सिंह, चंद्र शेखर, संजीव कुमार, अरविंद शर्मा, मनोज कुमार सहित जिले से तमाम शिक्षक थे।

खटीमा के जीआईसी में वेपन ट्रेनिंग क्लास के तहत प्रशिक्षण लेते कैडेट्स।

जीआईसी और सर्राफ के कैडेट्स ने लिया वेपन प्रशिक्षण

खटीमा : पीएम श्री अटल उत्कृष्ट थारू राजकीय इंटर कॉलेज में 1-यूके स्क्वाड्रन एनसीसी पंतनगर के कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन विवेक रावत के निर्देशन में वेपन ट्रेनिंग क्लास का सफल आयोजन किया गया। विशेष प्रशिक्षण सत्र में जीआईसी के साथ ही सर्राफ पब्लिक स्कूल के एनसीसी कैडेट्स ने भी प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण का संचालन जूनियर वारंट ऑफिसर झावर मल द्वारा किया गया। जिन्होंने कैडेट्स को एनसीसी में प्रयोग होने वाले विभिन्न हथियारों, उनके पार्ट्स, उनकी संरचना तथा उनके उचित उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। उन्होंने फायरिंग के समय अपनाई जाने वाली पोजीशनों के बारे में भी विस्तृत रूप से चर्चा की। इस अवसर पर प्रधानाचार्य संतोष कुमार, एनसीसी अधिकारी फर्स्ट ऑफिसर नरेंद्र सिंह रौतेला, थर्ड ऑफिसर कमल उपस्थित रहे।

डायनेस्टी पहुंची आरजे की यात्रा

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचारः डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फार्म में देहरादून से आरजे काव्य द्वारा संस्थापित ओहो रेडियो की टीम पहुंची। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष ओहो हिल यात्रा का मुख्य सन्देश सोच लोकल अप्रोच ग्लोबल है। जिसे लेकर हिल यात्रा प्रदेशभर में भ्रमण कर समाज में जागरूकता का अभियान चला रही है।

इसी क्रम में हिल यात्रा डायनेस्टी गुरुकुल एकेडमी पहुंची। प्रबंध निदेशक धीरेंद्र भट्ट सहित विद्यालय प्रबंधन द्वारा यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान बच्चों द्वारा स्वच्छता व जलवायु संकट, सोच लोकल अप्रोच ग्लोबल से संबंधित स्वरचित कविता, भाषण, समूहगान प्रस्तुत

खटीमा के डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी में ओहो हिल यात्रा टीम के साथ प्रबंधन।

कर उपस्थित अतिथियों को मंत्रमुग्ध किया। ओहो रेडियो के संस्थापक आरजे काव्य काउंसलर दिवेश शुक्ला, प्रियांक चतुर्वेदी, नीरज नेगी, दीपेंद्र गोसाईं, सौरभ झा आदि उपस्थित रहे। प्रबंध निदेशक भट्ट ने बताया कि उपरोक्त यात्रा सजग उत्तराखंड की चेतना जगाने का कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम में विद्यालय की डायरेक्टर प्रेमा भट्ट, प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरू, प्रशासनिक अधिकारी मनीष चंद, विक्टर आईवन, हरीश भट्ट, सुरेश ओली, दिगंबर भट्ट, अशोक जोशी, रूचि चौहान, नर सिंह कुंवर, मनीष ठाकुर, सुरेंद्र रावत, भरत बिष्ट, कल्पना चंद, ऊषा चौसाली, ऊषा भट्ट, शिल्पा सक्सेना, हेमलता बोरा, लिंसी त्यागी, वैष्णवी, रेनू उपाध्याय, चामू दानू मौजूद रहे।

खटीमा के नागरिक अस्पताल में लोगों को जानकारी देते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस पर विधिक शिविर

खटीमा : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस पर नागरिक अस्पताल में विधिक शिविर आयोजित किया गया। पैनल अधिवक्ता सहाना बेगम ने बताया कि 12 दिसंबर 2017 को अंतर्राष्ट्रीय सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस घोषित किया गया। शिविर का उद्देश्य है कि प्रत्येक व्यक्ति को हर जगह, सस्ती और उच्च स्वास्थ्य सेवा मिल सके। यह भी कहा कि यह दिवस स्वास्थ्य सामान्य सामाजिक सुरक्षा आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। पीएलवी आरबी सिंह राणा ने राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी दी। इस अवसर पर विमल कुमार, मीरा देवी आदि उपस्थित रहे।

वैश्य महासभा ने सौंपा ज्ञापन

काशीपुरः कुमारतनय वैश्य महासभा समिति की ओर से तमिलनाडु में भगवान कार्तिकेय (मुरुगन) मंदिर संबंधी विवाद पर राष्ट्रपति को संबोधित मांग पत्र एसडीएम अभय प्रताप सिंह को सौंपा गया। समिति ने शुक्रवार को सौंपे मांग पत्र में कहा कि तमिलनाडु स्थित भगवान कुमार कार्तिकेय (मुरुगन) मंदिरों में पारंपरिक दीपोत्सव 'आगि वेझा' से जुड़े विवाद व उसके संबंध में आए न्यायिक निर्णय का विरोध करने वाले तत्वों के विरुद्ध संज्ञान लेने और कार्रवाई की मांग की। कहा कि उच्च न्यायालय ने पूरी संवेदनशीलता एवं धार्मिक स्वतंत्रता के संवैधानिक प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए हिंदू समुदाय के पक्ष में संतुलित निर्णय सुनाया है।

70 किलो गौवंशीय मांस बरामद

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः गौकशी और अवैध गौमांस बिक्री की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत केलाखेड़ा क्षेत्र में गौवंश संरक्षण स्क्वाड ने बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने रत्ना मडैया वार्ड नंबर-आठ में छापेमारी कर करीब 70 किलोग्राम गौवंशीय मांस बरामद किया। मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जबकि मुख्य आरोपी फईम हफीज दीवार फांदकर फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार उप निरीक्षक पंकज बेलवाल अपनी टीम के साथ गोकशी रोकथाम अभियान पर निकले थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि वार्ड नंबर-8 में गौमांस की बिक्री की जा रही है। टीम तुरंत मुखबिर

पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

को साथ लेकर बताए गए स्थान पर पहुंची। मौके पर एक युवक मांस तोलते हुए दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन पुलिस ने उसे धर दबोचा। आरोपी ने अपना नाम सावेस पुत्र अनीश बताया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि गौमांस उसका चाचा फईम पुत्र हफीज लाया था और दोनों उसका वजन कर पैक कर रहे थे। पुलिस के अनुसार बरामद मांस को रंगीन चटाई पर रखा गया था, साथ ही तीन पारदर्शी पन्नियों में लगभग सात-सात किलो तथा दो काली पन्नियों में एक-एक किलो मांस रखा मिला। मौके से एक तराजू, एक किलो का बाट, एक चापड़, एक छूरी और लकड़ी का गुटका भी जब्त किया गया। सूचना पर पशुचिकित्साधिकारी डा.अंकित सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने बरामद मांस की जांच कर उसे गौवंशीय पशु का बताया। आरोपित के विरुद्ध धारा 3/5/11(1) गौवंश संरक्षण अधिनियम के तहत मामला पंजीकृत कर उसे गिरफ्तार कर लिया। वहीं पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी फईम के विरुद्ध पहले भी गौकशी के मामले दर्ज हैं।

महिला कर्मचारी से दो युवकों ने की छेड़छाड़

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः स्थानीय कार्यालय में कार्यरत एक महिला कर्मी ने दो युवकों पर छेड़छाड़, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। मामले में पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पीड़िता ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वर्ष 2024 में उसने बाजपुर डिग्री कॉलेज में बीकॉम प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया था। इसी दौरान सहपाठी युवक से उसकी जान-पहचान हुई, जिसने मोबाइल नंबर हासिल कर लिया। बाद में प्रोजेक्ट और कक्षा संबंधी जानकारी को लेकर दोनों का संपर्क बना रहा। पीड़िता ने बताया कि वह एक कंपनी आफिस में काम करने लगी, जहां आरोपित भी आता-जाता था। आरोप है कि काम के दौरान वह उससे अश्लील बातचीत करने की कोशिश करता था, जिसे वह लगातार टालती रही।

लगभग एक माह पहले एक दिन आरोपी ने उसे जबरन पकड़कर अश्लील हरकतें कीं। पीड़िता ने किसी तरह खुद को छुड़ाकर आरोपी की मां से शिकायत की। मां ने बेटे को डांटा, लेकिन बदनामी के डर से पीड़िता ने घटना को किसी के साथ साझा नहीं किया। इसके बाद से आरोपी उसे देख लेने की धमकी देता रहा।

कार्यक्रम

एक्शन एवं एसोसिएशन की अनूठी पहल, मौजूद अतिथियों ने की सराहना

विवाह में महिलाओं के सशक्तिकरण का दिया संदेश

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार : ब्लॉक गदरपुर के ग्राम दलीपनगर में नव युगल जोड़ी किरन व देवेंद्र सिंह धर्मशक्तू उर्फ दीपू ने सामाजिक व राजनैतिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका का परिचय देते हुए युवाओं को स्वयं अपने विवाह समारोह में महिलाओं के सशक्तिकरण व सम्मान के लिये कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013 को लेकर सार्थक सामाजिक व सकारात्मक बदलाव के लिए संदेश देकर विवाह उत्सव को खास बनाकर एक मिसाल कायम की गयी। इस दौरान मौजूद जनप्रतिनिधियों व अतिथियों एवं ग्रामीणों ने नव युगल

विवाह समारोह में नव युगल जोड़ी के साथ अतिथि। ● अमृत विचार

जोड़ी को बधाई देते हुए एक्शन एंड एसोसिएशन की सराहना की।

गदरपुर ब्लॉक के दलीपनगर गांव में भाजपा युवा नेता देवेंद्र सिंह धर्मशक्तू उर्फ दीपू व किरन की विवाह समारोह में कार्यस्थल पर एक्शन एंड एसोसिएशन की ओर से हीरा जंगपांगी रौतेला ने महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध और निवारण) अधिनियम 2013 को लेकर पोस्टर व पत्रिका के माध्यम चर्चा की। उन्होंने कहा कि जिसका उद्देश्य कार्यस्थल पर महिलाओं व लड़कियों का यौन उत्पीड़न रोकथान, निषेध और निवारण अधिनियम 2013 के प्रति जागरूक करना है। साथ ही निवारण तंत्र को मजबूत करना है। महिलाओं की कार्यस्थल पर सुरक्षा व सम्मान के बारे में जागरूकता बढ़ानी है। विधायक अरविंद पांडेय ने एक्शन एंड एसोसिएशन की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं के जागरूकता से घरेलू हिंसा एवं संरक्षण अधिनियम, 2005 (सुरक्षा), समान पारिश्रमिक अधिनियम (समान वेतन)और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (कार्यस्थल सुरक्षा) से मिलेगा। सहकारी समिति पूर्व अध्यक्ष भगत सिंह धर्मशक्तू ने कहा विवाह सिर्फ दो व्यक्तियों का मिलन नहीं है बल्कि प्रकृति और समाज के साथ जुड़वा का उत्सव होता है। उन्होंने अतिथियों को पर्यावरण का संदेश दिया। इस दौरान दूल्हा-दुल्हन ने अपनी शादी में कई सामाजिक कार्य का संदेश देते हुए कहा हमारा यह छोटा प्रयास पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी को दर्शाता है। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह पानू, एवरेस्ट पर्वतारोही पद्मश्री अवॉर्ड से सम्मानित लवराज सिंह धर्मशक्तू, पूर्व सूबेदार भगवत सिंह पांगती, पूर्व सैनिक देव सिंह धर्मशक्तू, समाजसेवी अनिल रौतेला, खुशाल सिंह बोरा, दान सिंह बड़ती, आनंद सिंह नयाल, भगवान सिंह पांगती, दान सिंह कार्की, पंकज धर्मशक्तू, बीएस पांगती, हरीश मेहता, जीवन त्रिपाठी, ललित खोलिया, चंचल सिंह देऊपा, दिनेश नयाल आदि मौजूद रहे।

स्थानीय ज्वैलर्स पर नकली सोना बेचने का आरोप लगा

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः एक विधवा महिला ने स्थानीय ज्वैलर्स पर नकली सोना बेचने और जमा किए गए पैसों व सामान देने से इन्कार करने का आरोप लगा कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम हरलालपुर निवासी रेनुका देवी पत्नी स्वर्गीय यशपाल सिंह ने पुलिस को बताया कि उसने 20 जुलाई 2018 को अपने पति के साथ बाजपुर में स्थित एक ज्वैलर्स से 4.260 ग्राम वजन की सोने की वाली खरीदी थी। बाद में जब उसने इस वाली की जांच करवाई तो वह नकली निकली। अगले दिन 21 जुलाई को वह ज्वैलर्स की दुकान पर पहुंची तो व्यापारी ने सामान वापस ले लिया और रसीद पर यह लिखकर दे दिया कि सामान जमा कर दूसरा पीस दिया जाएगा। पीड़िता के अनुसार वह इसी ज्वैलर्स के पास प्रतिमाह 2000 रुपये जमा कर 'कमेटी' भी चला रही थी, जिसकी पांच किश्तें वह जमा कर चुकी थीं। इस अवधि में उनके पति की तबीयत बिगड़ने लगी और हेपेटाइटिस-सी एवं लीवर रोग से जूझते हुए एक अस्पताल में निधन हो गया। बीमारी के दौरान पति अक्सर ज्वैलर्स से लिया गया सामान और जमा रकम के बारे में कह रहे थे, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण वह दुकान पर नहीं जा सकीं।

सटरिंग का काम करके मेहनताना मांगने पर धमकाने का आरोप

बाजपुर : सटरिंग का काम करके मेहनताना मांगने पर धमकाने का आरोप लगा पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम नंदपुर नरकाटोपा निवासी जाबिर ने पुलिस को बताया कि उसने एक व्यक्ति के यहां सटरिंग का कार्य किया था। पूरे कार्य का भुगतान 20 हजार रुपये तय हुआ था, जिसमें से उसे 10 हजार रुपये ही दिए गए। शेष 10 हजार रुपये के लिए कई बार मांग की, तो आरोप लगातार टालता रहा और पैसे न होने की बात कहता रहा। उसने अपने बेटे की कालेज की फीस जमा करने के लिए उसने आरोपित से 5 हजार रुपये मांगे। आरोप है कि पहले तो उसने मना कर दिया, बाद में मोबाइल से फर्जी ऐप का 3 हजार रुपये का भुगतान स्क्रीनशाट भेज दिया और दावा किया कि उसने पैसे भेज दिए हैं, लेकिन जब जाबिर ने अपना खाते की जांच की तो उसमें कोई राशि नहीं पहुंची थी।

ब्रीफ न्यूज

बच्चों को यातायात के नियम बताए, वाहन चेक किए

टनकपुर : एआरटीओ प्रवर्तन मनोज बमोरिया के नेतृत्व में गांव आमबाग में स्कूली बच्चों एवं शिक्षकों के साथ सड़क सुरक्षा जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इसमें बच्चों को सड़क पार करने के नियम, हेलमेट और सीटबेल्ट के उपयोग, गति नियंत्रण तथा आपातकालीन स्थिति में अपनाए जाने वाले उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विभिन्न ट्रैफिक संकेतों की भी जानकारी दी गई। वाहनों में लगे पैनिक बटन की जानकारी देते हुए संबंधित स्टिकर चिपकाए। एआरटीओ प्रवर्तन टीम ने एआरएम टनकपुर के साथ वाहनों की जांच भी की। इस दौरान ओवरलोडिंग, दस्तावेजों की अनुपालन स्थिति, यात्री सुरक्षा मानकों तथा अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की गई।

शिविर में विधिक सेवाओं की जानकारी दी

बाजपुर : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में इंटर कॉलेज बाजपुर में प्राधिकरण के सचिव योगेंद्र कुमार सागर के निर्देशन में जागरूकता एवं स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। अध्यक्षता डॉ. अशोक सिंह तोमर ने की। पराविधिक कार्यकर्ता मोहम्मद शहीद ने विद्यार्थियों को निशुल्क विधिक सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने 13 दिसंबर को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में बताया। डा. अशोक सिंह तोमर ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के महत्व बताया। शिविर में डा. आकांक्षा चौहान, परवीन निशा सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

गैंगस्टरों और नशा तस्करों की संपत्तियां होंगी जब्तः एसएसपी

पुलिस लाइन सभागार में हुई अपराध गोष्ठी में संपत्तियों का ब्यौरा खंगालने के दिए निर्देश

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पींचा ने शुक्रवार को पुलिस कार्यालय अल्मोड़ा सभागार में मासिक अपराध गोष्ठी के तहत अपराधों की कार्रवाई की समीक्षा की। एसएसपी ने गैंगस्टरों और नशा तस्करों पर शिकंजा कसते हुए संपत्तियों का ब्यौरा खंगालने के निर्देश दिए।

एसएसपी ने बीते माह के अपराधों की समीक्षा करते हुए लंबित विवेचनाओं, मुकदमों, शिकायतों, वारंट, नोटिस आदि का समय पर निस्तारण करने और वांछित अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए। वहीं, उन्होंने बताया कि गैंगस्टरों, नशा तस्करों और आदतन अपराधियों की संपत्तियों का ब्यौरा खगाला जा रहा है। जिससे जब्तीकरण की कार्रवाई अमल में लाई जा सके। साथ ही जनपद में संदिग्धों की तलाश करने के लिए सघन चेकिंग व वेरिफिकेशन ड्राइव चलाने व आपराधिक तथा संदिग्ध गतिविधियां मिलने पर कड़ी वैधानिक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया। महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों पर संवेदनशील होकर त्वरित कार्रवाई करने को कहा। इसके अलावा उन्होंने नशे के विरुद्ध जीरो टालरेन्स नीति अपनाते हुए अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, बिक्री व भण्डारण करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्ती से निपटने के निर्देश दिए। साथ ही एसएसपी ने जनपद के कोतवाल, थानेदारों को रात्रि गश्त करने वाले पुलिस, पीएसी, होमगार्ड जवानों को कड़ाके की ठंड से बचाने के लिये चाय और अलाव की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए।

अल्मोड़ा पुलिस लाइन में आयोजित अपराध गोष्ठी में मौजूद एसएसपी व अन्य।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मी सम्मानित

अपराध गोष्ठी के दौरान एसएसपी देवेंद्र पींचा ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कार्मिकों को सम्मानित किया। देघाट क्षेत्रान्तर्गत एक कार से 25.300 किलो गांजा बरामद कर अभियुक्त को गिरफ्तार करने, वहीं सल्ट क्षेत्र में संदिग्ध जैलेटिन रॉड मिलने के मामले में संलिप्त दो अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में थानाध्यक्ष देघाट अजेन्द्र प्रसाद और देघाट क्षेत्र से 86.032 किलो गांजा बरामद कर अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सराहनीय योगदान देने वाले कांस्टेबल नीरज बिष्ट को संयुक्त रूप से पुलिस ऑफिसर ऑफ द मंथ चुना गया। साथ ही पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इसके अलावा 25 अधिकारी, कर्मचारी गणों की कार्यों की सराहना कर प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया।

ये लोग रहे मौजूद

एसपी हरबन्स सिंह, सीओ रानीखेत विमल प्रसाद, सीएफओ नरेन्द्र सिंह कुंवर, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन रमेश चन्द्र, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रानीखेत अशोक धनकड़, निरीक्षक एलआईयू मनोज भारद्वाज, निरीक्षक दरबान सिंह मेहता, निरीक्षक दूरसंचार उमाशंकर पांडे, प्रभारी निरीक्षक जानकी भण्डारी, मदन मोहन जोशी, अशोक कुमार, विनोद जोशी, भुवन जोशी, सुनील सिंह बिष्ट, कश्मीर सिंह, अजेन्द्र प्रसाद, अवनीश कुमार, सतीश चन्द्र कापड़ी, प्रमोद पाठक, दिनेश नाथ महन्त, राहुल राठी, मोहित कुमार, महेश कश्यप, हीरा सिंह, दान सिंह मेहता आदि मौजूद रहे।

स्वाला के पास वाहनों पर गिरे पत्थर, बाल बाल बचे बाराती

टनकपुर : टनकपुर-पिथौरागढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्वाला के पास पहाड़ी के ट्रीटमेंट कार्य के दौरान हाईवे से गुजर रही बारात के दो मैक्स वाहनों में पत्थर गिरने से बडा हादसा टल गया। लोगों ने इस घटना के लिए निर्माण कार्य में लगी कंपनियों की लापरवाही को जिम्मेदार बताया है।

गुरुवार को चम्पावत के खर्ककार्की गांव से एक बारात अमोड़ी गई थी। दुल्हन के घर से बारात लौटने में रात हो गई। इस दौरान स्वाला डेंजर जोन के पास ट्रीटमेंट का कार्य चल रहा था। इस दौरान बारात के दो वाहनों में पत्थर गिर गए। एक वाहन आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही की बारातियों को चोट नहीं आई। बाराती गौरव कार्की ने आरोप लगाया कि उस समय ना तो कोई बैरिकेडिंग लगाई गई थी और न ही कोई व्यक्ति वहां खड़ा किया गया था। बारात के वाहन सड़क से निकल रहे थे उसी समय पोकलैंड मशीन ने नीचे मलबा गिरा दिया। बारातियों की निर्माण कार्य में लगे कंपनी के कर्मचारियों से तीखी बहस भी हुई। एनएच के अधिशासी अभियंता दीपक जोशी ने बताया कि शुक्रवार से निर्माण स्थल पर बैरिकेडिंग लगा दी है, साथ ही पुलिस की भी तैनाती की गई है।

खामियां मिलने पर जन औषधि केंद्र को बंद किया

अल्मोड़ा में टीम ने मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण किया। ● अमृत विचार

संवाददाता, अल्मोड़ा

- जिला अस्पताल के जन औषधी केंद्र में मिली अनियमितता
- निरीक्षण के दौरान सात अन्य मेडिकल स्टोर संचालकों को जारी किए नोटिस

अमृत विचारः सुरक्षित दवा सुरक्षित जीवन अभियान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और स्वास्थ्य विभाग की ओर से मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान मुख्यालय स्थित जिला अस्पताल के जन औषधी केंद्र में भारी अनियमितता मिलने पर स्टोर को बंद किया गया। वहीं, खामियां मिलने पर सात अन्य मेडिकल स्टोरों को नोटिस जारी किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव शचि शर्मा, ड्रग इंस्पेक्टर पूजा जोशी और डॉ. अरविंद पांगती के नेतृत्व में टीम ने बेस और जिला अस्पताल समेत कोसी के विभिन्न मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने एक्सपायर्ड दवाईयों के साथ ही संचालकों के लाइसेंस भी चेक किए गए। निरीक्षण के दौरान जिला अस्पताल में स्थित जन औषधी केंद्र में भारी अनियमितताएं पाई गई। जिस पर तुरंत जन औषधी केंद्र से क्रय-विक्रय बंद कर दिया गया। वहीं, सात मेडिकल स्टोरों में खामियों पर संचालकों को नोटिस जारी किया गया।

दिल्ली रैली की तैयारियों पर चर्चा

- कांग्रेस की बैठक में भाजपा पर लगाया वोट चोरी का आरोप

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार :भाजपा सरकार द्वारा कथित वोट चोरी और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में लगातार हो रही धांधलियों के विरोध में कांग्रेस की बैठक स्प्रिंग फील्ड में आयोजित हुई। इसमें दिल्ली में होने जा रही वोट चोर- गद्दी छोड़ रैली की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। बैठक में पूर्व विधायक, पूर्व अध्यक्ष एवं कांग्रेस वर्किंग कमेटी के विशेष आमंत्रित करन माहरा तथा कार्यक्रम प्रभारी रानीखेत विधानसभा दीप डांगी मौजूद रहे।

बैठक में वक्ताओं ने भाजपा सरकार पर चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने, मताधिकार से खिलवाड़ करने और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने के आरोप लगाते हुए कहा कि जनता अब पूरी तरह बदलाव के लिए तैयार है। कार्यक्रम का संचालन गोपाल सिंह देव ने किया तथा व्यवस्था का समन्वय कॉर्डिनेटर कुलदीप कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पीसीसी सदस्य कैलाश पांडे, चिलियानौला नगरपालिका अध्यक्ष अरुण रावत, भिकियासैंण नगर पंचायत अध्यक्ष दीपक बिष्ट, ज़िला पंचायत सदस्य नीमा कडाकोटी, महिला जिलाध्यक्ष गीता पवार, महिला नगर अध्यक्ष नेहा माहरा, यूथ विधानसभा अध्यक्ष अंकिता पंत, त्रिभुवन शर्मा, भिकियासैंण कांग्रेस अध्यक्ष कैलाश पंत, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष देवगिरी गोस्वामी, कार्यकारी अध्यक्ष पंकज जोशी, मीडिया प्रभारी सोनू सिद्दीकी, पंकज गुरुरानी, गीता माहरा, दीप उपाध्याय, विजय तिवारी, दीपक कडाकोटी, रुद्र माहरा आदि मौजूद रहे।

रानीखेत में कांग्रेस की बैठक को संबोधित करते पूर्व प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा।

टनकपुर बनबसा महायोजना 2041 के संबंध में हुई चर्चा

टनकपुर : नगर पालिका परिषद टनकपुर के सभागार में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा दिये गये निर्देशों के कम में पालिका अध्यक्ष विपिन कुमार की अध्यक्षता में स्कूल आफ प्लैनिंग एंड आर्किटेक्चर भोपाल, के डॉ. गौरव वैद्य द्वारा टनकपुर-बनबसा महायोजना 2041 के सम्बन्ध में चर्चा हुई जिसमें उनके द्वारा नगर क्षेत्र टनकपुर की मौलिक एवं भौतिक सुविधाओं के सम्बन्ध में चर्चा की गई। चर्चा के दौरान पालिकाध्यक्ष विपिन कुमार द्वारा नगर क्षेत्र टनकपुर में सीवर लाइन तथा मां पूर्णागिरि मेले में आने वाले तीर्थ यात्रियों को नगर क्षेत्र टनकपुर में रोके जाने के लिए प्रयास करने तथा यात्रियों की सुविधा के लिए बसों की पार्किंग सुविधा तथा यात्री सैड के निर्माण के सम्बन्ध में अपने सुझाव दिये गये एवं पालिका के सभासदों द्वारा भी टनकपुर के मास्टर प्लान के सम्बन्ध में सुझाव सम्बन्धित संस्था को दिये गये। बैठक में नगर क्षेत्र टनकपुर को निरन्तर विकास योजनाओं में आगे बढ़ाने के लिये पालिकाध्यक्ष एवं सभासदों द्वारा मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

मलिन बस्तियों का ड्रोन से करें सर्वेः जिलाधिकारी

- अल्मोड़ा में डीएम ने पुनर्वासन एवं पुनर्व्यस्थापन की बैठक ली
- विनियमितीकरण की प्रक्रियाएं प्रारंभ करने के भी दिए निर्देश

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः नगरीय क्षेत्रों में अवस्थित मलिन बस्तियों के सुधार, विनियमितीकरण, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यस्थापन के संबंध में डीएम अंशुल सिंह ने बैठक ली। उन्होंने मलिन बस्तियों के विनियमितीकरण संबंधी नियमावली के अनुसार कार्रवाई प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार मलिन बस्तियों के पुनर्स्थापन और विनियमन के लिए आवश्यक प्रक्रियाएं संपन्न की जानी हैं। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्रांतर्गत जितनी भी मलिन बस्तियां हैं, उनका ड्रोन सर्वे किया जाए और एक-एक परिवार का चिन्हीकरण कर लिया जाए। जो परिवार विनियमितिकरण के दायरे में हैं, उनके विनियमितिकरण की प्रक्रियाएं प्रारंभ कर दी जाएं। डीएम ने कहा कि यह भी सर्वे किया जाए, कि मलिन बस्तियों में रह रहे लोगों के घर किस श्रेणी की भूमि पर अवस्थित हैं। नियमानुसार इसको श्रेणीबद्ध किया जाए। मलिन बस्तियों में निवासरत सभी परिवारों का विवरण एकत्र कर लिया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि यह भी चिन्हीकरण कर लिया जाए कि कौन कौन से परिवार मालिकाना हक प्राप्त करने के पात्र हैं। कहा कि यह सभी कार्य आगामी 15 दिन में संपन्न किए जाएं। जिससे अग्रिम कार्रवाई की जा सके। यहां बैठक में सीडीओ रामजी शरण शर्मा, एडीएम युक्ता मिश्र, एडीएम सदर संजय कुमार, सहायक नगर आयुक्त लक्ष्मण सिंह भंडारी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

73 परिवारों का मलिन बस्ती में चिन्हीकरणः बैठक में सहायक नगर आयुक्त नगर निगम लक्ष्मण सिंह भंडारी ने बताया कि अल्मोड़ा नगर में ही मलिन बस्तियां हैं। नगर में कुल 73 परिवारों का मलिन बस्ती में चिन्हीकरण किया गया है। उन्होंने बताया कि एनटीडी क्षेत्र में 13, पातालदेवी क्षेत्र में 40, राजपुरा में चार व गडेशी गैर में 16 परिवार मलिन बस्ती के रूप में निवासरत हैं।

अल्मोड़ा में शुक्रवार को डीएम ने विनियमितीकरण, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यस्थापन की बैठक ली। ● अमृत विचार

जल विद्युत परियोजना होगी पुनर्जीवित

- परियोजना के पुनरुद्धार के लिए 119.97 लाख रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति

संवाददाता, चम्पावत

अमृत विचारः सप्तेश्वर जल विद्युत परियोजना को पुनर्जीवित करने की मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा अब मूर्त रूप लेने लगी है।

मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने उरेडा (उत्तराखंड रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी) द्वारा संचालित इस महत्वपूर्ण परियोजना के पुनर्उद्धार के लिए 119.97 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। जिसमें सिविल कार्य, इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल अपग्रेडेशन तथा विद्युत पारेषण लाइन का सुदृढ़ीकरण शामिल हैं। कुल स्वीकृत धनराशि में से 71.982 लाख रुपये प्रथम किश्त के रूप में जारी कर दिए गए हैं, जिससे लंबे समय से पुनर्जीवन की प्रतीक्षा कर रही यह परियोजना अब तेजी से क्रियान्वयन की ओर बढ़ सकेगी। चम्पावत मुख्यालय से लगभग 20 किमी दूर स्थित सप्तेश्वर जल विद्युत परियोजना के पुनरुद्धार से स्थानीय स्तर पर स्वच्छ और ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि होगी, बिजली आपूर्ति अधिक बनेगी, सीमांत क्षेत्रों में ऊर्जा अवसंरचना सुदृढ़ होगी और जनपद ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाएगा। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि जनपद में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने और सीमांत क्षेत्रों के सतत विकास को गति देने की दिशा में यह अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रशंसनीय निर्णय है, इससे स्थानीय ऊर्जा आपूर्ति और अवसंरचना में व्यापक सुधार सुनिश्चित होगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय चम्पावत को 'आदर्श जनपद 2030' के लक्ष्य की ओर और अधिक दृढ़ता व गति के साथ अग्रसर करेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

अल्मोड़ा के नंदा देवी में बैठक में मौजूद सस्ता गल्ला विक्रेता। ● अमृत विचार

केवाईसी के नाम पर जबरन दबाव बनाने का आरोप

अल्मोड़ा : बकाया भुगतान समेत तमाम मांगों को लेकर पर्वतीय सस्ता गल्ला विक्रेता संघ मुखर हो गया है। शुक्रवार को विक्रेताओं ने बैठक कर बकाया भुगतान देने की मांग उठाई। वहीं, विभाग पर केवाईसी के लिए जबरन दबाव बनाने का आरोप लगाया। नगर के नंदादेवी मंदिर परिसर में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि विभाग की ओर से बकाया जल्द बकाया भुगतान की बात कहीं गई थी, लेकिन अब तक भुगतान नहीं हुआ है। जिससे विक्रेताओं में भारी रोष व्याप्त है। कहा कि विभाग की ओर से जबरन डीलरों पर केवाईसी के नाम पर दवाब बनाया जा रहा है। वहीं, राशन तोलने के लिए लगाए तराजू में भी सही मानक नहीं आ रहे हैं। जिलाध्यक्ष संजय साह, दिनेश गोयल, केसर खनी, मनोज वर्मा, अभय साह, हेम पांडे, बिंदेश्वरी, लक्ष्मी दत्त, विपिन तिवारी, सुरेश, दीपक साह, संदीप नंदा समेत कई विक्रेता मौजूद रहे।

औषधीय पौधों की खेती के लाभ बताए

- जीबी पंत संस्थान की ओर से खूंट में आयोजित हुई कार्यशाला
- पौधों की खेती से होने वाले प्राकृतिक, आर्थिक लाभ भी बताए

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान की ओर से खूंट गांव में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने ग्रामीणों को औषधीय पौधों की खेती का प्रशिक्षण देने के साथ ही खेती से होने वाले लाभों के बारे में भी जानकारी दी।

कार्यशाला में परियोजना अन्वेषक डॉ. सतीश चंद्र आर्य ने परियोजना में चयनित प्रजातियों की खेती से होने वाले प्राकृतिक व आर्थिक लाभों के बारे में बताया। वहीं, मास्टर ट्रेनर संतोष सिंह ने किसानों के हर्बल संस्थान में पंजीकरण करने के बारे में जानकारी दी।

सहायक परियोजना अन्वेषक डॉ. आशीष पांडेय ने प्रजातियों की देखभाल, रोपण, सिंचाई, उपयोग, बाजार मूल्य, उत्पाद पर ग्रामीणों को प्रशिक्षण दिया। यहां सहायक खंड विकास अधिकारी रमेश सिंह कनवाल, सहायक विकास अधिकारी नवीन चंद्र पंतोला, ग्राम प्रधान विजय कुमार, दीप तिवारी, दिव्या नेगी, भास्कर बिष्ट, संजीव कुमार, मनीषा बिष्ट, हरिप्रिया, कमल समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे।

जीबी पंत संस्थान की ओर से खूंट में कार्यक्रम हुआ। ● अमृत विचार

चम्पावत में मेधावी छात्र तेजस अधिकारी को सम्मानित करते डीएम मनीष कुमार।

क्विज में प्रथम रहे तेजस को डीएम ने किया सम्मानित

चम्पावत : पिथौरागढ़ जनपद के डीडीहाट डायट में आयोजित राज्य स्तरीय सामाजिक विज्ञान महोत्सव (क्विज प्रतियोगिता) में प्रथम स्थान प्राप्त कर जनपद का नाम रोशन करने वाले अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कालेज बाराकोट के कक्षा सातवीं के छात्र तेजस अधिकारी को जिलाधिकारी मनीष कुमार ने सम्मानित किया। होनहार छात्र तेजस को शुक्रवार को चम्पावत जिला सभागार में सम्मानित करते हुए डीएम ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। साथ ही जिलाधिकारी ने तेजस के पिता दयाल सिंह अधिकारी को भी शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। तेजस ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को देते हुए बताया कि वह बड़े होकर डेटा साइंटिस्ट बनना चाहते हैं। उनकी इस प्रतिभा, लगन और लक्ष्य को सभी अधिकारियों ने सराहा। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी कृष्णनाथ गोस्वामी, जिला शिक्षा अधिकारी मान सिंह, विद्यालय के प्रधानाचार्य आशीष ओली सहित आदि मौजूद रहे।

खतरा — ग्राम दियोहरी में ग्रामीणों के घरों के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन

एचटी लाइन हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः ग्राम दियोहरी के ग्रामीणों ने घरों के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईवोल्टेज विद्युत लाइन को हटाने की मांग को लेकर शुक्रवार को तहसील परिसर में जोरदार प्रदर्शन कर धरना दिया। ग्रामीणों का कहना है कि यह लाइन उनके घरों के बिल्कुल ऊपर से होकर गुजर रही है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।

धरना उत्तराखंड वाल्मीकि दलित समाज सुधार संगठन के अध्यक्ष अनिल वाल्मीकि के नेतृत्व में आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि ग्रामीण कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन समस्या के समाधान की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने कहा कि विद्युत लाइन से लगातार खतरा बना हुआ है और ग्रामीण भय के माहौल में जीने को मजबूर हैं। अनिल वाल्मीकि ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही बिजली लाइन को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित नहीं किया गया, तो संगठन व्यापक आंदोलन की रूपरेखा तैयार करेगा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विभाग की लापरवाही से क्षेत्र में दुर्घटना की आशंका बनी हुई है और विभाग स्थिति की गंभीरता को नजरअंदाज कर रहा है। धरने में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे, जिनमें सुमन, संजीव, आशा, रेनू, पिंकी, लक्ष्मी, प्रेमवती, रश्मि, रेखा, कन्यावती, जमना, गीता देवी, रामवती, मुन्नी, अनिता, पूनम, विमल, मीरा, राखी, प्रीति, निशा, खुशी, काजल, नरेश, महेश, गोविंद, जितेंद्र, राजू, धर्मवीर, प्रदीप, अयाज, आशु, अनिल, राजपाल, रामपाल, राजकुमार, उदय कुमार सहित अनेक लोग शामिल थे। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग की है।

बाजपुर तहसील परिसर परिसर में धरना देते ग्रामीण। ● अमृत विचार

कांग्रेस में शामिल नंदा बल्लभ बगौली का स्वागत करते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

पूर्व ज्येष्ठ उप प्रमुख नंदा बल्लभ बगौली कांग्रेस में शामिल

लोहाघाट : बाराकोट ब्लाक के पूर्व ज्येष्ठ उप प्रमुख नंदा बल्लभ बगौली कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। विधायक खुशाल सिंह अधिकारी के क्षेत्र भ्रमण में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ली। उनके साथ कोठेरा के ग्राम प्रधान भगवान सिंह सहित कई अन्य लोग भी कांग्रेस में शामिल हुए। कांग्रेस में शामिल होने के बाद बगौली ने कहा कि भाजपा सरकार में जनता की सुनने वाला कोई नहीं है। राज्य में बेरोजगारी, भ्रष्ट्राचार बढ गया है, लोग मूलभूत सुविधाओं से दूर हो गए हैं। शुक्रवार को विधायक अधिकारी ने विकास खंड बाराकोट के कोठेरा, धरगड़ा, पट्यूड़ा क्षेत्र का दौरा कर जन समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस में शामिल लोगों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम में निर्मल नाथ, विनोद सिंह, संजय जोशी, प्रहलाद नाथ, विजय नाथ, सुभाष रावत, खुशाल रावत, भवान राम आदि मौजूद रहे।

धर्म एक ही है, यद्यपि उसके सैकड़ों संस्करण हैं।
–जार्ज बर्नाड शा, आइरिश विचारक

अवसर और चुनौती

मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण किसी भी चुनाव की विश्वसनीयता की रीढ़ है। मुख्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों की मांग पर चुनाव आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और विविधतापूर्ण राज्य में एसआईआर की समय सीमा दो सप्ताह बढ़ाने का फैसला भले सरल प्रशासनिक निर्णय प्रतीत हो, पर इसके प्रभाव बहुत व्यापक और बहुस्तरीय हैं। मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने का लक्ष्य जितना आवश्यक है, उतना ही कठिन भी और इसीलिए यह समय वृद्धि महत्वपूर्ण अवसर के साथ चुनौती भी है।

यह तो बहुत स्पष्ट है कि यदि इसका उपयोग पूरी गंभीरता से हो तो इस अतिरिक्त समय का मतदाता सूची की शुद्धता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। प्रदेश के सभी जिलों से मिली रिपोर्टें संकेत देती हैं कि फील्ड सत्यापन में कई क्षेत्रों में देरी थी, कुछ स्थानों पर अनुपस्थित मतदाताओं की पहचान अपूर्ण थी और मृतक मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया भी धीमी चल रही थी। दो सप्ताह का अतिरिक्त समय इन खामियों को दूर करने का अवसर देगा और इससे सूची की शुद्धता में उल्लेखनीय सुधार आ सकता है। विशेषकर घनी आबादी वाले जिलों, शहरी स्लम क्षेत्रों, प्रवासी मज़दूरों के अंचलों और बाढ़-सूखा प्रभावित इलाकों में, जहां सत्यापन सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण है। इस समयवृद्धि से एसआईआर में लगे अधिकारियों व कर्मचारियों को राहत मिलेगी। एक सवाल यह भी है कि क्या इतनी विशाल जनसंख्या वाले सूबे में अधिकारी और समय की मांग कर सकते हैं? संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। हर विधानसभा क्षेत्र में 8–10 प्रतिशत मतदाता अनुपस्थित हैं। ये वो लोग हैं जो या तो दूसरे राज्यों में काम करते हैं, या स्थानांतरित हो चुके हैं, या पता बदल चुके हैं। यदि इनका सत्यापन अधूरा रह गया, तो स्थिति चुनावी गड़बड़ियों और फर्जी मतदान की आशंका को बढ़ा सकती है, क्योंकि फर्जी वोटिंग और मृत मतदाताओं के नाम से मतदान की आशंकाएं अब भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं।

मुख्यमंत्री का यह बयान कि विपक्ष मृत या अनुपस्थित नामों पर वोट अपने खाते में डलवा सकता है, राजनीतिक चेतावनी भी है और प्रशासनिक सावधानी भी। सिद्धांततः यह संभव तो है, पर तभी जब सूची में कमियां रह जाएं। तकनीकी निगरानी और आधार-लिंकिंग के बावजूद, यदि फील्ड स्तर पर ढील हुई तो यह खामी चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। अतः यह बयान अधिकारियों पर यह दबाव भी डालता है कि कोई चूक न रह जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं जिलों में अधिकारियों को फील्ड में जाकर गायब, विस्थापित और अनुपस्थित मतदाताओं की खोज का आदेश दिया है। घुसपैठियों को मतदाता सूची से दूर रखने के लिए 'डोर-टू-डोर सत्यापन, डिजिटल फॉर्मों की ट्रैकिंग, आधार-मतदाता फोटो क्रॉस-मैचिंग, और संदिग्ध इलाकों की विशेष जांच करवानी आवश्यक होगी। कुल मिलाकर इस बढ़े समय का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा जब प्रशासनिक मशीनरी में जवाबदेही बढ़े, तकनीकी तथा फील्ड- दोनों स्तरों पर सत्यापन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। मतदाता सूची चुनाव की नींव है। नींव मजबूत होगी तो लोकतंत्र भी ताकतवर होगा।

प्रसंगवश

कालबेलिया बेटियों ने बदली रूढ़िवादी सोच

कालबेलिया समाज की कहानी जितनी रंगीन दिखाई देती है, उसकी परतों में उतना ही गहरा दर्द, उपेक्षा और संघर्ष छिपा हुआ है। यह वही समाज है, जहां कभी बेटी का जन्म होना स्वयं में एक बोझ समझा जाता था। गरीबी, आजीविका के अभाव और सामाजिक असुरक्षा ने इस सोच को इतना गहरा बना दिया था कि कई बार बेटियों को जन्म लेते ही मार दिया जाता था। यह कोई सामाजिक परंपरा नहीं थी, बल्कि हालात की मजबूरी और पितृसत्तात्मक मानसिकता का परिणाम थी। समाज में यह धारणा गहरे तक बैठ चुकी थी कि बेटा वंश का वाहक है, कमाने वाला है और बुढ़ापे का सहारा बनेगा, जबकि बेटी पराया धन है, जिसे पाल-पोसकर अंततः दूसरे घर भेज देना है। इसी असमान सोच ने लैंगिक भेदभाव को जन्म दिया, जिसकी कीमत कई मासूम बेटियों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। आय के स्थायी साधन के अभाव ने इस सोच को और मजबूत किया।

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

कालबेलिया समुदाय परंपरागत रूप से घुमंतू रहा है। उनके डेरे एक स्थान से दूसरे स्थान तक लगते रहे और जीवन सांप पकड़ने, बीन बजाने, जहर निकालने, सुरमा बनाने और तमाशा दिखाने के इर्द-गिर्द घूमता रहा। महिलाएं घर-घर जाकर भिक्षा मांगती थीं और उसी से परिवार का पेट पलता था। ऐसे अस्थिर जीवन में बेटियों का पालन-पोषण, उनकी शिक्षा और विवाह का खर्च परिवार के लिए बोझ बन चुका था। यही कारण था कि समाज में लड़कियों की संख्या लगातार घटती जा रही थी और इसकी भरपाई के लिए लड़के वालों को पैसा देकर शादी करने जैसी परंपरा भी पनपने लगी, जिसमें लड़की स्वयं एक सौदे का हिस्सा बन गई। एक स्त्री, जो जीवन देती है, उसी की जिंदगी सस्ती कर दी गई।

साल 1972 में जब वन्य जीव संरक्षण अधिनियम लागू हुआ और सांप पकड़ने तथा उनके प्रदर्शन पर रोक लगी, तब कालबेलिया समुदाय की जीवनशैली एकदम बदल गई। रोजगार का मुख्य साधन छिन गया और सबसे ज्यादा असर महिलाओं पर पड़ा, जो पहले से ही हाशिए पर थीं। यही संकट उनके लिए एक अवसर भी बनकर आया। महिलाओं ने अपनी पारंपरिक नृत्य शैली को अपनाया, उसे सहेजा और मंचों तक पहुंचाया। कालबेलिया नृत्य, जो कभी सिर्फ समुदाय के भीतर सीमित था, अब सात समुंदर पार अपनी पहचान बना चुका है। इसकी विशिष्ट लय, भाव-भंगिमा और पारंपरिक वेशभूषा ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। अंततः इस नृत्य को यूनेस्को द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल कर लिया गया।

यह गौरवपूर्ण पल पूरे भारत के लिए महत्वपूर्ण था, लेकिन इसके पीछे जिन हाथों की मेहनत और साधना थी, वे हाथ स्त्रियों के थे। उन्हीं स्त्रियों के, जिन्हें कल तक मंच पर आने की इजाजत नहीं थी, जिन्हें पर्दे और परंपराओं में कैद करके रखा गया था। गुलाबो सपेरा जैसी कलाकार को पद्मश्री मिलना और ममता जोगी का आईएएस अधिकारी बनना इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर महिलाएं किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल कर सकती हैं। आज कई कालबेलिया महिलाएं नृत्य के साथ-साथ सिलाई, कढ़ाई, हस्तशिल्प और छोटे व्यवसायों से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रही हैं और अपने परिवार की आर्थिक रीढ़ बन चुकी हैं।

कालबेलिया समाज की महिलाएं एक विरोधाभास की तरह हैं। वे संस्कृति की वाहक भी हैं और उसी संस्कृति की बंदिशों की शिकार भी। उनके नृत्य को विश्व मंच पर सराहा जाता है, लेकिन उन्हें अपने गांव और समाज में बराबरी का दर्जा नहीं मिलता।

अरावली पहाड़ियों पर बढ़ता संकट व सुप्रीम कोर्ट

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की सिफारिश पर अरावली पर्वत श्रृंखला की जो 'नई परिभाषा' दी है, उससे दिल्ली ही नहीं पंजाब तक रेगिस्तान का विस्तार होने की संभावना जताई जा रही है।

जिस सुप्रीम कोर्ट ने दो दिन पहले टिप्पणी की थी कि अरावली पहाड़ को लोगों ने आपस में बांट लिया है और पचास हजार रुपये महीने की घूस दे कर यहां की जगह पर खनन चल रहे हैं, उसी अदालत ने केंद्र सरकार की सिफारिश पर अरावली पर्वत श्रृंखला की जो 'नई परिभाषा' दी है, उससे दिल्ली ही नहीं पंजाब तक रेगिस्तान का विस्तार होने की संभावना जताई जा रही है। अदालत का मानना था कि स्थानीय जमीन से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंची पहाड़ियों को ही 'अरावली' माना जाए। यानी इससे कम ऊंचाई के पहाड़ों पर खनन के रास्ते खुल गए हैं।

भू वैज्ञानिक डॉ. उमर सैफ की मानें तो कभी अरावली का विस्तार शिवालिक तक हुआ करता था और यमुना के कटाव से लाखों साल पहले यह श्रृंखला दिल्ली के रायसीना पहाड़ पर आकर बंट गई। लगातार इसके नैसर्गिक स्वरूप से छेड़छाड़ ने इसके मूल स्वभाव– पाकिस्तान की तरफ से आने वाली गरम हवा और बालू को रोकने की दीवार, में रास्ता बना दिया और इससे रेगिस्तान के हौले-हौले कदम बढ़ने की संभावना है। अरावली दो तरह से देश के बड़े हिस्से को गर्मी और अंधड़ से बचाता रहा है। इसके ऊंचे शिखर हवा के साथ बह कर आने वाले पीएम 2.5 कणों को रोकते हैं तो 30 मीटर तक की नीची पहाड़ियां भारी रेत और धूल के कणों को रोकती हैं।

एफएसआई की रिपोर्ट के मुताबिक, 10 से 30 मीटर ऊंची छोटी पहाड़ियां भी तेज हवाओं को उसके साथ आने वाली रेत को थामने में सक्षम होती हैं। चूंकि अरावली का 90 प्रतिशत हिस्सा 100 मीटर से कम ऊंचाई का है और अब वहां खनन होगा ही, सो रेगिस्तान से उड़ने वाली धूल सीधे दिल्ली और इंडो-गैंगेटिक मैदानों (एनसीआर) तक पहुंचेगी। यह किसी से छिपा नहीं हैं कि अभी तक अरावली ने मरू भूमि के विस्तार को थामने में निर्णायक भूमिका निभाई है। यही नहीं मानसून के पानी भरे बादलों को दिशा देने में इस पर्वत श्रृंखला के मध्यम ऊंचाई वाले पहाड़ों की भूमिका रही है और अब इन पहाड़ियों के गायब होने की दशा में उत्तर-पश्चिम भारत में बरसात के स्वभाव में बदलाव आ सकता है।

पहले से ही बढ़ते तापमान से तंग इन इलाकों में 'गरम-द्वीप' का विस्तार छोटे कस्बों तक हो सकता है। रेत की आंधियां कृषि भूमि को बंजर बना देंगी, जिससे किसानों की आजीविका खतरे में पड़ जाएगी। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 'अर्थ साइंस इंफोरमैटिक्स' में प्रकाशित एक शोध में पहले ही चेतावनी दी जा चुकी है कि अरावली पर्वतमाला में पहाड़ियों के गायब होने से राजस्थान में रेत के तूफान में वृद्धि हुई है। भरतपुर, धोलपुर, जयपुर और चित्तौड़गढ़ जैसे स्थान, जहां अरावली पर्वतमाला पर अवैध खनन, भूमि अतिक्रमण और हरियाली उजाड़ने की अधिक मार पड़ी है, को सामान्य से अधिक रेतीले तूफानों का सामना करना पड़ रहा है।

केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के पर्यावरण विज्ञान के प्रोफेसर एलके शर्मा और पीएचडी स्कॉलर आलोक राज द्वारा किए गए इस अध्ययन का शीर्षक है, 'एसेसमेंट ऑफ़ लैंड यूज़ डायनामिक्स ऑफ़ द अरावली यूजिंग इंटीग्रेटेड'। दिल्ली, राजस्थान के गैर मरुस्थलीय जिलों और हरियाणा का अस्तित्व भी अरावली पर टिका है और अरावली को नुकसान का अर्थ है कि अन्न के कटोरे पंजाब तक बालू के धोरों का विस्तार। रेत के बवंडर खेती और हरियाली वाले इलाकों तक न पहुंचें इसके लिए सुरक्षा-परत या शील्ड का काम हरियाली और जल-धाराओं से संपन्न अरावली पर्वतमाला सदियों से करती रही हैं।

इसरो का एक शोध बताता है कि थार रेगिस्तान अब राजस्थान से बाहर निकल कर कई राज्यों में जड़ें जमा रहा है। सनद रहे कि भारत के राजस्थान से सुदूर पाकिस्तान व उससे आगे तक फैले भीषण रेगिस्तान से हर दिन लाखों टन रेत उड़ती है। खासकर गर्मी में यह धूल पूरे परिवेश में छा जाती है। मानवीय जीवन पर इसका दुष्परिणाम ठंड में दिखने वाले स्मॉग से अधिक होता है। विडंबना है कि बीते चार दशकों में यहां मानवीय हस्तक्षेप और खनन इतना बढ़ा कि कई स्थानों पर पहाड़ की श्रृंखला की जगह गहरी खाई हो गई और एक बड़ा कारण यह भी है कि अब उपजाऊ जमीन पर रेत की परत का विस्तार हो रहा है।

गुजरात के खेड ब्रह्म से शुरू हो कर कोई 692 किलोमीटर तक फैली अरावली पर्वतमाला का विसर्जन देश के सबसे ताकतवर स्थान रायसीना हिल्स पर होता है, जहां राष्ट्रपति भवन स्थित है। अरावली पर्वतमाला को तकरीबन 65 करोड़ साल पुराना माना जाता है और इसे दुनिया के सबसे प्राचीन पहाड़ों में एक गिना गया है। ऐसी महत्वपूर्ण प्राकृतिक संरचना का बड़ा हिस्सा बीते चार दशक में पूरी तरह न केवल नदारद हुआ, बल्कि कई जगह उतुंग शिखर की जगह डेढ़ सौ फुट गहरी खाई हो गई। असल में अरावली पहाड़ रेगिस्तान से चलने वाली आंधियों को रोकने का काम करते रहे हैं, जिससे एक तो मरुभूमि का विस्तार नहीं हुआ, दूसरा इसकी हरियाली, साफ हवा और बरसात का कारण बनती रही।

एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका में छपी रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दो दशकों में कई अन्य पहाड़ियों के अलावा, ऊपरी अरावली पर्वतमाला की हरियाणा और उत्तरी राजस्थान में कम और मध्य उंचाई की कम से कम 31 पहाड़ियां पूरी तरह गायब हो गई हैं। ऊपरी स्तर पर पहाड़ियों का गायब होना नरैना, कलवाड़, कोटपुतली, झालाना और सरिस्का में समुद्र तल से 200 मीटर से 600 मीटर की ऊंचाई पर दर्ज किया गया था। सन 1975 से 2019 के दौरान किए गए अध्ययन में, यह पता चला कि वन क्षेत्र में सघन बस्तियां बस जाना, पहाड़ियों के गायब होने के प्रमुख कारणों में से एक थे।

आमने सामने

चुनाव के दौरान, भाजपा महिलाओं को डराने के लिए सेंट्रल फोर्स का इस्तेमाल करना चाहती है। अगर आपके नाम हटा दिए जाएं तो क्या आपमें लड़ने की ताकत है? महिलाओं को एसआईआर पर लड़ाई लीड करनी चाहिए और पुरुषों को पीछे से लड़ना चाहिए। –ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

बंगाल में डिटेंशन कैंप की कोई जरूरत नहीं है। हम बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों को बाहर निकाल देंगे। केवल भारतीय यहां रहेगा, चाहे हिंदू हो या मुस्लिम, लेकिन यहां एक भी बांग्लादेशी मुस्लिम नहीं रहेगा।
–शुभेंदु अधिकारी
नेता प्रतिपक्ष, पश्चिम बंगाल

समलैंगिकता पर भी जुबां खोलने की जरूरत

अजय दयाल
वरिष्ठ पत्रकार

ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जब लड़का-लड़की विपरीत लिंग के प्रति आकर्षित ही नहीं होते। पता होने के बावजूद घरवाले उनकी शादी करा देते हैं। बाद में आने वाली समस्याएं परिवारों को तोड़ देती हैं।

शारीरिक खामियों को छिपा कर या नासमझी में शादी तो हो जाती है, बाद में पति-पत्नी और संबधित परिवारों को भुगतना पड़ता है। हाल ही की घटना है एक लड़की की शादी संपन्न परिवार के हैंडसम कमाऊ लड़के से होती है। विवाह के कुछ माह बाद ही अचानक उनके रिश्तों में दरार आने लगती है। नौबत ऐसी आ जाती है कि बात अदालत तक पहुंचती है और विवाह शून्य करार दे दिया जाता है। लड़का पत्नी के प्रति आकर्षित ही नहीं होता। कुछ दिन लड़की पति को समझाने की कोशिश करती है, लेकिन उसे यह समझने में ज्यादा दिन नहीं लगते कि उसके पति में स्त्री के प्रति यानी विपरीत लिंग के प्रति आकर्षण ही नहीं है। बाद में पति ने स्वीकारा भी कि वह होमो सैक्सुअल (गे) है और उसका विपरीत लिंग में कोई रुचि व आकर्षण नहीं है। बाद में लड़के की हुई मेडिकल जांच में भी उसके होमो सेक्सुअल होने की हकीकत सामने आ गई। इसकी वजह से लड़की और उसके परिवारीजनों को भारी मानसिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा।

इस केस में कोर्ट ने माना कि लड़के के होमो सेक्सुअल होने के कारण और पति-पत्नी के बीच संबंध स्थापित होने में अक्षम रहने के कारण विवाह की मंशा समाप्त हो गई। इन परिस्थितियों में दोनों के बीच संपन्न हुए हिंदू विवाह को शून्य घोषित करने के अलावा अन्य कोई विकल्प शेष नही है।। यह सच्ची घटना एक बानगी भर है, ऐसे उदाहरण तमाम हैं, जहां संतान की शारीरिक खामियों को छिपा कर या नासमझी में मां-बाप शादी तो कर देते हैं और बाद में पति-पत्नी और संबधित परिवारों को भुगतना पड़ता है।

लखनऊ की भुक्तभोगी लड़की आज जिस समस्या का सामना कर रही हैं, उसी तरह की समस्या का सामना कई महिला-पुरुष कर रहे हैं। अरेंज मैरेज में अक्सर सोशल प्रेशर की वजह से लड़का और लड़की के ऊपर कम मिलने और कम बात करने की जो पाबंदियां लगाई जाती हैं, उसका नतीजा यह होता है कि लड़का और लड़की समझ ही नहीं पाते हैं कि उनका होने वाला जीवनसाथी कैसा है।

ऐसे कई केस और भी हैं कि लड़का और लड़की अपने विपरीत लिंग के लोगों के प्रति आकर्षित ही नहीं होते हैं और घर वालों को यह बात पता भी होती है, तब भी वे उनकी शादी करा देते हैं। इससे केवल लड़का या लड़की की जिंदगी बरबाद नहीं होती, बल्कि उन सब की हो जाती है, जो करीबी होते हैं। सवाल यह उठता है कि आखिर क्या वजह है कि शादी और विपरीत लिंग के पसंद और नापसंद से जुड़े मामलों में हम खुलकर बात ही नहीं कर पाते!

बीते दिनों महाराष्ट्र के वर्धा शहर से एक खबर आई, जिसमें शादी के पांच साल बाद लड़की को पता चला कि उसका पति तो होमो सेक्सुअल है। अब लड़की और उसके घरवाले खुद को ऐसी स्थिति में महसूस कर रहे थे कि वो करें तो करें क्या? लड़के के घर वालों ने भी यह बात उनसे छुपाई। सोसाइटी के प्रेशर में दोनों ही पक्ष मुंह बंद करके रह गए और बस इतना ही कह पाए कि लड़का और लड़की में बनी नहीं तो तलाक करना पड़ा।

कुछ साल पहले एक सत्र अदालत ने एक व्यक्ति की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी, जिसने कथित तौर पर शादी से पहले अपनी यौन प्रवृत्ति का खुलासा न करके एक महिला को धोखा दिया था। अदालत को बताया गया कि पति यानी आरोपी ने शादी से पहले महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाया क्योंकि वह समलैंगिकता में लिप्त था। इस तरह उसने शिकायतकर्ता पत्नी के साथ धोखाधड़ी की। उसने उसका जीवन और भविष्य बर्बाद कर दिया।

हाल ही में गोरखपुर से भी ऐसा मामला सामने आया। वहां दुल्हन शादी के सिर्फ तीन दिन बाद ससुराल से अपने घर लौट गई। चार दिन बाद पंचायत हुई और उसने तलाक का नोटिस भेज दिया। इसमें लिखा- 'मैं ऐसे व्यक्ति के साथ अपना जीवन नहीं जी सकती, जो शारीरिक रूप से अक्षम है। यह बात सुहागरात पर पति ने मुझे खुद ही बताया।' पंचायत में लड़की के परिवारवालों ने दो तरह के आरोप लगाए। एक- आपने धोखे से अपने बेटे से शादी करवा दी। लड़के की कमी के बारे में हमें बताना चाहिए था। दूसरा, पहले भी लड़के की शादी हो चुकी थी।

मनोचिकित्सक डॉ. शबरी कहती हैं कि सेक्सुअल प्रिफरेंस को लेकर खुलकर बात न करना ही बड़ी समस्या है। पैरेंट्स को इस विषय पर भी अपने युवा बच्चों से बातचीत कर उन्हें समझने की पहल करनी चाहिए। यह कोई नया विषय नहीं है। पहले भी ऐसे मामले होते रहे हैं, लेकिन तब उन्हें दबा दिया जाता था। अब इस पर खुलकर बातें सामने आ रहीं हैं, तो इसको लेकर सहज होना पड़ेगा।

इस मामले में अधवक्ता अंचल गुप्ता का कहना है कि यह आकर्षण का विषय है, जिसे कानूनी पाबंदियों के दायरे में नहीं रखा जा सकता। वो चाहे लड़की हो या लड़का। हां, शादी के समय स्वीकारोक्ति ही विवाह के बाद तलाक की आने वाली नौबत से पूर्व का एक रास्ता हो सकता है। रिश्ते तय करते वक्त ही बातें सामने लानी होंगी। तभी हम समस्या को जड़ बनने से पहले हल कर सकेंगे। इससे जिंदगियां बर्बाद होने से भी बच सकेंगी।

सोशल फोरम

'यूं ही कोई...' गीत में सचमुच रोई थीं मीना

4 फरवरी 1972 को रिलीज पाकीजा फ़िल्म औरत के दर्द और कशमकश को बयां करती है। इस फिल्म को पूरा होने में काफी लंबा समय लगा। पूरे 15 साल। गुलाम मोहम्मद संगीतकार के नाती सज्जाद अली चंदवा चंदवानी ने बताया कि फिल्म में इस्तेमाल कार्पेट ईरान से लाया गया, जिस पर गीत और सीन शूट किए गए। यह काफी मंहगा था। गुलाम मोहम्मद की बेटी नजमा एम अली ने एक इंटरव्यू में बताया था कि मीना जी की चाल में तवायफों जैसा अंदाज नहीं आ पा रहा था। तब उनके पिता जी ने मीना कुमारी को खुद चलकर बतलाया था कि तवायफों की चाल कैसी होती है।

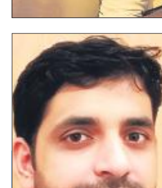

मंजेश बूरा
ब्लॉगर

मीना कुमारी जी 'चलते-चलते यूं ही कोई मिल गया था' ....गाने में रीयल में रोई थीं। जब गाने की शूटिंग बंद हुई तो रात में गुलाम मोहम्मद को बुलाया गया। वो उनको गुलाम मियां बुलाती थीं। उन्हें बताया गया कि कि आपने गीत बेहद खूबसूरत बनाया। गुलाम मोहम्मद ने देखा तो मीना कुमारी की आंखें रोने की वजह से सूजी हुई थीं।

मीना कुमारी की कमाल अमरोही के साथ 1964 में ही रिश्ते में दरार आ चुकी थी। वह दोनों पति-पत्नी थे। इसी दौरान मीना कुमारी बीमार भी पड़ीं। इसी वजह से फ़िल्म इतने वर्ष बाद रिलीज हुई। नरगिस दत्त और सुनील दत्त की बातचीत के बाद मीना कुमारी ने फिल्म को पूरा किया। फ़िल्म काफी लोकप्रिय हुई और फ़िल्म में मीना कुमारी के चहरे पर दर्द और जज्बात असलियत में दिखाई पड़ते हैं। –फेसबुक वाल से

सामयिकी

भारतीय कामगार और रूस के साथ करार

भारतीय कामगारों के लिए एक सुखद खबर है। रूस 10 लाख भारतीय कामगारों, कुशल और अर्धकुशल, को रोजगार देगा। भारत भी रूसी कामगारों को रोजगार के अवसर मुहैया कराएगा। दोनों देशों के बीच 'श्रम गतिशीलता समझौता' तय हुआ है, उसी के तहत रूस भारतीयों को नौकरियां देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच बातचीत होने के बाद करार को हरी झंडी दे दी गई। अब यह यथाशीघ्र लागू हो जाएगा।

रूस भारत के राज मिस्त्री, वेल्डर, आईटी इंजीनियर, नर्स के अलावा, निर्माण, तेल-गैस, कृषि, वस्त्र, बैंकिंग और स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में भी भारतीयों की सेवाएं लेगा। भारतीयों के रोजगार सुरक्षित और कानूनन होंगी। कामगार एक देश से दूसरे देश में सहजता, सुगमता से आवाजाही कर सकेंगे। यही इस समझौते का मकसद और मर्म है। रूस अविलंब इस करार को लागू इसलिए करना चाहता है, क्योंकि यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी देशों की पाबंदियों के कारण रूस में श्रम-संकट विकराल है। रोजमर्रा के काम भी ठप पड़े हैं।

आकाश सपेलकर
अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

दूसरी ओर भारत में 65 फीसदी आबादी ऐसी है, जिसकी औसत उम्र 35 साल या उससे कम है। भारत में बेरोजगारी एक विकट और संवेदनशील समस्या है। रूस में ये नियुक्तियां और अनुबंध सरकार के स्तर पर किए जाएंगे। दरअसल इन नियुक्तियों को इमिग्रेशन, अर्थात् अप्रवास, समझने की गलती न की जाए। नियुक्तियां जरूरत के मुताबिक अस्थायी अथवा दीर्घकालिक हो सकती हैं। रूस में भारतीय कामगार को सामाजिक सुरक्षा के अलावा बीमा, स्वास्थ्य सुविधाएं और कानूनी सुरक्षा एवं संरक्षण आदि भी दिए जाएंगे।

रूस भारत की आईटीआई, इंजीनियरिंग की डिग्री और डिप्लोमा के अलावा पेशेवर कुशलता को भी मान्यता देगा, ताकि कामगारों को उचित रोजगार और मेहनताना आदि मिल सके। रूस में एक लाख से अधिक भारतीय बसे हैं और वे विभिन्न व्यवसायों में काम कर रहे हैं। रूस के साइबेरिया वाले क्षेत्र में चीन के तीन लाख से अधिक कामगार और कारोबारी सक्रिय हैं। उन्होंने रूसी युवतियों से शादियां भी की हैं।

भारत के लिए रूस एक सार्थक बाजार बनकर उभरेगा। इस करार से हमारे देश के विदेशी मुद्रा भंडार को भी मजबूती मिलेगी, क्योंकि भारतीय कामगार रूस से पैसा कमा कर भारत भेजेंगे। रूस में भारत की अपेक्षा वेतनमान काफी अधिक है। करार के बाद भर्ती की प्रक्रिया बिल्कुल पारदर्शी होगी। एक आधिकारिक पोर्टल होगा। रूस में 'मेक इन इंडिया' के लिए भी बाजार मिलेगा। जब भारतीय कामगार रूस जाएंगे, तो भारतीय उत्पादों की मांग भी बढ़ेगी, लिहाजा हमारे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। हमारे कामगारों को राजमिस्त्री, बिजली वाले, वेल्डर, पेंटर के काम खूब मिलेंगे, क्योंकि रूस में इनकी मांग बहुत है।

तेल और गैस क्षेत्रों में काम करने के मौके मिलेंगे। आईटी और बैंकिंग में रूस को काफी प्रतिभाओं की जरूरत है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर भी रूस को काफी चाहिए। कुल मिला कर भारतीय कामगारों और पेशेवरों के लिए रूस 'नया अमरीका' साबित हो सकता है। खाड़ी देशों की भयंकर गर्मी और वहां की सामंती संस्कृति की तुलना में रूस एक बेहतर मंच साबित हो सकता है। यह करार लागू होने के बाद रूस का वीजा प्राप्त करने की प्रक्रिया अपेक्षाकृत आसान और सरल हो जाएगी। भारत और रूस के संबंध विश्व राजनीति में उस स्थिर मित्रता का उदाहरण है, जो समय, परिस्थितियों एवं वैश्विक दबावों के बावजूद कभी कमजोर नहीं हुई। भारत और रूस को आपसी व्यापार भी बढ़ाना है तथा इसे भारत की दृष्टि से संतुलित भी करना है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा* 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

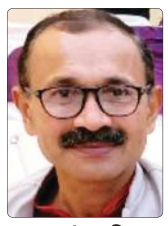
दया शंकर मिश्र
लेखक

जब से मैंने आचार्य चतुरसेन शास्त्री की चर्चित ऐतिहासिक पुस्तक सोमनाथ को पढ़ा, मेरे मन में ये आस जाग उठी कि आततायी महमूद गजनवी द्वारा लूटे और विध्वंस किए गए मंदिर में विराजे प्रभु सोमनाथ जी के दर्शन को समय मिला तो जरूर जाऊंगा। बाबा-दादा से सुना था कि सबसे पहले सोमनाथ मंदिर का निर्माण सोने से चंद्रदेव (सोमराज) ने बाद में पुनर्निर्माण रावण ने चांदी से, भगवान कृष्ण ने लकड़ी से और राजा भीमदेव ने पत्थरों से करवाया था। इतना सब सुनने के उपरांत मानव मन में उस पवित्र स्थल के दर्शन करने की भावना बलवती होना स्वाभाविक है। मुझे श्री सोमनाथ जी के दर्शन का सौभाग्य बदा था। शाम के समय हम लोग पहले से बुक किए हुए श्री सोमनाथ ट्रस्ट द्वारा संचालित विश्राम स्थल पर पहुंचे। कम पैसे में वहां की उत्कृष्ट व्यवस्था और साफ सफाई देखकर हम लोग दंग रह गए।

सोमनाथ की अविस्मरणीय यात्रा

हम सभी के मन में श्री सोमजी के दर्शन की इतनी उत्कंठा थी कि जल्दी ही नहा धोकर वहां से लगभग एक किमी दूर स्थित मंदिर पहुंच गए। बाहर से ही मंदिर की विशालता और शिखरों की नक्काशी देखकर मन-मयूर नर्तन करने लगा। मंदिर की सुरक्षा में तैनात सिक्योरिटी के नियमों का पालन करते हुए हम लोग पंक्तिबद्ध होकर मंदिर के अंदर पहुंचे तो आरती का समय हो रहा था। इसके उपरांत पट बंद हो जाते हैं, जो दूसरे दिन प्रातः खुलते हैं।

दोबारा दर्शन करने का बाद हुई संतुष्टि

मंदिर में पुरुषों और महिलाओं के दर्शन हेतु जाने एवं निकलने के लिए पृथक-पृथक लाइन थी। महिलाएं समुद्र की ओर स्थित द्वार से जबकि पुरुष देवी अहिल्याबाई द्वारा निर्मित करवाए गए मंदिर की तरफ स्थित द्वार से दर्शन के उपरांत बाहर जा रहे थे। आशा के विपरीत प्रभु सोमनाथ जी असीम कृपा से हम लोगों को बहुत ही आराम से श्री सोमजी के विशाल ज्योतिर्लिंग के दर्शन हुए। एक बार दर्शन से मन नहीं भरा और बाहर निकलकर मैं पुनः लाइन में लग गया। दोबारा जी भरकर उनकी प्रतिमा को देखा, तो मन में संतुष्टि हुई। आरती अभी चल रही थी, भक्त कतारबद्ध हर-हर महादेव निनाद करते हुए दर्शन कर रहे थे।

जब भाभीजी बिछड़ गईं

हम सब लोग बाहर निकलकर पहले से तय स्थान पर एक दूसरे से मिले। वहां पर मैं, भाई साहब और मेरी पत्नी तो आ गईं, लेकिन भाभीजी का कहीं अता-पता नहीं था। दिन भर के सफर से हम लोग काफी थक चुके थे, लेकिन बड़े भाई की पत्नी की तलाश आवश्यक थी। मैं और भाई साहब उनको ढूंढते हुए हनुमान जी की तरह मंदिर के एक दो चक्कर लगा आए, परंतु वे नहीं मिलीं। सभी बड़े पशोपेश में थे कि वे आखिर हैं कहां! हम लोग एक तरफ बैठ गए और भाई साहब से कहा कि आप दूसरी तरफ बैठिए। बाहर निकलने के दो ही रास्ते हैं। मिलेंगी जरूर। इतने में मंदिर के पिछवाड़े की तरफ से एक सज्जन कंधे में झोला डाले हुए आए। मैं पहले और श्रीमती जी मेरे बाद बैठी थीं। उनको देखते ही न जाने कैसे मेरे हाथ ऊपर उठ गए और उन्होंने मुझे कपड़े के छोटे थैले में एक लड्डू पकड़ा दिया। श्रीमती जी ने भी हाथ बढ़ाया, लेकिन वे किसी को भी प्रसाद दिए बिना आगे बढ़ गए। मैं अवाक था, केवल मुझे ही प्रसाद मिला। जब तक स्थिर होता, कुछ विचार करता वे आगे जाने कहां निकल गए। मैं उनको ठीक से देख भी नहीं पाया। मुझे ऐसा प्रतीत हुआ कि मुझ अकिंचन को प्रभु सोमनाथ ही तो प्रसाद देने नहीं चले आए थे।

इसके उपरांत मैंने एक चक्कर मंदिर का और लगाने का निश्चय किया। समुद्र की तरफ स्थित द्वार के पास पहुंचते ही देखा कि भाभीजी मंदिर की दीवारों में उत्कीर्ण देव प्रतिमाओं की श्रद्धापूर्वक चरण वंदना, पूजा-अर्चना कर रही थीं। वे इस कदर भक्ति में लीन थीं कि उनको होश ही नहीं थी कि वे किसी के साथ आई हैं, कोई उनका इंतजार कर रहा है। उनको देखकर मैं वैसे ही हर्षातिरेक से भर गया जैसे हनुमानजी मां सीता को अशोक वाटिका में पाकर खुश हुए थे। मैंने उनकी पूजा में बाधा उत्पन्न करते हुए ईश्वर आराधना में लीन उनके मन को वापस धरातल पर लाने हेतु आवाज दी और सूचित किया कि मंदिर बंद होने वाला है, हम लोगों को वापस चलकर भोजनादि करना है।

दूसरे दिन प्रातः हम लोगों ने पुनः दिव्य दर्शन किए और आसपास के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कर दोपहर में वापसी के लिए समीप ही वेरावल स्थित रेलवे स्टेशन से वंदेभारत पकड़ ली। जल्दबाजी में की गई यह यात्रा कई मायनों में अविस्मरणीय बन गई। रास्ते भर पुनः दर्शनार्थ आने को सोचता हुआ मैं श्रीसोमजी के ख्यालों में खो गया।

जॉब का पहला दिन

मरीजों का उपचार कर खुद को गौरवान्वित महसूस किया

वर्ष 2010 मेरे जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत लेकर आया। एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज, मेरठ से मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद मुझे शासन से नियुक्ति पत्र मिला और मेरी पहली तैनाती शाहजहांपुर जिले के तिलहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में बतौर मेडिकल अफसर हुई। यह मेरी नौकरी का पहला दिन था। एक ऐसा दिन जो आज भी स्मृतियों में उतना ही ताजा है। जब मैं सीएचसी के परिसर में प्रवेश कर रहा था, तभी ओपीडी के बाहर मरीजों की भारी भीड़ देखकर क्षणभर के लिए मन कुछ संकोच से भर गया। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान मरीजों को संभालने का अनुभव था, लेकिन इतनी बड़ी संख्या एकदम से सामने आना मेरे लिए बिल्कुल नया था। ऐसे में मन खुद से कई सवाल पूछ रहा था- क्या मैं यह जिम्मेदारी निभा पाऊंगा? क्या मैं इन लोगों के लिए कुछ सार्थक कर सकूंगा? इन्हीं विचारों के बीच चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. संजय अग्रवाल से मिला। उन्होंने मुस्कुराकर मेरा स्वागत किया, कागजी औपचारिकताएं पूरी कराईं और मुझे शुभकामनाएं दीं। उनके आत्मीय व्यवहार ने भीतर एक भरोसा-सा भर दिया। इसके बाद मैं सीधे ओपीडी के अपने कक्ष में पहुंच गया और दिनभर मरीजों को देखने में व्यस्त हो गया।

पहले ही दिन 45 मरीजों की जांच की किसी को बुखार था, किसी को त्वचा संबंधी परेशानी, कोई पुरानी बीमारी लेकर आया, तो कोई छोटी-सी समस्या के साथ। मैंने दवाइयों के साथ-साथ उन्हें उनके रोगों के प्रति जागरूक करने का भी प्रयास किया। इलाज के साथ जानकारी देना हमेशा से मेरी प्राथमिकता रही, क्योंकि जागरूकता ही बीमारी को जड़ से मिटाने का पहला कदम है। 2 बजे के आसपास ओपीडी समाप्त होने पर टीकाकरण से संबंधित एक विभागीय बैठक में भी शामिल हुआ। यह मेरे लिए पहली सरकारी चिकित्सकीय बैठक थी, जिसने आने वाले समय के प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारी का भी एहसास कराया। जब शाम को घर लौटा, तो मन गहरे संतोष से भरा हुआ था। उस दिन एक अलग ही अनुभव जहन में हिलोरे मार रहा था और

उस वक्त हेडमास्टर के पद पर शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे मेरे पिता रफीक अहमद अंसारी की एक बात याद आई कि "डॉक्टर बनने के बाद सरकारी सेवा ही करना, क्योंकि सरकारी अस्पतालों में ऐसे मरीज आते हैं, जो कि आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं। उनका इलाज करने से उन्हें नई जिंदगी देने के साथ ही तुम्हें भी एक सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी।" उस दिन मुझे पहली बार महसूस हुआ कि वे कितने सही थे।

सरकारी अस्पताल में एक-एक मरीज की मुस्कान, उनकी दुआएं और उनका भरोसा- यही असल कमाई है। इसी भाव के साथ 2010 में शुरू हुआ मेरा सेवाकार्य आज भी उसी समर्पण के साथ जारी है। वर्तमान में मैं बरेली के सीएमओ कार्यालय में अपनी सेवाएं दे रहा हूं। इन पंद्रह वर्षों में बहुत कुछ बदला समय, स्थान, पद और कार्यशैली, लेकिन मरीजों की सेवा का भाव और चिकित्सा के प्रति समर्पण आज भी उतना ही अडिग है। यही सेवा मुझे हर दिन नई ऊर्जा देती है और डॉक्टर बनने के वास्तविक उद्देश्य को जीवित रखती है।

- डॉ. लईक अंसारी
डिप्टी सीएमओ,
बरेली।

याद आते हैं स्कूल के अमरूद-आम के पेड़

आपबीती

बचपन के विद्यालय के प्रांगण में कदम रखता हूं, तो बीते हुए दिनों की यादें फिर आंखों के समक्ष तैरने लगती हैं और लगता है जैसे कल ही की बात हो। हालांकि विद्यालय को छोड़े हुए चार दशक का समय हो गया है, लेकिन बचपन जीवन का एक ऐसा क्षण है, जो भुलाए नहीं भूलता। स्कूल में हमारे हिस्ट्री के सर रहे लोकप्रिय केके तिवारी सर बताते हैं कि जब विद्यालय की स्थापना हुई थी तब स्कूल के संस्थापक रहे ओल्ड जॉन निकटवर्ती बच्चों को पैडल रिक्शा में स्कूल लाया करते थे और उन्हें छोड़ने भी जाया करते थे।

आज चंद बच्चों से शुरू हुआ यह सफर कई हजार बच्चों तक पहुंच गया है। यहां से पढ़े बच्चे कई क्षेत्रों में अपना नाम कमा रहे हैं। लखनऊ के वर्तमान मंडल आयुक्त भी इसी स्कूल से पढ़े हुए हैं। मेरा भी सौभाग्य है कि मैंने इस विद्यालय से कक्षा 10 तक शिक्षा प्राप्त की है। आज यह विद्यालय 12 वीं तक है, पर हमारे समय में यह विद्यालय दसवीं तक की हुआ करता था।

दीपक नौगाई
लेखक, हल्द्वानी

इस कॉटेज में आगे एक म्यूजिक रूम तथा एक टीटी यानी टेबल टेनिस रूम हुआ करता था। साथ ही शिक्षकों के बैठने के लिए भी एक कमरा था और छोटे बच्चों की कक्षाएं भी। पीछे एक कैंटीन भी थी और उसके बगल में बच्चों के लिए झूले और लाल अमरूद के कुछ पेड़। इन अमरूद और आम के पेड़ों से भी बड़ी सुनहरी यादें जुड़ी हुई है। अक्सर अमरूद और आम तोड़ने के लिए मैं इन पेड़ों में चढ़ जाया करता था। कुछ अमरूद पेड़ पर बैठकर खाए, तो बाकी पेड़ के नीचे खड़े अपने दोस्तों को दिए। कुछ साथी यह देखने के लिए खड़े रहते थे कि कोई शिक्षक तो नहीं आ रहा। जैसे ही कोई आता, दोस्तों की सीटी बजती और मैं पेड़ से नीचे कूद जाता। झूलों में बैठने के लिए तो हम दोस्तों में जैसे होड़ सी लग जाती। मुझे वो गोल-गोल घूमने वाला झूला बहुत पसंद था। हम उसे जोर से घुमाते और दौड़कर उस पर चढ़ जाते। इस झूले पर चढ़ते समय मैं कई बार गिरा भी और चोटें भी आईं।

म्यूजिक रूम से जुड़ी कुछ अच्छी तथा कुछ ज्यादा कटु यादें भी हैं। गाना गाने में ज्यादातर लड़के अच्छे नहीं थे। चूंकि हमारे संगीत के टीचर जिनका नाम सैमसन था बहुत सख्त थे, इसलिए अधिकांशतः हमें उनकी डांट और पिटाई खानी पड़ती थी। आज याद नहीं कि गाना न गाने पर कितनी बार मेरी पिटाई हुई थी। मुझे संगीत का पीरियड शायद ही कभी अच्छा लगा हो। मेरी तथा अन्य लड़कों की तो यही कोशिश रहती थी कि किसी तरह म्यूजिक रूम में जाने से बच जाए। एक बार हमारी म्यूजिक सर से कुछ बहस हो गई, तो वह हम सब लड़कों को प्रिंसिपल के पास ले गए और फिर वहां जो हमारी पिटाई हुई, वह आज भी मैं नहीं भूला। साथ में था एक टेबल टेनिस का रूम, जहां टेनिस खेलने के लिए एक टेबल लगी हुई थी। हालांकि मैंने तो टीटी में यदा-कदा ही हाथ आजमाया, क्योंकि इस खेल में मुझे जरा भी रुचि नहीं थी, पर सच कहूं तो यह हमारे छिपने का रूम था, खासकर SUPW पीरियड में। SUPW यानी ऐसा पीरियड, जिसमें हमें हस्तकला का जौहर दिखलाना पड़ता था। लड़कियों की तरह कुछ चीजें बनाने में हमारी तो कभी रुचि रही नहीं, इसलिए जैसे ही SUPW का पीरियड आता था, हम कुछ लड़के पिछले दरवाजे से निकलकर छुपते-छुपाते टेबल टेनिस रूम में पहुंच जाया करते थे। कभी कोई टीचर हमें वहां देख लेता और कुछ पूछता तो हम झूठ कह देते कि हमें टेबल टेनिस सीखने के लिए भेजा गया है। चुपचाप टेनिस खेलते और पीरियड खत्म हुआ तो वापस अपनी क्लास में। आज लगता है कि हमें झूठ नहीं बोलना चाहिए था और ऐसा नहीं करना चाहिए था, लेकिन क्या दिन थे वो भी भुलाए नहीं भूलते। ऐसी कई यादें हैं, पर यादों का क्या वह तो समय-समय पर याद आ ही जाती हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,267.66	26,046.95
बढ़त	449.53	148.40
प्रतिशत में	0.53	0.57

सोना 1,33,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,99,500 प्रति किलो

अमृत विचार
हल्द्वानी, शनिवार, 13 दिसंबर 2025
www.amritvichar.com

@ 90.4950 ऐतिहासिक गिरावट के साथ बंद हुआ रुपया

मुंबई। बैंकों के डॉलर खरीद बढ़ाने से रुपये में सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस पर शुक्रवार को भी गिरावट रही और यह ऐतिहासिक निचले स्तर पर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा शुक्रवार को 17 .50 पैसे की गिरावट के साथ 90 .4950 रुपये डॉलर पर बंद हुई।

बीच कारोबार में यह 90 .56 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गई थी। दोनों इसकी गिरावट का नया रिकॉर्ड है। पिछले कारोबारी दिवस पर गुरुवार को रुपये 90 .32 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रुपया शुक्रवार को 11 पैसे टूटकर 90 .43 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और 90 .56 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया। एक समय यह 90 .28 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत भी हुआ था। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर सूचकांक में तेजी से रुपये पर दबाव रहा।

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3400, मसूरी- 1000, बासमती- 5400, परमल- 1000
दाल-दलहन : काला चना- 3400, साबुत चना दाल- 3000, मूंग साबुत- 4200, राजमा- 8900-12200, दाल उड़द- 6600, साबुत मसूर दाल- 4300, मसूर दाल- 3000, उड़द साबुत- 5200, काबुली चना- 9100, अरहर दाल- 10000, लोबिया/करमानी- 2300

* दाम प्रति क्विंटल में

बिजनेस ब्रीफ

अब डाकघरों से भी म्यूचुअल फंड में निवेश

नई दिल्ली। देश में म्यूचुअल फंड निवेश को बढ़ावा देने के लिए अग्रणी शेयर बाजार बीएसई ने भारतीय डाक के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया जिसके तहत डाकघरों पर भी म्यूचुअल फंड उत्पादों में निवेश की सुविधा होगी।

सीसीआई जांच के घेरे में आई इंडिगो

प्रतिस्पर्धा मानदंडों के उल्लंघन की आशंका में मामले का लिया गया स्वतः संज्ञान

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडिगो पर अब एक के बाद एक जांच का शिकंजा कसता जा रहा है। निष्पक्ष व्यापार नियामक सीसीआई ने अब इस बात की जांच शुरू की है कि क्या देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी ने प्रतिस्पर्धा मानदंडों का उल्लंघन किया है। यह जानकारी विमानन कंपनी के उड़ान व्यवधानों को लेकर नियामक जांच का सामना करने के बीच सामने आई है।

घरेलू बाजार में 65 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रखने वाली इंडिगो ने दो दिसंबर से सैकड़ों उड़ानें रद्द कर दीं जिससे हजारों यात्रियों को परेशानी हुई है। अब स्थिति स्थिर हो रही है। विमानन सुरक्षा नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) उड़ान व्यवधानों की जांच करने के साथ इंडिगो के परिचालन की निगरानी भी बढ़ा रहा है। वहीं कुछ हलकों में इस बात को लेकर चिंताएं हैं कि क्या विमानन कंपनी की प्रमुख स्थिति भी इसका एक कारण हो सकती है। एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) आंतरिक रूप से इस बात की जांच कर रहा है कि क्या इंडिगो ने प्रतिस्पर्धा मानदंडों का उल्लंघन किया है।

अधिकारी ने बताया कि समग्र प्रभुत्व की स्थिति, विशेष मार्गों पर प्रभुत्व और क्या प्रभुत्व का दुरुपयोग हो रहा है जैसे विभिन्न पहलुओं की जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि इंडिगो के खिलाफ अभी तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है और सीसीआई स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच कर रही है कि क्या प्रतिस्पर्धा नियमों का उल्लंघन हुआ है। प्रतिस्पर्धा अधिनियम की धारा-4 प्रभुत्व के दुरुपयोग से संबंधित है जो शोषणकारी या बहिष्करणकारी हो सकता है। शोषणकारी का तात्पर्य अत्यधिक मूल्य निर्धारण जैसे कृत्यों से है जबकि बाजार पहुंच से वंचित करना बहिष्करणकारी खंड के अंतर्गत आता है। नियमों के अनुसार सीसीआई सबसे पहले उपलब्ध जानकारी की विस्तृत जांच करके यह निष्कर्ष निकालता है कि क्या प्रतिस्पर्धा मानदंडों के उल्लंघन के प्रथम दृष्टया प्रमाण मौजूद हैं। प्रथम दृष्टया उल्लंघनों के प्रमाण मिलने पर ही नियामक इस मामले की जांच का आदेश देता है।

सीजीएसटी मामले में 58.75 करोड़ का नोटिस

नई दिल्ली। दिसंबर के पहले सप्ताह में हजारों की संख्या में उड़ानें रद्द करके लाखों यात्रियों की परेशानी का सबब बनी विमान सेवा कंपनी इंडिगो की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। उसे सीजीएसटी से जुड़े एक मामले में 58 .75 करोड़ रुपये का जुर्माना भरने का आदेश दिया गया है। इंडिगो ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे कर विभाग के दक्षिणी दिल्ली कमिश्नरेट के अतिरिक्त सीजीएसटी आयुक्त से गुरुवार को यह नोटिस प्राप्त हुआ है। नोटिस में वित्त वर्ष 2020-21 के लिए एयरलाइंस से 58 करोड़ 74 लाख 99 हजार 439 करोड़ रुपये का जुर्माना भरने के लिए कहा गया है। इंडिगो ने बताया कि विभाग ने जीएसटी और जुर्माने की राशि की मांग की है। एयरलाइंस ने अपनी फाइलिंग में कहा है, कंपनी का मानना है कि अधिकारियों का आदेश त्रुटिपूर्ण है। इंडिगो ने कहा है कि वह सक्षम प्राधिकरण के सामने इस नोटिस का प्रतिकार करेगी। उसने यह भी कहा है कि इसका कंपनी की वित्तीय स्थिति, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई असर नहीं होगा।

दूसरे दिन भी तेजी, सेंसेक्स में 450 अंकों का उछाल, निफ्टी हुआ 26,000 के पार

मुंबई। सकारात्मक वैश्विक संकेतों और धातु शेयरों में लिवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन चढ़कर बंद हुआ।

सेंसेक्स में 449 अंकों की तेजी रही जबकि निफ्टी एक बार फिर 26,000 के स्तर के पार पहुंच गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 449.53 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 85,267.66 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 502.69 अंक चढ़कर 85,320.82 तक पहुंच गया था। एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी भी 148.40 अंक यानी 0.57 प्रतिशत मजबूत होकर 26,046.95 अंक पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा भंडार में एक अरब डॉलर की बढ़ोतरी, 687.26 अरब डॉलर पर पहुंचा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार पांच दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 1.03 अरब डॉलर बढ़कर 687.26 अरब डॉलर हो गया।

पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 1.88 अरब डॉलर घटकर 686.23 अरब डॉलर रह गया था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार पांच दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.51 अरब डॉलर घटकर 556.88 अरब डॉलर रह गईं। रिजर्व बैंक ने बताया कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.19 अरब डॉलर बढ़कर 106.98 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 9.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.72 अरब डॉलर हो गया।

भारत में रूसी कच्चे तेल का आयात नवंबर में पांच माह के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- चार प्रतिशत बढ़कर पांच महीनों में सर्वाधिक 2.6 अरब यूरो पहुंचा, दिसंबर में भी वृद्धि के आसार

भारत का रूस से कच्चा तेल आयात नवंबर में चार प्रतिशत बढ़कर पांच महीनों में सबसे अधिक 2.6 अरब यूरो तक पहुंच गया। इस तेल से परिष्कृत ईंधन की बड़ी मात्रा ऑस्ट्रेलिया को निर्यात की गई।

यूरोप के शोध संस्थान 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' (सीआरईए) ने एक रिपोर्ट में कहा कि रूसी कच्चे तेल के मामले में भारत नवंबर में चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा खरीदार रहा। इसके पहले अक्टूबर में भारत ने रूस से 2.5 अरब यूरो का कच्चा तेल खरीदा था। नवंबर में रूस के कुल कच्चे तेल निर्यात का 47 प्रतिशत चीन, 38 प्रतिशत भारत, छह प्रतिशत तुर्किये और छह प्रतिशत यूरोपीय संघ के हिस्से में गया। सीआरईए ने कहा कि भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात अक्टूबर की तुलना में चार प्रतिशत बढ़ गया जबकि कुल आयात मात्रा लगभग स्थिर रही। यह पिछले पांच महीनों में सर्वाधिक खरीद रही। संस्था का अनुमान है कि दिसंबर में भी यह खरीद बढ़ सकती है, क्योंकि रूसी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंध लागू होने से पहले कुछ तेलवाहक जहाज रवाना हुए थे।

सीआरईए ने कहा, नवंबर में जहां निजी तेल कंपनियों के आयात में हल्की गिरावट आई, वहीं सरकारी तेल कंपनियों ने रूसी कच्चे तेल की खरीद 22 प्रतिशत बढ़ा दी। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक भारत 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस से रियायती दरों पर तेल खरीदने वाला सबसे बड़ा ग्राहक बन गया। कभी एक प्रतिशत से भी कम रहा रूसी तेल आयात का हिस्सा बढ़कर भारत के कुल तेल आयात का लगभग 40 प्रतिशत हो गया। आंशिक गिरावट आने के बावजूद नवंबर महीने में रूस ने भारत की कुल कच्चे तेल आपूर्ति में 35 प्रतिशत का योगदान दिया। इस कच्चे तेल को रिफाइन कर बनाए गए पेट्रोल, डीजल जैसे ईंधन को घरेलू उपयोग के साथ निर्यात भी किया जाता है।

रिफाइंड तेल यूरोप व अमेरिका को निर्यात

सीआरईए ने कहा कि नवंबर में भारत और तुर्किये की छह रिफाइनरियों ने 80 .7 करोड़ यूरो मूल्य के रिफाइंड ईंधन निर्यात किए। इनमें से 46 .5 करोड़ यूरो यूरोपीय संघ, 11 करोड़ यूरो अमेरिका, 5 .1 करोड़ यूरो ब्रिटेन, 15 करोड़ यूरो ऑस्ट्रेलिया और 31 करोड़ यूरो कनाडा को भेजे गए। इनमें से लगभग 30 .1 करोड़ यूरो मूल्य के रिफाइंड तेल उत्पाद रूसी कच्चे तेल से बने थे। सीआरईए ने कहा, ऑस्ट्रेलिया को निर्यात नवंबर में 69 प्रतिशत बढ़ा, जो पूरी तरह गुजरात स्थित जामनगर रिफाइनरी से भेजा गया। कनाडा ने भी आठ महीने बाद पहली बार रूसी तेल से बने ईंधन की खेप प्राप्त की।

मेक्सिको के टैरिफ से प्रभावित होगा तीन/चौथाई तक भारतीय निर्यात

नई दिल्ली, एजेंसी

- वाहन, कलपुर्जों, इलेक्ट्रॉनिक, धातु व रसायन निर्यात जैसे क्षेत्रों पर पड़ेगा गंभीर असर

विशेषज्ञों ने कहा है कि मेक्सिको में टैरिफ (आयात शुल्क) बढ़ाए जाने से भारत के वाहनों, वाहन कलपुर्जों, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, धातु एवं रसायन जैसे प्रमुख क्षेत्रों के निर्यात पर गंभीर असर पड़ेगा। उन्होंने दावा किया है कि यह कदम मेक्सिको को होने वाले 5.75 अरब डॉलर के भारतीय निर्यात के लगभग तीन-चौथाई हिस्से को सीधे प्रभावित करेगा। इस वजह से मेक्सिको में कारोबार करने के वाणिज्यिक तर्क पर बुनियादी असर पड़ेगा।

मेक्सिको की संसद से पारित यह निर्णय एक जनवरी, 2026 से लागू होगा। इसके तहत उन देशों से आने वाले सामान पर पांच से 50 प्रतिशत तक का बढ़ा हुआ टैरिफ लगाया जाएगा, जिनके साथ मेक्सिको का मुक्त व्यापार समझौता नहीं है। इस की जद में आने वाले देशों में भारत, चीन, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया सहित कई देश शामिल हैं। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, वाहन कलपुर्जों पर टैरिफ 10-15 प्रतिशत से बढ़कर 35 प्रतिशत होने से आपूर्ति शृंखला सर्वाधिक प्रभावित होगी।

कमजोर होगी प्रतिस्पर्धा, बाधित होंगी आपूर्ति शृंखलाएं : फियो

निर्यातकों के संगठन फियो के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा कि इतने टैरिफ से भारत की प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी और आपूर्ति शृंखलाएं बाधित होंगी। पूंजीगत सामान की लागत बढ़ेगी, मांग घटेगी। धातु क्षेत्र में टैरिफ वृद्धि और भी कठोर है। एल्युमिनियम पर टैरिफ बढ़ाकर 25-35% कर दिया गया है जबकि लौह-इस्पात और उनसे बने उत्पादों पर टैरिफ 15 से बढ़कर 35% कर दिया गया है। श्रम-प्रधान क्षेत्रों पर भी असर पड़ेगा। परिधान और वस्त्रों पर 20-25 से बढ़कर 35 % टैरिफ लगाया जाएगा।

रिकॉर्ड: देश में नवंबर में यात्री वाहनों की बिक्री 18.7% बढ़ी

नई दिल्ली। देश में नवंबर के महीने में यात्री वाहनों, दुपहिया और तिपहिया की थोक बिक्री का नया रिकॉर्ड बना है। वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में घरेलू बाजार में कुल 4,12,405 यात्री वाहन बिके जो एक साल पहले के मुकाबले 18.7 प्रतिशत अधिक है।

यह नवंबर महीने की बिक्री का नया रिकॉर्ड है। दुपहिया की बिक्री 21.2 प्रतिशत बढ़कर 19,44,475 इकाई पर पहुंच गई। इसमें मोटरसाइकिल की बिक्री 17.5 प्रतिशत और स्कूटरों की 29.4 प्रतिशत बढ़कर क्रमशः 11,63,751 और 7,35,753 इकाई रही। मोपेड की बिक्री 2.1 फीसदी की गिरावट के साथ 44,971 इकाई रह गई। तिपहिया की बिक्री 21.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 71,999 इकाई पर पहुंच गई। इसमें ई-रिक्शा में जहां 25.6 प्रतिशत की गिरावट रही, वहीं अन्य यात्री वाहक तिपहिया में 24.6 प्रतिशत की इजाफा देखा गया।

सुप्रीम टिप्पणी: देश की न्यायपालिका को ध्वस्त कर देना चाहते हैं आप लोग

अल्पसंख्यक विद्यालयों में आरटीई एक्ट पर पुराने आदेश को चुनौती देने पर नाराजगी

नई दिल्ली, एजेंसी

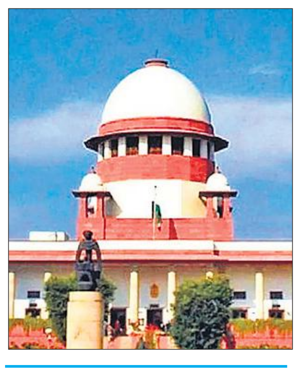

- कहा- ऐसे केस दायर कर हमें नीचा न दिखाएं, एक लाख का जुर्माना

सुप्रीम कोर्ट ने अल्पसंख्यक विद्यालयों को शिक्षा के अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के तहत छूट देने के अपने पूर्व के आदेश को चुनौती देने वाली एक याचिका पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि इस तरह के मुकदमे दायर करके न्यायपालिका को नीचा न दिखाएं। याचिकाकर्ता पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाते हुए न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि यह दूसरों के लिए एक संदेश होना चाहिए।

पीठ ने कहा, आप उच्चतम न्यायालय के साथ ऐसा नहीं कर सकते। हम बेहद आक्रोशित हैं। अगर आप इस तरह के मुकदमे दायर करना शुरू करते हैं तो यह देश की पूरी न्यायिक व्यवस्था के खिलाफ होगा। आपको अपने मामले की गंभीरता का अंदाजा नहीं है। हम केवल एक लाख रुपये का जुर्माना लगा रहे हैं। याचिका दायर करने के लिए वकील को फटकार लगाते हुए पीठ ने कहा, इस तरह के मामले दायर करके देश की न्यायपालिका को बदनाम मत कीजिए। यहां क्या हो रहा है, क्या वकील इस तरह की सलाह दे रहे हैं। हमें वकीलों को दंडित करना होगा।

न्यायालय ने कहा, आप कानून के जानकार लोग और पेशेवर हैं और आप अनुच्छेद 32 के तहत इस न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए रिट याचिका दायर करते हैं, ये घोर दुरुपयोग है। हम संयम बरत रहे हैं। हम अवमानना का आदेश जारी नहीं कर रहे हैं। आप इस देश की न्यायपालिका को ध्वस्त करना चाहते हैं।

ये था मामला

उच्चतम न्यायालय गैर-सरकारी संगठन 'यूनाइटेड वॉइस फॉर एजुकेशन फोरम' की ओर से दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया था कि अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों को दी गई छूट असंवैधानिक है क्योंकि यह उन्हें शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के दायित्वों से पूर्ण रूप से छूट प्रदान करती है। न्यायालय ने 2014 में दिए फैसले में कहा था कि आरटीई अधिनियम अनुच्छेद 30(1) के तहत अल्पसंख्यक विद्यालयों पर लागू नहीं होता है जो धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों को शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना और शासन का अधिकार प्रदान करता है।

विचाराधीन मामलों में आधी-अधूरी जानकारी पर आधारित टिप्पणी से हमें कोई फर्क नहीं पड़ता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि खासतौर पर विचाराधीन मामलों पर आधे-अधूरे सच और अधूरी जानकारी पर आधारित टिप्पणी से जनता की सोच प्रभावित होती है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वह मामलों की रिपोर्टिंग से प्रभावित नहीं होता और किसी प्रचार या कोई विमर्श बनाए जाने से न्यायालय को कोई फर्क नहीं पड़ता। शीर्ष अदालत ने एक मामले की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की, जिसमें कुछ लोगों को बांग्लादेश प्रत्यर्पित किए जाने में उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं होने का आरोप लगा है। सुनवाई के दौरान अदालत को जानकारी दी गई कि गर्भवती महिला सुनाली खातून और उसका आठ साल का बेटा भारत लौट आए हैं। फिलहाल दोनों को पश्चिम बंगाल के बीरभूम में खातून के पिता के घर पर चिकित्सा सुविधा मिल रही है।

फोन टैपिंग मामला: तेलंगाना के पूर्व खुफिया प्रमुख ने किया आत्मसमर्पण

हैदराबाद। फोन टैपिंग मामले में आरोपी तेलंगाना के पूर्व खुफिया प्रमुख टी. प्रभाकर राव ने उच्चतम न्यायालय के निर्देश के अनुसार शुक्रवार को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। तेलंगाना विशेष खुफिया ब्यूरो (एसआईबी) के पूर्व प्रमुख राव ने खुद को पूर्वाह्न 11 बजे जुबली हिल्स थाने में जांच अधिकारी (आईओ) के हवाले किया।

हैदराबाद पुलिस ने मार्च 2024 से अब तक निलंबित एसआईपी के पुलिस उपाधीक्षक समेत चार पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उन्होंने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की पूर्ववर्ती सरकार के दौरान विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से खुफिया जानकारी मिटाई और फोन टैप किए। बाद में चारों पुलिस अधिकारियों को जमानत दे दी गई। राव ने उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार आत्मसमर्पण किया। बृहस्पतिवार को न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा था कि यह आदेश राव के खिलाफ अपराधों की विस्तृत जांच के लिए पारित किया गया है। पीठ ने कहा, हम याचिकाकर्ता को निर्देश देते हैं कि वह शुक्रवार पूर्वाह्न 11 बजे तक जुबली हिल्स थाने और जांच अधिकारी के समक्ष आत्मसमर्पण करें, कानून के अनुसार हिरासत में पूछताछ की जाएगी।

श्यामकानु समेत चार लोगों ने की थी जुबिन गर्ग की हत्या

गुवाहाटी, एजेंसी

- एसआईटी ने जांच पूरी करने के बाद अदालत में दाखिल किया आरोप पत्र
- अन्य आरोपियों में सिद्धार्थ शर्मा, शेखर ज्योति और अमृतप्रवा महंत शामिल

गायक जुबिन गर्ग की मौत की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शुक्रवार को गुवाहाटी की एक अदालत में आरोपपत्र दाखिल कर श्यामकानु महंत और सिद्धार्थ शर्मा समेत चार लोगों पर उनकी हत्या करने का आरोप लगाया। आरोपियों में शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृतप्रवा महंत भी शामिल हैं।

श्यामकानु महंत सिंगापुर में आयोजित किए गए उत्तर पूर्व भारत महोत्सव का मुख्य आयोजक था और इस कार्यक्रम में गर्ग ने भाग लिया था। इसी महोत्सव में 19 सितंबर को समुद्र में तैरते समय रहस्यमय परिस्थितियों में गर्ग की मौत हो गई थी। वकीलों ने बताया कि गर्ग के चचेरे भाई और असम पुलिस के निलंबित अधिकारी संदीपन गर्ग पर सुबह मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में दाखिल किए गए 3,500 से अधिक पृष्ठों के आरोपपत्र में गैर इरादतन हत्या का आरोप लगाया गया है। शर्मा गायक का सचिव था, जबकि शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृतप्रवा महंत गर्ग के बैंड के सदस्य थे।

वकीलों ने बताया कि गायक के दो निजी सुरक्षा अधिकारियों नंदेश्वर बोरा और प्रबीन बैश्य को बीएनएस की धारा 31सी के तहत आरोपी बनाया गया है। इस धारा का संबंध निजी सुरक्षा अधिकारियों को सौंपे गए धन या संपत्ति का दुरुपयोग करके आपराधिक विश्वासघात करने से है। असम सरकार ने गर्ग की मौत की जांच के लिए डीजीपी एमपी गुप्ता के नेतृत्व में एसआईटी बनाई थी। मुख्यमंत्री ने हाल में विधानसभा सत्र में दावा किया था कि गर्ग की मौत स्पष्ट रूप से हत्या थी। सिंगापुर पुलिस बल भी गर्ग की मौत की जांच कर रहा है। एसपीएफ ने एक बयान में कहा था कि प्रारंभिक जांच में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी का संकेत नहीं मिला है तथा मामले की जांच में और तीन महीने तक का समय लग सकता है।

केरल : अभिनेत्री के साथ सामूहिक बलात्कार मामले में छह लोगों को 20 साल कठोर कैद

कोच्चि, एजेंसी

- अदालत ने 2017 के मामले में सुनाई सजा, अन्य अपराधों के लिए कारावास से दंडित किया

केरल की एक अदालत ने 2017 में एक अभिनेत्री के सामूहिक बलात्कार के मामले में दोषी पाए गए छह लोगों को शुक्रवार को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। आरोपियों में सुनील एनएस उर्फ पल्सर सुनी, मार्टिन एंटनी, मणिकंदन बी, विजयेश वीपी, सलीम एच और प्रदीप शामिल हैं। एर्णाकुलम जिला एवं प्रधान सत्र न्यायालय के न्यायाधीश हनी एम वर्गीस ने ने उन्हें अन्य अपराधों के लिए भी कारावास का आदेश दिया, लेकिन ये सभी सजाएं एक साथ चलेंगी।

अदालत ने पीड़िता को पांच लाख रुपये का मुआवजा देने और यौन उत्पीड़न के वीडियो वाली पेन ड्राइव को जांच अधिकारी के कब्जे में रखने का भी आदेश दिया। इससे पहले आठ दिसंबर को अदालत ने मामले में अभिनेता दिलीप समेत चार आरोपियों को बरी कर दिया था। शुरुआती सुनवाई में अदालत ने सजा की अवधि पर दोषियों, उनके वकीलों और अभियोजन पक्ष की दलीलें सुनीं। न्यायाधीश ने वकीलों और मीडिया को फैसले के मद्देनजर न्यायिक प्रक्रिया की आलोचना करने से भी परहेज करने का निर्देश दिया।

पूरी सुनवाई के दौरान, अदालत ने स्पष्ट किया कि सुनी द्वारा किया गया अपराध पांच अन्य दोषियों के अपराधों से कहीं अधिक गंभीर है। सत्रह फरवरी 2017 को अभिनेत्री से सामूहिक दुष्कर्म के मामले ने केरल को झकझोर कर रख दिया था। आरोपी जबरन अभिनेत्री की कार में घुस गए थे और दो घंटे तक उसे अपने कब्जे में रखा।

पुलिस के मुताबिक मुख्य आरोपी पल्सर सुनी ने चलती कार में अभिनेत्री के साथ बलात्कार किया और अन्य दोषियों ने वीडियो बनाया। साजिश रचने के आरोपअभिनेता दिलीप को जांच के दौरान गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, लगभग छह साल तक चले मुकदमे के बाद अदालत ने उन्हें निर्दोष पाया।

फूट-फूटकर रोए दोषी, नरमी की अपील की

दोषियों ने अपनी पारिवारिक और स्वास्थ्य संबंधी स्थितियों का हवाला देते हुए अदालत से नरमी बरतने की अपील की। मार्टिन और प्रदीप अदालत में फूट-फूटकर रो पड़े और उन्होंने निर्दोष होने का दावा करते हुए कहा कि वे अपने परिवारों के एकमात्र कमाने वाले हैं। विशेष लोक अभियोजक वी. अजा कुमार ने कहा कि सामूहिक बलात्कार के लिए सभी आरोपियों को अधिकतम आजीवन कारावास की सजा दी जानी चाहिए।

वायु प्रदूषण पर संसद में विस्तृत चर्चा हो: राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

- कांग्रेस नेता ने लोकसभा में कहा- व्यवस्थित योजना रखें प्रधानमंत्री

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली समेत कई प्रमुख शहरों में वायु प्रदूषण का विषय शुक्रवार को लोकसभा में उठाया और कहा कि सरकार को संसद में विस्तृत चर्चा करानी चाहिए, साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस समस्या से निपटने के लिए हर शहर के लिए एक व्यवस्थित योजना सामने रखनी चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि यह विषय कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में उठा था सरकार इस पर चर्चा के लिए तैयार है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने सदन में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया। राहुल गांधी ने कहा, हमारे अधिकतर प्रमुख शहरों पर जहरीली हवा की चादर पसरी हुई है। लाखों बच्चों को फेफड़ों की बीमारियां हो रही हैं, उनका भविष्य बर्बाद हो रहा है और लोगों को कैंसर हो रहा है। वृद्ध लोगों को सांस लेने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर सरकार और हमारे बीच पूरी सहमति होगी। यह कोई वैचारिक मुद्दा नहीं है। सदन में हर कोई इस बात से सहमत है कि वायु प्रदूषण और इससे हमारे लोगों को जो नुकसान हो रहा है, वह ऐसी चीज है जिस पर हमें सहयोग करना चाहिए।

राहुल गांधी का कहना था कि सरकार को देश के शहरों में वायु प्रदूषण से छुटकारे के लिए योजना बनानी चाहिए और विपक्ष को योजना विकसित करने में सरकार का सहयोग करके खुशी होगी। राहुल गांधी ने कहा, इस मुद्दे पर हम देश को दिखा सकते हैं कि हम किसी महत्वपूर्ण चीज़ पर मिलकर काम कर सकते हैं।

एआर रहमान को मिलेगा लक्ष्मीनारायण अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

चेन्नई। संगीतकार ए. आर. रहमान को इस साल लक्ष्मीनारायण अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह घोषणा 'लक्ष्मीनारायण ग्लोबल म्यूजिक फेस्टिवल' के आयोजकों ने की है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह पुरस्कार कलाकारों के कला क्षेत्र में योगदान को मान्यता देने के लिए शुरू किया गया है और इसे 15 दिसंबर को एक विशेष समारोह में ए. आर. रहमान को प्रस्तुत किया जाएगा। यह कार्यक्रम 'लक्ष्मीनारायण ग्लोबल म्यूजिक फेस्टिवल' के 35वें संस्करण के उद्घाटन के तौर पर काम करेगा। इसे चेन्नई में रसिका रंजनी सभा में आयोजित किया जाएगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईयू ने अफ़गानिस्तान को दिए तीन करोड़

मॉस्को। यूरोपीय संघ (ईयू) ने अफ़गानिस्तान में मानवीय जरुरतों को मज़बूत करने और खाद्य सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) को दो करोड़ 90 लाख 30 हजार रुपये दिए हैं। अफ़गानिस्तान में ईयू प्रभारी डी अफ़ेयर्स वेरोनिका बोस्कोविक-पोहर ने कहा कि डब्ल्यूएफपी में यूरोपियन संघ का नया योगदान अफ़गान लोगों, खासकर महिलाओं, बच्चों और कमज़ोर स्थानीय समुदाय के प्रति हमारे लगातार समर्पण को दिखाता है। कृषि और खाद्य मूल्य श्रृंखला को अफ़गानों के पोषण, स्वास्थ्य और आर्थिक जरुरतों को मज़बूत करने के लिए तैयार किया जाना चाहिए।

चीन गर्भनिरोधक दवा पर लगाएगा टैक्स

बीजिंग। चीन तीन दशकों से भी अधिक समय में पहली बार जल्द गर्भनिरोधक दवाओं और उत्पादों पर मूल्य वर्धित कर (वैट) वसूलना शुरू करेगा। यह कदम दशकों तक अधिकतर परिवारों को एक बच्चे तक सीमित रखने के बाद उन्हें अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के बीजिंग के प्रयासों के अनुरूप है। देश के नवीनतम मूल्य वर्धित कर कानून के अनुसार एक जनवरी से गर्भनिरोधक दवाएं और उत्पाद कर-छूट की श्रेणी में नहीं रहेंगे। कंडोम' जैसे उत्पादों पर भी 13 प्रतिशत का सामान्य वैट लगेगा। यह विषय चीनी सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है।

जेल में इमरान के साथ हो रहा दुर्व्यवहार

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्री मोहम्मद शोएब अफरीदी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के साथ जेल में दुर्व्यवहार किया जा रहा है। अफरीदी की ये टिप्पणी ऐसे वक्त आई है जब गुरुवार को अदियाला जेल प्रशासन ने उन्हें जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान से मिलने की अनुमति देने से इनकार कर दिया।

सोशल मीडिया पाबंदी को कानूनी चुनौती

मेलबर्न। वैश्विक ऑनलाइन मंच रेडिट ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के उस कानून के खिलाफ अदालत में याचिका दायर की, जो 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को लोकप्रिय सोशल मीडिया मंचों पर अकाउंट बनाने से रोकता है। ऑस्ट्रेलिया ऐसा कदम उठाने वाला दुनिया का पहला देश है। कैलिफोर्निया स्थित रेडिट इंक ने उच्च न्यायालय में यह याचिका दायर की है। इसी कानून को लेकर पिछले महीने सिडनी स्थित अधिकार समूह डिजिटल फ्रीडम प्रोजेक्ट ने भी चुनौती दी थी।

जापान में फिर से लगे 6.7 तीव्रता के भूकंप के झटके

टोक्यो, एजेंसी

● जानमाल के नुकसान के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं

जापान में आए 6.7 तीव्रता के भूकंप के बाद शुक्रवार को जारी की गई सुनामी की चेतावनी वापस ले ली गई। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने यह जानकारी दी। जेएमए ने बताया कि भूकंप जापान के मुख्य द्वीप होन्शू के उत्तरी क्षेत्र स्थित आओमोरी में तट के पास पूर्वाह्न 11 बजकर 44 मिनट पर आया। एजेंसी के अनुसार, भूकंप का केंद्र लगभग 20 किलोमीटर की गहराई में था।

इससे पहले एजेंसी ने चेतावनी दी थी कि होकाइदो, आओमोरी, इवाते और मियागी में प्रशांत महासागर तट पर एक मीटर (3.2 फुट) ऊंची सुनामी की लहरें उठ सकती हैं, लेकिन दो घंटे बाद इसे वापस ले लिया गया। भूकंप से जानमाल के नुकसान के बारे में अभी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। इस सप्ताह की शुरुआत में उत्तरी जापान में 7.5 तीव्रता वाला भूकंप आने के बाद, शुक्रवार को फिर से झटके महसूस किए गए। उस दौरान प्रशांत महासागर तट के कुछ इलाकों में सुनामी भी आई थी।

भगोड़े अपराधियों पर कानून का शिकंजा

गोवा के अरपोरा गांव में स्थित नाइटक्लब ब्रीच बॉय रोमिया लेन में 6-7 दिसंबर की रात आग लग गई, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई। आग के दौरान क्लब में सुरक्षा इंतज़ाम न होने और गैस सिलेंडर/फायरवर्क्स से प्रज्वलन तेज़ फैलने की बात सामने आई। दिल्ली के व्यवसायी सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा क्लब के सह-मालिक हैं। हादसे के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए दोनों थाईलैंड के फुकेत भाग गए। भारत ने उन्हें पकड़ने को इंटरपोल के ज़रिए ब्लू कार्नर नोटिस जारी करवाया। नोटिस के बाद थाई पुलिस ने दोनों को फुकेत में एक होटल से हिरासत में ले लिया। उन्हें बैंकॉक के इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। थाईलैंड के साथ प्रत्यर्पण संधि के तहत दोनों को भारत भेजने की प्रक्रिया चल रही है। आइए जानते हैं, भारत से विदेश भागे अपराधियों, आरोपियों के प्रत्यर्पण की क्या प्रक्रिया है।

दूसरे देशों से प्रत्यर्पण संधि

अब तक भारत लाए गए बड़े अपराधी

- अबू सलेम को 2005 में पुर्तगाल से प्रत्यर्पित किया गया, 1993 में मुंबई ब्लास्ट में आरोपी, अंडरवर्ल्ड अपराधी। औपचारिक प्रत्यर्पण संधि के तहत भारत लाया गया।
- छोटा राजन को 2015 में इंडोनेशिया से डिपोर्ट किया गया। अंडरवर्ल्ड अपराधी, हत्या, जबरन उगाही में आरोपी। इंटरपोल ने इसके लिए रेड कार्नर नोटिस जारी की थी।
- हसन अली खान को 2011 में यूएई से प्रत्यर्पित किया गया। 70 हजार करोड़ रुपये की कथित मनी लॉन्ड्रिंग और, टैक्स चोरी के आरोप में औपचारिक प्रत्यर्पण अनुरोध पर यूएई ने भारत को सुपुर्द किया।
- मोनिका बेदी को 2005 में पुर्तगाल/स्पेन से प्रत्यर्पित किया गया। बेदी पर फर्जी पासपोर्ट रखने और अंडरवर्ल्ड से संबंध रखने का आरोप था।

कैसे काम करती है प्रत्यर्पण प्रक्रिया

● भारत और संबंधित देश में प्रत्यर्पण संधि का होना जहां पर भारत में घोषित अपराधी भागकर गया है और वहां उसकी गिरफ्तारी की गई है। प्रत्यर्पण संधि में यह तय होता है कि अगर कोई आरोपी वहां छिपा है तो उसे भारत भेजने के लिए क्या प्रक्रिया अपनानी है। संबंधित आरोपी या अपराधी को भारत भेजने के लिए पुलिस या सीबीआई संबंधित आरोपों और सबूतों के साथ उस देश की सरकार को आधिकारिक प्रत्यर्पण अनुरोध भेजती है। संबंधित देश के अनुरोध पर इंटरपोल नोटिस जारी करता है। इंटरपोल जैसे वैश्विक संगठन की मदद से दुनिया भर में आरोपी की लोकेशन ट्रैक करने में मदद मिलती है, जिससे उसकी गिरफ्तारी आसान हो जाती है। आरोपी को उस देश की पुलिस हिरासत में लेती है। फिर दोनों देशों की कानूनी प्रक्रियाएं शुरू होती हैं जिसमें आरोपी को सुना जाता है, दस्तावेजों की जांच होती है और उस देश की अदालत में सुनवाई होती है कि प्रत्यर्पण देना है या नहीं। अदालत प्रत्यर्पण को मंज़ूरी दे देती है तो आरोपी को भारत भेज दिया जाता है। यह प्रक्रिया कुछ दिनों से लेकर महीनों तक भी चल सकती है।

क्या है रेड कॉर्नर नोटिस

● यह इंटरपोल की तरफ से जारी होने वाला सबसे गंभीर नोटिस है। यह किसी देश द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट जैसा माना जाता है ताकि किसी फरार अपराधी को पकड़ कर उस देश को सौंपा जा सके। इसमें व्यक्ति अपराधी या गंभीर आरोपी माना जाता है। इंटरपोल से सदस्य देशों की पुलिस को कहा जाता है कि इसे पकड़ो और उसकी सूचना हमें दो। फिर प्रत्यर्पण शुरू किया जाता है। यह गंभीर अपराध पर जारी किया जाता है।

ब्लू कॉर्नर नोटिस

● यह संदिग्ध या जांच के लिए ज़रूरी व्यक्ति की लोकेशन पता करने, पहचान पुष्टि करने, गतिविधियों का ट्रैक करने के लिए जारी किया जाता है। व्यक्ति आरोपी हो सकता है, लेकिन उसे फरार अपराधी घोषित करना अभी बाकी होता है। उद्देश्य सूचना इकट्ठी करना होता है, गिरफ्तारी करवाना नहीं। यह तब जारी किया जाता है जब पता नहीं हो कि व्यक्ति कहां है।

चीन की गतिविधियों में वृद्धि के बाद जापान-अमेरिका का सैन्य अभ्यास

अमेरिकी बमवर्षकों ने जापानी लड़ाकू विमानों के बेड़े साथ किया प्रदर्शन

टोक्यो, एजेंसी

अमेरिकी सामरिक बमवर्षक विमानों ने जापानी लड़ाकू विमानों के बेड़े के साथ एक संयुक्त सैन्य अभ्यास में हिस्सा लिया, जिसका उद्देश्य जापान के हवाई क्षेत्र के आसपास दोनों देशों के सैन्य सहयोग का प्रदर्शन करना था। रक्षा अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। यह अभ्यास ऐसे समय में हुआ है जब जापान और चीन के बीच तनाव बढ़ रहा है। जापान-अमेरिका के संयुक्त अभ्यास से एक दिन पहले चीनी और रूसी बमवर्षक विमानों ने पश्चिमी जापान के आसपास संयुक्त रूप से उड़ान भरी थी, जिसके बाद जापान को अपने लड़ाकू विमान भेजने पड़े।

इससे पहले शनिवार को चीनी सैन्य विमानों ने जापानी विमानों पर रडार लॉक कर दिया था। यह घटना तोक्यो और बीजिंग के संबंधों में कड़वाहट की एक और वजह बनी। जापानी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि शुक्रवार तड़के, जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी और उनके अमेरिकी समकक्ष पीट हेगसेथ ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तेजी से तनावपूर्ण होती सुरक्षा स्थिति को लेकर टेलीफोन पर वार्ता की। बयान में संयुक्त अभ्यास का उल्लेख नहीं किया गया है। बयान में कहा गया कि मंत्रियों ने क्षेत्रीय तनाव बढ़ाने वाली किसी भी कार्रवाई पर गंभीर चिंता व्यक्त की। बयान के अनुसार उन्होंने कहा कि चीन की कार्रवाइयां क्षेत्रीय शांति व स्थिरता के लिए अनुकूल नहीं हैं। कोइजुमी ने एक बार फिर कहा कि जापान अपने आसपास के हवाई क्षेत्र और जल क्षेत्रों में निगरानी गतिविधियां जारी रखेगा।

चीन के रडार लॉक की घटना पर चिंता जताई

टोक्यो। अमेरिका के युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ और जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने चीनी सैन्य विमान से जुड़े रडार लॉक की घटना पर गंभीर चिंता जताई। गत 6 दिसंबर को एक चीनी फाइटर जेट ने दक्षिण-पश्चिमी जापान में ओकिनावा प्रीफेक्चर के पास जापानी एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स के विमान पर अपने रडार को टारगेट किया।

पुतिन ने वेनेजुएला के प्रति व्यक्त की एकजुटता

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को वेनेजुएला के लोगों के प्रति ऐसे समय में एकजुटता व्यक्त की, जब वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के बीच तनाव बढ़ गया है। रूसी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास क्रेमलिन ने एक बयान में कहा कि पुतिन ने फोन पर मादुरो से बात की और बढ़ते बाहरी दबाव के बीच राष्ट्रीय हितों और संप्रभुता की रक्षा करने की उनकी नीति का समर्थन दोहराया। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी बलों ने वेनेजुएला के तट से एक तेल टैंकर को जब्त कर लिया। यह मादुरो पर दबाव बढ़ाने की ट्रंप प्रशासन की नयी रणनीति मानी जा रही है। अमेरिका में मादुरो पर मादक आतंकवाद फैलाने के आरोप भी लगाए गए हैं। गुरुवार को अमेरिकी संसद के समक्ष अपने बयान में होमलैंड सुरक्षा मंत्री क्रिस्टी नोएम ने टैंकर जब्ती को क्षेत्र में मादक पदार्थ विरोधी अभियान से जोड़ा। अमेरिका ने दशकों में पहली बार इस क्षेत्र में अपनी सैन्य मौजूदगी इतनी बड़ी संख्या में बढ़ाई है और कथित तौर पर मादक पदार्थ की तस्करी करने वाली नौकाओं पर घातक हमले किए हैं। मादुरो का कहना है कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का असली उद्देश्य उन्हें सत्ता से हटाना है। वेनेजुएला की सरकार ने टैंकर जब्ती को खुली लूट और अंतर्राष्ट्रीय समुद्री डकैती बताया। वेनेजुएला सरकार ने कहा कि पुतिन ने मादुरो को स्पष्ट रूप से अपना समर्थन दोहराया और बताया कि मॉस्को और काराकास के बीच सीधा संवाद हमेशा खुला रहेगा। रूस ने आश्वासन दिया कि वह वेनेजुएला का उसके संप्रभुता, अंतर्राष्ट्रीय कानून और लातिन अमेरिका में शांति की रक्षा के संघर्ष में साथ देता रहेगा। पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज की तरह मादुरो ने भी रूस के साथ मजबूत संबंध बनाए रखे हैं।

सिंगापुर में भारतीय महिलाओं के लिए वन स्टॉप सेंटर

सिंगापुर। सिंगापुर स्थित भारतीय उच्चायोग ने विदेशों में संकटग्रस्त भारतीय महिलाओं की सहायता के लिए सरकार की योजना के तहत एक वन स्टॉप सेंटर (ओएससी) स्थापित किया है। यह पहल भारतीय सरकार की सखी वन स्टॉप सेंटर योजना के अंतर्गत की गई है, जो विदेशों में महिला-केंद्रित कल्याणकारी पहलों के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उच्चायुक्त शिल्पक अंबुले ने शुक्रवार को बताया कि सिंगापुर स्थित भारतीय उच्चायोग में स्थापित 'वन स्टॉप सेंटर' संकटग्रस्त भारतीय महिलाओं को व्यापक सहायता प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि इस पहल के तहत, संकटग्रस्त भारतीय महिलाओं को कानूनी, चिकित्सा और अन्य आवश्यक चीजों के लिए सहायता प्रदान की जाएगी।

यह केंद्र शारीरिक, यौन, भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक या आर्थिक शोषण का सामना कर रही महिलाओं के लिए कानूनी सहायता, चिकित्सा सहायता, मनोवैज्ञानिक परामर्श, अस्थायी आश्रय और आपातकालीन प्रतिक्रिया सहित एकीकृत सहायता सेवाएं प्रदान करेगा। इस पहल को भारत के विदेश मंत्रालय का समर्थन प्राप्त है और इसका वित्तपोषण भारतीय सामुदायिक कल्याण कोष (आईसीडब्ल्यूएफ) द्वारा किया जाता है। इसी तरह के केंद्र बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कनाडा में भी शुरू किए गए हैं।

भारत ने चीनी पेशेवरों के लिए व्यावसायिक वीजा नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली/बीजिंग, एजेंसी

● तनावपूर्ण संबंधों में सुधार के प्रयासों के बीच उठाया गया कदम

भारत ने अल्पावधि के लिए देश की यात्रा करने वाले चीनी पेशेवरों के वास्ते व्यावसायिक वीजा की शीघ्र स्वीकृति को लेकर नियमों में बदलाव किए हैं। यह कदम पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद के बाद दोनों पक्षों के बीच तनावपूर्ण हुए संबंधों में फिर से सुधार करने के प्रयासों के बीच उठाया गया है। हालांकि, घटनाक्रम से परिचित लोगों ने शुक्रवार को बताया कि सभी चीनी वीजा आवेदकों की मौजूदा जांच प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

पहले, अल्पावधि के लिए भारत आने वाले चीनी पेशेवरों को छह महीने या उससे अधिक की वैधता वाले रोजगार वीजा या ई वीजा जारी किए जाते थे। अब चीनी पेशेवरों को कम अवधि के लिए वैध व्यावसायिक वीजा देने का निर्णय लिया गया है। नियमों में किए गए ये बदलाव मोटे तौर पर सभी देशों के वीजा आवेदकों पर लागू होंगे, लेकिन चीनी नागरिकों को इसका सबसे अधिक लाभ मिलने की उम्मीद है। व्यावसायिक वीजा के लिए सभी आवेदनों पर तीन से चार सप्ताह की अवधि के भीतर कार्रवाई की जाएगी। नई दिल्ली के इस फैसले से चीनी विशेषज्ञों को भारत आने और विभिन्न क्षेत्रों में चीनी उपकरणों तथा मशीनों का उपयोग करने वाली कंपनियों को तकनीकी सहायता प्रदान करने में मदद मिलने की संभावना है। इस बीच, चीन ने चीनी पेशेवरों के लिए व्यावसायिक वीजा की मंजूरी में तेजी लाने के भारत के कदम का स्वागत करते हुए इसे एक सकारात्मक कदम बताया। इस संबंध में एक सवाल के जवाब में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने बीजिंग में कहा कि हमने इस सकारात्मक कदम पर संज्ञान लिया है।

निर्यात नियंत्रण मुद्दों को हल करने का आग्रह

नई दिल्ली। भारत ने चीन से निर्यात नियंत्रण से संबंधित लंबित मुद्दों को जल्द से जल्द हल करने का आह्वान किया है। दोनों पक्षों ने पूर्वी लद्दाख विवाद के बाद संबंधों को फिर से मजबूत करने के कदमों की समीक्षा की है। विदेश मंत्रालय के पूर्वी एशिया प्रभाग में संयुक्त सचिव सुजीत घोष की बीजिंग की दो दिवसीय यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा हुई। घोष ने चीनी विदेश मंत्रालय में एशियाई मामलों के विभाग के महानिदेशक के साथ व्यापक चर्चा के अलावा चीनी उप विदेश मंत्री सन वेइडोंग से भी मुलाकात की।

विमान के टेल में फंसा स्काई डाइवर

मेलबर्न, एजेंसी

● ऑस्ट्रेलिया में 15 हजार फीट की ऊंचाई से लगाई थी छलांग

ऑस्ट्रेलियाई दुर्घटना जांचकर्ताओं ने एक स्काईडाइवर द्वारा छलांग लगाने के बाद उसका पैराशूट विमान के पिछले हिस्से (टेल) में उलझ जाने की भयावह तस्वीरें जारी कीं, जिसके कारण वह 4,500 मीटर (15,000 फुट) की ऊंचाई पर लटका रह गया।

ऑस्ट्रेलिया परिवहन सुरक्षा ब्यूरो ने गुरुवार को वीडियो जारी करते हुए जानकारी दी कि घटना 20 सितंबर को क्वींसलैंड राज्य के टुली हवाई अड्डे पर हुई और स्काईडाइवर एड्रियन फर्ग्यूसन ने खुद को बचाने के लिए हुक वाले चाकू का इस्तेमाल किया और उन्हें पैर में मामूली चोटें आईं। उस दिन सेसना कारवां विमान में सवार पायलट और 16 अन्य पैराशूट से उतरने वाले लोगों को कोई चोट नहीं आई। ब्यूरो के मुताबिक विमान वांछित ऊंचाई पर पहुंच चुका था, जहां स्काईडाइवर 16-सदस्यीय 'फॉर्मेशन जंप' करने की योजना बना रहे थे। 17वां पैराशूटर एक खुले दरवाजे पर खड़ा था, ताकि बाकी लोगों के कूदने के दौरान वह वीडियो रिकॉर्ड कर सके।

रिपोर्ट में कहा गया है कि फर्ग्यूसन विमान से बाहर निकल रहे थे तभी उनके रिजर्व पैराशूट की रस्सी विमान के पिछले हिस्से में फंस गई। हालांकि पैराशूट खुला और फर्ग्यूसन को पीछे की ओर झटका लगा। इससे उन्होंने कैमरा ऑपरेटर को विमान से बाहर धकेल दिया और वह नीचे गिरने लगे। फर्ग्यूसन के पैर विमान के क्षैतिज स्टेबलाइजर से टकराए, जिसके बाद पैराशूट उसमें उलझ गया और वह हवा में लटक गए। फर्ग्यूसन ने चाकू से 11 रस्सियां काटी और मुख्य पैराशूट खोला, जो रिजर्व पैराशूट के हिस्से से उलझने के बावजूद पूरी तरह से खुल गया, और वे सुरक्षित नीचे उतर गए।

थाईलैंड में पीएम ने भंग की संसद

बैंकॉक। कंबोडिया के साथ जारी भीषण संघर्ष के बीच थाईलैंड में अगले साल की शुरुआत में नए चुनाव कराने के लिए शुक्रवार को संसद भंग कर दी गई। थाईलैंड के राजा महा वजीरालोंगकोर्न से मंजूरी मिलने के बाद प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने प्रतिनिधि सभा को भंग कर दिया। यह अनुमोदन शुक्रवार को राजकीय राजपत्र में प्रकाशित होने के साथ प्रभावी हो गया। अनुतिन ने गुरुवार देर रात फेसबुक पर एक पोस्ट के ज़रिए इस कदम का संकेत देते हुए कहा था कि मैं सत्ता जनता को लौटाना चाहता हूं।

म्यांमार में अस्पताल पर हवाई हमला, 34 लोगों की मौत

बैंकॉक, एजेंसी

म्यांमार में एक प्रमुख हथियारबंद विद्रोहियों के नियंत्रण वाले क्षेत्र में सेना द्वारा किए गए हमले में एक अस्पताल नष्ट हो गया। इस घटना में 34 मरीज और चिकित्सा कर्मचारी मारे गए जबकि 80 अन्य घायल हो गए। गुरुवार को एक बचावकर्मी और स्वतंत्र मीडिया रिपोर्ट से यह जानकारी मिली।

पश्चिमी राज्य रखाइन के जातीय अराकान आर्मी के नियंत्रण वाले क्षेत्र म्राउक-यू कस्बे में बुधवार रात को जनरल अस्पताल पर हुए हमले में लगभग 80 अन्य लोग घायल हो गए।

● विद्रोहियों के नियंत्रण वाले क्षेत्र में सैन्य हमले में 80 अन्य घायल

म्यांमार की सत्ता पर 2021 में कब्जा करने वाली और तब से जातीय मिलिशिया एवं सशस्त्र विद्रोही बलों से लड़ रही सेना ने इस क्षेत्र में किसी भी हमले का जिक्र नहीं किया है। रखाइन में बचाव सेवाओं के एक वरिष्ठ अधिकारी वाई हुन आंग ने बताया कि एक जेट लड़ाकू विमान ने रात 9.13 बजे दो बम गिराए, जिनमें से एक अस्पताल के रिकवरी वार्ड में गिरा और दूसरा अस्पताल की मुख्य इमारत के पास गिरा।

उन्होंने बताया कि वह सहायता प्रदान करने के लिए बृहस्पतिवार तड़के अस्पताल पहुंचे और वहां 17 महिलाओं और 17 पुरुषों की मौत की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि बमों से अस्पताल की इमारत का अधिकतर हिस्सा नष्ट हो गया और अस्पताल के पास खड़ी टैक्सियां एवं मोटरसाइकिलें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। रखाइन स्थित ऑनलाइन मीडिया ने क्षतिग्रस्त इमारतों की तस्वीरें और वीडियो जारी किए हैं जिसमें आस-पास बिखरे मलबे, चिकित्सा उपकरण नजर आ रहे हैं। वाई हुन आंग ने कहा कि यह अस्पताल रखाइन के लोगों के लिए स्वास्थ्य देखभाल का मुख्य स्रोत रहा है, जहां म्यांमार के गृहयुद्ध के कारण अधिकतर अस्पताल बंद हो गए हैं। म्यांमार की समानांतर नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट ने इस हवाई हमले की निंदा की है। 2021 में पद ग्रहण से रोके गए निर्वाचित सांसदों ने इस समानांतर सरकार का गठन किया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 13 दिसंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, नवमी 16.37 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

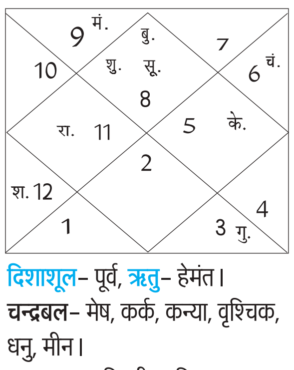

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- हस्त पूर्ण रात्रि तक।

मेष – आज यदि मन में किसी प्रकार का कोई भय था, तो वह दूर हो सकता है। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा और संतुलित रहेगा। धार्मिक यात्राओं की योजना बना सकते हैं। किसी बड़ी समस्या का समाधान होने से मन शांत होगा।

वृष – आज गृह निर्माण के कार्य तेजी से पूर्ण होंगे। कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों को सम्मान प्राप्त हो सकता है। मित्रों के परामर्श पर गंभीरता से ध्यान दें। संतान को लेकर कुछ परेशानी होने की आशंका है। प्रेम संबंधी मामलों में निराशा हाथ लग सकती है।

मिथुन – आज निजी संबंधों को लेकर गंभीर रहें। काम न बनने के कारण मन निराश हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी महसूस कर सकते हैं। इस समय नया कार्य आरंभ करना उचित नहीं है। पेट व सीने में जलन की समस्या हो सकती है।

कर्क – आज विदेश में शिक्षा ले रहे विद्यार्थियों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। आप कुछ दिनों की छुट्टियों को लेकर योजना बना सकते हैं। ऑनलाइन कारोबार में बड़ा लाभ मिल सकता है। लोग आपके ऊपर पूर्ण विश्वास रखेंगे।

सिंह – आज कारोबार से जुड़े मामलों के लिए दिन बहुत अच्छा है। अनुभवी व्यक्तियों से मार्गदर्शन लेना लाभकारी होगा। व्यर्थ की गतिविधियों में समय नष्ट न करें। महत्वपूर्ण अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं, इसीलिए लापरवाही भारी पड़ सकती है।

कन्या – आज आप अत्यंत आनंदित रहने वाले हैं। कारोबार में सबकुछ आपके अनुसार ही होता प्रतीत होगा। इससे आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। आपकी कार्य-कुशलता में वृद्धि होगी। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

तुला – आज का दिन यात्राओं के लिए सुखद नहीं रहेगा। सहयोगी आपसे किसी बात को लेकर असहमत हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दांपत्य संबंधों के लिए समय अवश्य निकालें। कोई आवश्यक निर्णय अचानक लेना पड़ेगा।

वृश्चिक – आज दोपहर के बाद शुभ समाचार मिल सकते हैं। भारी उद्योगों से जुड़े लोगों को उत्तम धन लाभ हो सकता हैं। परिवार की जरूरतों पर धन खर्च करना पड़ेगा। धैर्यपूर्वक किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रेमी जन की भावनाओं की कद्र करें।

धनु – आज व्यावसायिक लक्ष्य समय पर पूर्ण हो जाएंगे। नए घर या जमीन में निवेश सकते हैं। जीवनसाथी से सलाह लेना आपके लिए हितकर होगा। दूसरों की बातों को अधिक तूल न दें। संतान की उन्नति से गौरवान्वित महसूस करेंगे।

मकर – आज अनावश्यक खर्चे नियंत्रित रखें। आपको पड़ोसियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखना चाहिए। लोग आपके विरुद्ध गलत धारणा बना सकते हैं। काल्पनिक विचारों से दूरी बनाकर रखें। आपके काम कुछ गतिरोध के साथ पूर्ण होंगे।

कुंभ – आज अधिक विचार करने की आदत से आपको बचना चाहिए। मान-सम्मान की चिंता रहेगी। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी, लेकिन आप किसी कारण इससे प्रसन्न नहीं रहेंगे। अपनी व्यक्तिगत समस्याओं को किसी से शेयर न करें।

मीन – आज अपनी जिम्मेदारियों के प्रति निष्ठावान रहेंगे। इस समय सारी परिस्थितियां आपके अनुकूल हैं। अपने मन की बातें उनसे साझा कर सकते हैं। अपना मन हर स्थिति में शांत रखें। घर के लोग आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे।

सुडोकू-189

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1			2				
2								
8								
3								7
				5				
					8			
		6						
	5							

सुडोकू - 188 का हल

5	1	7	4	9	2	3	6	8
2	8	9	6	1	3	4	5	7
6	3	4	7	5	8	1	2	9
9	2	1	3	6	5	8	7	4
4	7	5	1	8	9	2	3	6
3	6	8	2	4	7	9	1	5
8	4	6	5	2	1	7	9	3
1	9	3	8	7	6	5	4	2
7	5	2	9	3	4	6	8	1

मुझे लगता है कि संन्यास लेने से पहले इस टीम के लिए मैच जीतने की मेरी भूख कम हो रही थी, लेकिन मैंने जो ब्रेक लिया उससे मेरी भूख को फिर से जगा दिया। मैं टीम के साथियों से कह रहा था कि मुझे नहीं लगता कि मैंने पहले कभी ऐसा महसूस किया है।

-क्विंटन डिकॉक

स्टेडियम

हल्द्वानी, शनिवार, 13 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

युवा एशियाई पैरा खेल 2025 में भारतीयों का चमकदार प्रदर्शन

दुबई। भारत के पैरा खिलाड़ियों ने शुक्रवार को यहां युवा एशियाई पैरा खेल 2025 में शानदार प्रदर्शन किया जिसमें बेबी सहाना रवि और विश्व विजय तांबे ने क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीता। सहाना रवि ने पैरा टेबल टेनिस के क्लास एसएफ-9 (अंडर-23) वर्ग में फिलीपींस की ले मैरी मैगिनसे को सीधे सेटों में हराकर स्वर्ण पदक जीता। विजय तांबे ने उत्तर कोरिया के क्वांग नाम सो के खिलाफ कड़े मुकाबले के बाद क्लास एसएम-10 वर्ग में भारत के खाते रजत पदक जोड़ा। दस से 13 दिसंबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट में 11 खेल स्पर्धाओं तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बोच्या, गोलबॉल, पावरलिफ्टिंग, तैराकी, ताइक्वांडो, टेबल टेनिस, व्हीलचेयर बास्केटबॉल और पंजा में मुकाबला होगा। भारत ने 99 खिलाड़ियों का दल भेजा है जिसमें 61 पुरुष और 38 महिलाएं हैं जो आठ खेल स्पर्धाओं में मुकाबला करेंगे।

कोहली 15 वर्षों बाद विजय हजारे ट्रॉफी में जोर दिखाएंगे

बेंगलुरु। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और ऋषभ पंत को 24 दिसंबर से शुरू होने वाले विजय हजारे राष्ट्रीय एकदिवसीय टूर्नामेंट के लिए दिल्ली की संभावित टीम में शामिल किया गया है। कोहली ने हाल ही में दिल्ली क्रिकेट एसोसिएशन को अपनी उपलब्धता के बारे में बताया, जिससे 15 साल बाद दिल्ली के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में उनकी वापसी हुई है। उन्होंने आखिरी बार 2010 में सर्विसेज के खिलाफ टूर्नामेंट में खेला था और इस सीजन में दिल्ली के लिए रणजी ट्रॉफी मैच खेल चुके हैं। कोहली और रोहित शर्मा, जो भारत की टेस्ट और टी-20 टीम से संन्यास ले चुके हैं, अब केवल एकदिवसीय प्रारूप में राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हैं।

गिल से आईपीएल जैसी बल्लेबाजी चाहती है टीम इंडिया

भारतीय टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने कहा - शुभमन ने खुद पर बहुत अधिक बोझ ले लिया

मुल्लांपुर, एजेंसी

भारतीय टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने कहा कि स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल ने टी20 में वापसी के बाद से खुद पर बहुत अधिक बोझ ले लिया है और टीम चाहती है कि वह आईपीएल की तरह ही खुलकर बल्लेबाजी करें। गिल ने सितंबर में एशिया कप में टी20 टीम में वापसी की थी। उन्होंने शीर्ष क्रम में संजू सैमसन की जगह ली, लेकिन वह रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं जिससे अगले साल फरवरी मार्च में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले टीम में उनकी जगह को लेकर सवाल उठने लग गए हैं।

भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में हार के बाद टेन डोएशे संवाददाताओं से कहा कि गिल को सबसे छोटे प्रारूप में थोड़ा सहज होने की जरूरत है और उन्होंने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया दौरे के आखिर में इसके संकेत दिखाए थे। टेन डोएशे ने पीटीआई के एक सवाल के जवाब में कहा इंग्लैंड में जिस तरह से उन्होंने कप्तानी संभाली और जिस तरह से उन्होंने आगे बढ़कर नेतृत्व किया उसकी कुछ झलक टी20 टीम में उनके इरादों में दिखती है।

उन्होंने कहा अगर कुछ था तो वह कुछ ज्यादा ही परवाह करने वाले खिलाड़ी हैं और अपनी भूमिका को लेकर शायद कुछ थोड़ा ज्यादा सख्त हो गए। ऑस्ट्रेलिया दौरे के आखिर में हमारी बातचीत उस जिम्मेदारी को कम करने और स्वच्छंद होकर खेलने से जुड़ी थी। विशेषकर उस भूमिका में जहां आपको लगता है कि आपको टीम में अपनी जगह को सही साबित करने की जरूरत है। टेन डोएशे ने कहा हम नहीं चाहते कि वह ऐसा करे। हम चाहते हैं कि जिस तरह से उन्होंने आईपीएल में खुलकर बल्लेबाजी की थी, यहां भी वह इस तरह की आजादी से खेलें। हमें उसकी प्रतिभा पर भरोसा है और हमें विश्वास है कि वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ भी ऐसा ही है। नीदरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर ने सूर्यकुमार का भी समर्थन किया, जो पिछले साल कप्तानी संभालने के बाद से लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। टेन डोएशे ने कहा सूर्या बेहतरीन खिलाड़ी हैं और हमें उन जैसे खिलाड़ियों से काफी उम्मीदें हैं। अगर आप भारत की तरफ से नंबर तीन पर बल्लेबाजी करना चाहते हैं, तो आप पर रन बनाने का दबाव होना स्वाभाविक है। उनका प्रदर्शन चिंता का विषय नहीं है।

तीसरे टी20 मुकाबले के लिए भारत और दक्षिण अफ्रीकी की टीमें धर्मशाला पहुंच गई। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा एयरपोर्ट पर शुभमन गिल, दक्षिण अफ्रीका के जॉर्ज लिंडे व भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव। एजेंसी

शुभमन का खराब फॉर्म एक बुरा संकेत : इरफान पठान

नई दिल्ली : भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि शुभमन गिल का खराब फॉर्म न केवल उन पर व्यक्तिगत रूप से बल्कि टीम प्रबंधन पर भी दबाव बढ़ा रही है। पठान ने जियो हॉटस्टार पर कहा कि संजू सैमसन को वापस लाकर पहले की तरह के सफल बल्लेबाजी संयोजन को बहाल करना भी उतना आसान नहीं होगा, क्योंकि केरल के इस खिलाड़ी को भी अपनी लय वापस पाने में कुछ समय लगेगा। भारत के लिए टी20 में सलामी बल्लेबाज के तौर पर सैमसन काफी सफल रहे थे। इसके बाद जब गिल को टी20 उप-कप्तान बनाया गया तो सैमसन की जगह उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतारा गया।

सिर्फ दो मैचों के बाद आंकलन ठीक नहीं : नेहरा

नई दिल्ली, एजेंसी

गुजरात टाइटन्स के मुख्य कोच आशीष नेहरा कप्तान शुभमन गिल की फॉर्म पर जल्दबाजी में की जा रही आलोचनाओं से नाखुश हैं और उन्होंने कहा कि इतने उतार-चढ़ाव वाले टी20 प्रारूप में दो मैच के आधार पर किसी खिलाड़ी को खारिज कर देना जल्दी निष्कर्ष निकालने की बढ़ती हुई प्रवृत्ति का संकेत है।

एशिया कप के दौरान उप-कप्तान के रूप में टी20 अंतर्राष्ट्रीय टीम में लौटे गिल ने पिछले 10 मैच में कुल 181 रन बनाए हैं जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 140 से कम रहा है। पिछले दो सत्र में गुजरात टाइटन्स के कोच के तौर पर गिल को करीब से देखने वाले नेहरा से पूछा गया कि क्या वह चिंतित हैं जबकि आईपीएल

शुरू होने में अभी तीन महीने ही बचे हैं। अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर पूर्व तेज गेंदबाज नेहरा ने कहा तीन महीने तो छोड़ दो, अगर आईपीएल तीन हफ्ते बाद भी होता तब भी मैं चिंतित नहीं होता क्योंकि आप टी20 जैसे प्रारूप की बात कर रहे हैं। और अगर मैं गलत नहीं हूं तो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिर्फ दो मैच ही खेले गए हैं। नेहरा का मानना है कि भारत में आलोचना की मूल समस्या सिर्फ संख्याओं को देखकर निष्कर्ष पर पहुंच जाना है। उन्होंने कहा यही हमारी समस्या है। इस प्रारूप में (भले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट हो या आईपीएल) अगर शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी को दो-तीन मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं करने पर आंका जाए तो मुश्किल होगी। अपनी खास व्यंग्यात्मक शैली में नेहरा ने कहा कि अगर बदलाव चाहिए तो विकल्पों की कोई कमी नहीं है।

उन्होंने कहा आपके पास बहुत विकल्प हैं। अगर आप देखना चाहते हैं तो अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल को हटा सकते हैं तथा साई सुदर्शन और रुतुराज गायकवाड़ को पारी का आगाज करा सकते हैं। नेहरा ने कहा अगर आप इन्हें (साई और रुतुराज) भी हटाना चाहें तो वाशिंगटन सुंदर और ईशान किशन से पारी का आगाज करा सकते हैं। इसलिए विकल्प बहुत हैं।

उन्नति, तस्नीम व रौनक पहुंचे सेमीफाइनल में

कटक। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नति हुड्डा, तस्नीम मीर, इशारानी बरुआ, किरण जॉर्ज और रौनक चौहान ने ओडिशा मास्टर्स में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। पुरुष एकल में दूसरे वरीय किरण ने रित्विक संजीव को 33 मिनट में 21-11, 21-17 से हराकर अपना दमखम बरकरार रखा। अब उनका मुकाबला रौनक से होगा, जिन्होंने सातवीं वरीयता प्राप्त हमवतन शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम को 41 मिनट के कड़े मुकाबले में 21-19, 22-20 से हराकर उलटफेर किया।

इंडोनेशिया के मोहम्मद यूसुफ ने शीर्ष वरीयता प्राप्त थारुन मन्नेपल्ली को 49 मिनट में 21-9, 22-20 से हराया। महिला एकल क्वार्टर फाइनल में भी कुछ चौंकाने वाले नतीजे देखने को मिले जहां सेमीफाइनल में चारों भारतीय खिलाड़ियों के पहुंचने से खिताब भारत के नाम पक्का हो गया। तान्या हेमंत ने तीसरी वरीयता प्राप्त और विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा को 39 मिनट में 21-18, 21-17 से हराकर चौंका दिया। उनका मुकाबला शानदार लय में चल रही साथी हमवतन ईशारानी बरुआ से होगा। बरुआ ने छठी वरीयता प्राप्त अनमोल खरब को 41 मिनट में 21-16, 21-14 से हराकर अपनी शानदार लय बरकरार रखी। शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा ने अनुपमा को 21-16, 21-15 से हराकर अंतिम में प्रवेश किया। तस्नीम मीर ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे की सातवीं वरीयता प्राप्त तुंग सिउ-टोंग को मात देकर सेमीफाइनल में पक्की की।

मेसी भारत दौरे में धूम मचाने के लिए तैयार

कोलकाता, एजेंसी

अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनेल मेसी की 2011 के बाद शनिवार से शुरू होने वाली पहली भारतीय यात्रा चकाचौंध से भरपूर होगी, लेकिन इसमें फुटबॉल का खास जादू देखने को नहीं मिलेगा।

मेसी का यह दौरा यह 2011 की तुलना में पूरी तरह से अलग होगा जब वह साल्ट लेक स्टेडियम में दर्शकों ने सुपरस्टार के पांवों का जादू देखा था। तब फीफा मैत्री मैच में अर्जेंटीना ने वेनेजुएला को 1-0 से हराया था और 85,000 से अधिक प्रशंसक स्टेडियम में जमा हुए थे। कुछ दर्शक तो स्टैंड के किनारों पर भी बैठे थे।

आठ बार बैलोन डीओर जीतने वाले मेसी इस बार 'जीओएटी इंडिया टूर 2025' में फुटबॉल खेलने वाले नहीं हैं। यह पूरी तरह से प्रचार और व्यावसायिक रूप से आयोजित कार्यक्रम है, जो शनिवार को यहां शुरू होगा और सोमवार को नयी दिल्ली में समाप्त होगा। फिर भी एक ऐसे शहर के लिए यह बेहद खास है, जिसने कभी माराडोना तो कभी पेले सिर आंखों पर बिठाया तो कभी अपने फुटबॉल प्रेम से डुंगा को चकाचौंध किया और रोनाल्डिन्हो को गले लगाया। इसे देखते हुए फुटबॉल नहीं खेलने के बावजूद यह शहर मेसी को अपने सिर आंखों पर बिठाने के लिए तैयार है। आयोजकों ने सॉल्ट लेक स्टेडियम में होने वाले

कोलकाता में रिहर्सल के तहत भारत और अर्जेंटीना के झंडे को लहराते वॉलंटियर्स। लियोनेल मेसी की जर्सी बेचता युवक। एजेंसी

चार महानगरों में जाएंगे, पीएम मोदी से भी मिलेंगे

मेसी भारत में 72 घंटे से भी कम समय बिताएंगे, लेकिन इस दौरान वह चार महानगरों कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली का दौरा करेंगे। अपनी इस संक्षिप्त दौरे के दौरान उनके कार्यक्रम में मुख्यमंत्री, कॉर्पोरेट जगत के दिग्गज, बॉलीवुड हस्तियां और यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ निर्धारित बैठक भी शामिल है।

कार्यक्रम के लिए 78,000 सीटें सुरक्षित रखी हैं। यहां मेसी शनिवार को 45 मिनट तक चलने वाले एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके लिए टिकटों की कीमत 7,000 रुपये तक है। यह देखना हालांकि बाकी है कि फुटबॉल प्रेमी इस कार्यक्रम के प्रति कितना उत्साह दिखाते हैं।

मेसी के प्रशंसकों में से एक भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल का भी 14 दिसंबर को धर्मशाला में होने वाले टी20 मैच के बाद उनसे मिलने की उम्मीद है।

न्यूजीलैंड की जीत से भारत को एक पायदान का नुकसान

दुबई : वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शुक्रवार को न्यूजीलैंड की नौ विकेट की जीत के बाद भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में एक स्थान फिसल कर छठे पायदान पर पहुंच गयी।

इस शानदार जीत से तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त के साथ न्यूजीलैंड की टीम तालिका में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर आ गयी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआती दो चक्र की उपविजेता रही भारतीय टीम को पिछले महीने घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से हार का सामना करने के बाद बड़ा खामियाजा उठाना पड़ा था। टीम तब तालिका ने पांचवें स्थान पर खिसक गई थी जबकि उस समय न्यूजीलैंड छठे स्थान पर था। पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि दक्षिण अफ्रीका दूसरे स्थान पर है। श्रीलंका (66.67) संयुक्त तीसरे जबकि पाकिस्तान (50) पांचवें स्थान पर हैं।

सूर्यवंशी की रिकॉर्डतोड़ पारी से भारत ने यूएई को 234 रनों से हराया

दुबई, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी की 95 गेंद में 171 रन की ताबड़तोड़ पारी से भारत ने अंडर-19 वनडे एशिया कप के अपने शुरुआती मैच में शुक्रवार को यहां यूएई को 234 रनों के बड़े अंतर से हराया। इस 14 साल के खिलाड़ी ने 14 छक्के लगाकर अंडर-19 वनडे क्रिकेट की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड कायम किया। उन्होंने अपनी पारी में नौ चौके भी जड़े।

सूर्यवंशी की आतिशी पारी के अलावा विहान मल्होत्रा (55 गेंद में 69) और आरोन जॉर्ज (73 गेंद में 69) की अर्धशतकीय पारियों से भारत ने 50 ओवर में छह विकेट पर रिकॉर्ड 433 रन बनाये। यह अंडर-19 वनडे में भारत का सर्वाधिक स्कोर होने के साथ एशिया कप इतिहास का भी सर्वोच्च स्कोर है।

यूएई की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए कभी भी भारत को टक्कर देने की स्थिति में नहीं दिखी। टीम ने पृथ्वी मधु (50) और उद्धिश सूरी (नाबाद 78) की अर्धशतकीय पारियों से सात विकेट पर 199 रन बनाये। सूर्यवंशी की 171 रन की पारी अब युवा वनडे में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। यह रिकॉर्ड अंबाती रायुडू के नाम है जिन्होंने 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 177 रन बनाये थे। यह अंडर-19 वनडे में नौवा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर सूर्यवंशी ने क्रीज पर आते ही यूएई के गेंदबाजों की खबर लेनी शुरू कर दी। उन्होंने 30 गेंद में अपना अर्धशतक और फिर 56 गेंद में शतक पूरा किया। बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने जॉर्ज के साथ दूसरे विकेट के लिए 212 रन की साझेदारी की। वह 33वें ओवर में स्पिनर सूरी की गेंद पर आउट हुए। उनके आउट होने के बाद वेदांत त्रिवेदी (34 गेंद में 38 रन), अभिज्ञान कुंडू (17 गेंद में नाबाद 32) और कनिष्क चौहान (12 गेंद में नाबाद 28) ने रनों का प्रवाह जारी रखते हुए भारत को 400 रन के आंकड़े के पार पहुंचाया। यूएई ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 53 रन तक छह विकेट गंवा दिए। सूरी और मधु ने इसके बाद सातवें विकेट के लिए 85 रन की साझेदारी कर टीम के हार को अंतर को कम किया।

टीम

171 रन 09 चौके

95 गेंद 14 छक्के

पीटी उषा की डोपिंगरोधी किट के उत्पादन को बढ़ावा देने की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य पीटी उषा ने शुक्रवार को केंद्र सरकार से 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत स्वदेशी डोपिंगरोधी परीक्षण किटों के उत्पादन को बढ़ावा देने का आग्रह किया और कहा कि इससे न केवल लागत कम होगी बल्कि पारदर्शिता भी बढ़ेगी। उषा ने राज्यसभा में यह मुद्दा उठाया और कहा कि परीक्षण किट आयात करने से परिणामों में देरी होती है और ऐसे में विदेशी कंपनियों पर निर्भरता बढ़ जाती है।

एक विश्वसनीय सूत्र के अनुसार वर्तमान में दो स्विस कंपनियां बर्लिंगर और लॉककॉन भारत में इन परीक्षण किटों की आपूर्ति कर रही हैं। उषा ने कहा मैं इस सदन का ध्यान एक ऐसे मामले की

तरफ खींचना चाहती हूं जो हमारे खिलाड़ियों की गरिमा और हमारे राष्ट्र की वैश्विक छवि को प्रभावित करता है। भारत को डोपिंग मुक्त खेल राष्ट्र बनाने की दिशा में काम करने के लिए 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत डोपिंगरोधी किटों के स्वदेश में उत्पादन को बढ़ावा देना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा डोपिंग बड़ा खतरा है जो निष्पक्ष खेल, खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और विश्व मंच पर हमारे देश की प्रतिष्ठा को लगातार खतरे में डाल रहा है। अभी हम उच्च गुणवत्ता वाले अधिकतर डोप परीक्षण किटों को आयात कर रहे हैं। इसमें काफी लागत आती है, परीक्षण में देरी होती है और बाहरी कंपनियों पर निर्भरता बढ़ जाती है।

भारत 2036 में ओलंपिक की मेजबानी के लिए बोली लगा रहा है और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने यह स्पष्ट कर दिया है कि देश को अपने डोपिंग रिकॉर्ड में काफी सुधार करना होगा। इस समस्या से निपटने में भारत की स्थिति खराब है और डोपिंग के मामले में वह नियमित रूप से दुनिया के शीर्ष पांच देशों में शामिल रहता है। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने एक सप्ताह पहले राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में कहा था कि सरकार डोपिंग विरोधी उपायों का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्क्वाश विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा भारत

चेन्नई। भारत ने स्क्वाश विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। अनुभवी जोशना चिनप्पा, उभरती स्टार अनाहत सिंह और दुनिया के 29वें नंबर के खिलाड़ी अभय सिंह ने क्वार्टर फाइनल में जबरदस्त प्रदर्शन किया। अब भारत का मुकाबला मौजूदा चैंपियन मिस्र से होगा।

जोशना ने पहले महिला एकल में टीगन रसेल को महज 13 मिनट में 3-0 (7-4, 7-4, 7-2) से हराकर भारत को अच्छी शुरुआत दी। अभय ने डेवाल्ड वैन नीकर्क पर 3-0 (7-1, 7-6, 7-1) से जीत हासिल करके बढ़त दोगुनी कर दी। टूर्नामेंट की सबसे कम उम्र की अनाहत ने हेली वार्ड के खिलाफ 3-0 (7-3, 7-3, 7-4) की जीत के साथ भारत की सेमीफाइनल में जगह पक्की कर दी।

उम्मीद कायम

पेरिस ओलंपिक खेलों में मिली निराशा के बाद कुश्ती से बना ली थी दूरी

विनेश फोगाट ने संन्यास से वापसी की

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की शीर्ष पहलवान विनेश फोगाट ने शुक्रवार को कहा कि उनका जोश और जज्बा अब भी पहले की तरह कायम है और वह 2028 में होने वाले लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में एक बार फिर से ओलंपिक पदक जीतने के लिए संन्यास से वापसी करेंगी। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक खेलों में मिली निराशा के बाद खेल से दूरी बना ली थी। पेरिस ओलंपिक में उन्हें महिलाओं के 50 किलोग्राम वर्ग के स्वर्ण पदक मुकाबले से ठीक पहले निर्धारित वजन सीमा से 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

उन्होंने खेल पंचाट (सीएएस) में संयुक्त रूप से रजत पदक देने की मांग की थी, लेकिन फैसला नहीं बदला गया, जिसके चलते

उन्होंने संन्यास की घोषणा की और राजनीति में प्रवेश किया। वह हरियाणा के जुलाना निर्वाचन क्षेत्र से विधायक चुनी गईं।

विनेश ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में कहा, ''लोग मुझसे पूछते रहे कि क्या पेरिस में ही मेरे सफर का अंत हो गया है। लंबे समय तक मेरे पास इसका जवाब नहीं था। मुझे मैट से, दबाव से, उम्मीदों से, यहां तक कि अपनी महत्वाकांक्षाओं से भी दूर रहने की जरूरत थी। कई वर्षों में पहली बार मैंने चैन की सांस ली।

उन्होंने कहा मैंने अपने सफर के महत्व को समझने के लिए समय लिया। चरम पर पहुंचना, दिल टूटने के पल, मेरे बलिदान और मेरे वो रूप जिन्हें दुनिया ने कभी नहीं देखा। उस आत्मचिंतन में कहीं न कहीं मुझे इस सच्चाई का एहसास हुआ कि मुझे अब भी यह खेल पसंद है। मैं अब भी प्रतिस्पर्धा करना चाहती हूं। इस बीच विनेश जुलाई में एक बेटे की मां भी बनी। विनेश ने कहा उस सन्नाटे में मुझे एक ऐसी बात का एहसास हुआ जिसे मैं भूल चुकी थी। यह था कि वह जोश कभी खत्म नहीं हुआ है।

यह केवल थकान और शोर के कारण नेपथ्य में चला गया था। अनुशासन, दिनचर्या, संघर्ष, यह सब मेरे भीतर मौजूद हैं। मैं चाहे कितनी भी आगे निकल जाऊं, मेरा एक हिस्सा हमेशा मैट पर ही रह जाता है।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में पदक जीतना है लक्ष्य

विनेश ने कहा कि वह नए जोश और जज्बे तथा अपने बेटे के साथ लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए अपने सफर को शुरू करेंगी। उन्होंने कहा इसलिए मैं आज यहां पर मौजूद हूं तथा पूरी निडरता और दृढ़ संकल्प के साथ लॉस एंजिलिस ओलंपिक की तरफ कदम बढ़ा रही हूं। इस बार मैं अकेली नहीं हूं। मेरा बेटा भी मेरी टीम में शामिल हो रहा है। वह मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है। वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक के इस सफर में मेरा छोटा सा चीयरलीडर है। विनेश ने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक के मुकाबले में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनकर पहले ही इतिहास रच दिया था। तीन बार की ओलंपियन विनेश ने एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों दोनों में स्वर्ण पदक जीते हैं।